Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 30 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 253 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नही बल्कि मजबूत बनाने आती है।

विजय की फिल्म में श्रीलीला की जगह...

SHARE

सेंसेक्स	:	65,828.41
निफ्टी	:	19,638.30

SARAFA

सोना	:	5525
चांदी	:	75.50

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अवधेश गोलीकांड के आरोपी को पटना से लाया गया रांची, भेजा गया जेल

RANCHI : रांची के कांके थाना क्षेत्र में जमीन कारोबारी अवधेश यादव पर दिनदहाड़े गोली चलवाने के आरोपित चितरंजन कुमार को पटना स्थित बेऊर जेल से शुक्रवार को रांची लाया गया। इसके बाद मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मिथिलेश कुमार सिंह की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने चितरंजन को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया। इससे पूर्व पटना पुलिस और रांची पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच चितरंजन को रांची सिविल कोर्ट लाया गया। चितरंजन एक्साइज एक्ट के मामले में बेऊर जेल में बंद था। उसपर पटना के गांधी मैदान थाना में 30 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके अलावा रांची के गोंदा और कांके थाना में पहले से केस दर्ज है। इस संबंध में 19 सितंबर को कांके थाना के अनुसंधान पदाधिकारी ने रांची सिविल कोर्ट के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में आवेदन दिया था। उल्लेखनीय है कि बीते 14 सितंबर को जमीन कारोबारी अवधेश यादव को कांके थाना के ब्लॉक चौक पर गोली मार दी गई थी। अवधेश एक निजी अस्पताल में इलाजरत हैं।

पूर्व नेशनल शूटर तारा शाहदेव मामले में फैसला आज

RANCHI : सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में पूर्व नेशनल शूटर तारा शाहदेव प्रकरण से जुड़े आठ वर्ष पुराने मामले में 30 सितंबर को फैसला आयेगा। इस मामले में रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल हसन, उसकी मां कौशल रानी और झारखंड हाइ कोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (निगरानी) मुश्ताक अहमद ट्रायल फेस कर रहे हैं। मामले में आरोपियों के खिलाफ तीन जुलाई 2018 को अदालत ने आरोप का गठन किया था। सीबीआइ की ओर से 26 गवाहों का बयान कलमबद्ध कराया गया। आरोप है कि विवाह के बाद से ही तारा शाहदेव के साथ पति रकीबुल द्वारा मारपीट की जाने लगी थी और धर्म बदलने का दबाव डाला जा रहा था।

भारत निर्वाचन आयोग ने की राजस्थान में चुनावी तैयारियों की समीक्षा

JAIPUR : भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरुण गोयल ने शुक्रवार को जयपुर में प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधानसभा चुनाव 2023 की तैयारियों का जायजा लिया और अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य निर्वाचन आयुक्त, आयुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इसके पश्चात आयोग ने एन्फोर्समेंट एजेंसियों जैसे राज्य पुलिस, सीपीएफ, आयकर, आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर विभाग, राज्य की लीड बैंक के समन्वयक, रेलवे, केंद्रीय सुरक्षा बल, आबकारी, आयकर, परिवहन, वाणिज्य कर, प्रमुख बैंक, नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो और एयरपोर्ट के उच्चाधिकारियों से विधानसभा चुनाव-2023 के संबंध में चर्चा की। इस दौरान राज्य स्तर पर आगामी विधानसभा को लेकर अब तक की गई तैयारियों पर आयोग के समक्ष पावर पॉइंट प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों संग की HIGH LEVEL MEETING

मानव तस्करी, बाल श्रम एवं प्रवासी श्रमिकों को लेकर दिये निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मानव तस्करी, बाल श्रम पर रोक व प्रवासी श्रमिकों को लेकर बेहतर कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हर हाल में मानव तस्करी रोकें। बाल श्रम पर रोक को लेकर बिचौलियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें। शुक्रवार को अधिकारियों के साथ उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक की। इसमें अधिकारियों को उन्होंने कई दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी की घटनाओं पर राज्य सरकार गंभीर है। हर हाल में मानव तस्करी पर रोक लगाएं। प्रवासी श्रमिकों के डेटाबेस को लेकर मैकेनिज्म तैयार करें। झारखंड मंत्रालय में पुलिस विभाग तथा महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों के साथ उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सभी 24 जिलों में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग, एसटी-एससी, साइबर, महिला थाना समेत अन्य थानों की कंबाइंड बिल्डिंग बनाने का निर्देश दिया। हेल्प डेस्क एवं कॉल सेंटर को एक्टिव करने को कहा, ताकि बिचौलियों के खिलाफ सख्ती बरती जा सके और इन संगठित अपराधों पर रोक लगायी जा सके। इसके साथ ही मासूमों की रक्षा की जा सके।

बैठक में शामिल मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

लंबित मामलों की समीक्षा कर जल्द करें निबटारा

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग से संबंधित पुराने एवं लम्बित मामलों का निरंतर समीक्षा करते हुए उन मामलों को निष्पादित करें। मामलों के कनविक्शन की मॉनिटरिंग करें। मानव तस्करी में शामिल लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करें। ह्यूमन ट्रैफिकिंग में शामिल सिंडिकेट अथवा एजेंसियों पर हर हाल में कार्रवाई सुनिश्चित हो।

सीएम हेमंत सोरेन ने कंबाइंड बिल्डिंग बनाने का दिया निर्देश : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि झारखंड के चौबीसों जिलों में एक कंबाइंड बिल्डिंग बनायी जाए, जहां एसटी/एससी थाना, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना, साइबर थाना एवं महिला थाना 24७7 कार्यरत हो सके। संबंधित विभाग कंबाइंड भवन की डीपीआर तैयार कर अग्रतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

हेल्प डेस्क एवं कॉल सेंटर को करें एक्टिव : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बच्चों को बाल श्रम की ओर धकेलने वाले बिचौलियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। वैसे श्रमिक जो घरेलू कार्यों के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं, उनका डाटा और पुलिस वेरीफिकेशन सुनिश्चित करें ताकि उन्हें शारीरिक, आर्थिक तथा मानसिक शोषण से बचाया जा सके। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग से संबंधित जितने हेल्प डेस्क तथा कॉल सेंटर बनाए गए हैं, उन्हें पूर्ण रूप से सक्रिय करें तथा उन सेंटरों का निरंतर समीक्षा की जाए। पंचायत स्तरों में स्थापित कॉमन सर्विस सेंटरों में भी श्रमिकों का डाटा रजिस्टर्ड हो सके इसकी भी व्यवस्था बनाएं।

मानव तस्करी पर रोक के लिए बनाएं एक्शन प्लान : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि मानव तस्करी राज्य में एक गंभीर समस्या बन रही है। इसके रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभाग, स्वयंसेवा संस्थाएं तथा सामाजिक संस्थाओं का बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्य योजना बनाने की जरूरत है। मानव तस्करी जैसे कार्यों में अनेक आपराधिक तत्व इस संगठित अपराध में लिप्त रहते हैं। ऐसे तत्वों की धर पकड़ के साथ-साथ आम जनता को भी इस दिशा में सजग और सावधान बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

अधिकारियों को दिया निर्देश: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत झारखंड महिला विकास समिति के तहत वूमेन ट्रैफिकिंग से संबंधित रोकथाम एवं पुनर्वास को लेकर संचालित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में एकीकृत पुनर्वास-सह-संसाधन केंद्र, वन स्टॉप सेंटर योजना, महिला हेल्पलाइन योजना, स्वाधार गृह योजना/उज्ज्वला योजना (शक्ति सदन) सहित अन्य योजनाओं के कार्य प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को कई महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रवासी श्रमिकों के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाएं : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के वैसे प्रवासी श्रमिक अथवा मजदूर जो रोजगार के लिए दूसरे राज्य में पलायन करते हैं, उनके हित के लिए एक बेहतर कार्य योजना बनाएं। एक ऐसा मैकेनिज्म तैयार करें जिसमें राज्य सरकार की ओर से उन श्रमिकों को इंसेंटिव मिले तथा उनका सारा डाटा राज्य सरकार के पास सुरक्षित रह सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी पंचायत एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी मानव तस्करी से संबंधित सूचना तंत्र को मजबूत करें।

बैठक में ये अधिकारी थे मौजूद : बैठक में मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, सीआईडी के डीजी अनुराग गुप्ता, सीआईडी के आईजी असीम विक्रांत मिंज, श्रम विभाग के सचिव राजेश शर्मा, महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव कृपानंद झा, स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव के रवि कुमार, श्रम आयुक्त संजीव बेसरा, सीआईडी की एसपी संध्या रानी मेहता, पंचायती राज निदेशक निशा उरांव, जेएसएलपीएस के सीईओ संदीप सिंह, समाज कल्याण सह परियोजना निदेशक (महिला विकास समिति) शशि प्रकाश झा एवं अन्य उपस्थित थे।

महिला आरक्षण बिल पर लगी राष्ट्रपति की मुहर, गजट जारी

AGENCY NEW DELHI : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला आरक्षण बिल नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही यह बिल कानून बन गया है। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद भारत सरकार ने महिला आरक्षण विधेयक को लेकर गजट अधिसूचना जारी कर दी है। इस बिल के कानून बनते ही लोकसभा और राज्यविधानसभा की 33 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हो गई है, यानी कि लोकसभा की 543 सीट में से 181 महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। महिला आरक्षण बिल मोदी सरकार का मास्टरस्ट्रोक था जिसे राष्ट्रपति ने अपनी मंजूरी दे दी है। इसे अब आधिकारिक तौर पर संविधान के (106वां संशोधन) अधिनियम के रूप में जाना जायेगा। इसके प्रावधान के अनुसार, ह्यह्याआधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित केंद्र सरकार की अधिसूचना की तारीख से यह प्रभावी होगा।

महिलाओं को अब मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण

इस बिल के प्रावधानों के अनुसार लोकसभा की 543 सीट में से 181 अब महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। आरक्षण का प्रावधान 15 वर्षों के लिए लागू रहेगा। उसके बाद इसकी अवधि बढ़ाने पर फैसला संसद को करना होगा। यह संविधान का 128वां संशोधन विधेयक है। ह्यनारी शक्ति वंदनअधिनियमह्ल के तहत एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था नहीं होगी, लेकिन जो सीटें एससी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित हैं उनमें से 33 प्रतिशत अब महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। वहीं ओबीसी महिलाओं के लिए बिल में अलग से आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। उन्हें अनारक्षित सीटों पर ही चुनाव लड़ना होगा।

एक बाइक पर बैठे चार सवारी हादसे में दो की मौत, दो गंभीर

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के जपला-छतरपुर मुख्य पथ के झरगडा मोड़ स्थित शामुडीह बीर कुंवर के समीप बाइक दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हैं। घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। वहीं शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दुर्घटना में झरगड़ा गांव का दिलीप कुमार (26) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक ही बाइक पर सवार तीन अन्य युवक पतरा गांव के शशि कुमार (19), झरगड़ा गांव के सचिन कुमार सिंह (21) और अक्षय कुमार (19) को ग्रामीणों ने तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया। यहां शशि कुमार की मौत हो गई, जबकि अन्य दो घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया है। घटना कैसे घटी, इस संबंध में किसी को कोई जानकारी नहीं है। इनमें सचिन कुमार सिंह को रांची रेफर कर दिया है, जबकि अक्षय कुमार का इलाज मेदिनीनगर के निजी अस्पताल में किया जा रहा है। घायलों के ठीक होने पर ही स्पष्ट हो पाएगा कि हादसा कैस हुआ।

सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की छानबीन की। पुलिस के अनुसार अज्ञात वाहन के बाइक में धक्का लगने से घटना घटी है। बताया जाता है कि बाइक सवार सभी चार युवक एक ही बाइक पर जपला से डिजनीलैंड मेला देख कर अपने घर लौट रहे थे, इसी बीच घटना घटी।

गिरिडीह में बदमाशों ने ट्रक चालक को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

PHOTON NEWS GIRIDIH : नेशनल हाइवे पर डीजल की कटिंग करने वाले अपराधियों ने एक ट्रक चालक की पिटाई की और फिर गोली मार दी। इलाज के दौरान धनबाद में घायल चालक की मौत हो गई। यह घटना निमियाघाट थाना क्षेत्र की है। मृतक सत्यनारायण प्रजापति राजस्थान के भीलवाड़ा जिला अंतर्गत शाहपुर का निवासी था।

बताया जाता है कि ट्रक (आरजे 09जीबी 1106) आयरन ब्लेड लोड कर दुगार्पुर से ग्वालियर जा रहा था। निमियाघाट-डुमरी बॉर्डर पर गुरुवार रात करीब एक बजे ट्रक खराब हो गया, जिस कारण से गाड़ी रोड किनारे खड़ी कर दी गई। इस बीच रात लगभग 2:30 बजे एक चार पहिया वाहन ट्रक के आगे खड़ा हो गया। उसपर सवार अपराधी नीचे उतरे और ट्रक की टंकी से डीजल की चोरी करने लगे। इस बीच ड्राइवर जग गया और अपराधियों से कहासुनी होने लगी। इस बीच अपराधियों ने लोहे के रॉड से चालक पर वार कर दिया। इसपर भी चालक विरोध करने लगा तो अपराधियों ने उसकी जांघ में गोली मार दी।

इस बीच गश्त पर निकले निमियाघाट थाना प्रभारी साधन कुमार को पूरी घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और इस मामले से एसपी दीपक कुमार शर्मा और एसडीपीओ सुमित कुमार को भी अवगत कराया। इसके बाद घायल चालक को डुमरी रेफरल अस्पताल लाया, जहां से उसे धनबाद रेफर कर दिया गया, जहां चालक ने दम तोड़ दिया। घटना की पूरी जानकारी वाहन के खलासी सुरेश धाकड़ (जिला भीलवाड़ा, राजस्थान) ने पुलिस को दी है।

35 लाख के लूटकांड में शामिल कुख्यात धीरज जालान समेत आधा दर्जन गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के डेली मार्केट थाना क्षेत्र से बीते 11 सितंबर को 35 लाख लूटकांड का खुलासा करते हुए रांची पुलिस कुख्यात अपराधी धीरज जालान समेत आधा दर्जन आरोपी को गिरफ्तार किया है। धीरज जालान राजधानी रांची का कुख्यात अपराधी में एक है। उसके उपर सीसीए के तहत थाना मे हाजरी लगाना था। धीरज जालान को डीसी द्वारा प्रत्येक रविवार को सुखदेवनगर थाना में उपस्थिति दर्ज कराने का आदेश दिया गया था। परंतु धीरज जालान ने छह अगस्त से अपनी उपस्थिति देना बंद कर गायब हो गया। गिरफ्तार आरोपी में धीरज जालान उसके पिता श्याम सुंदर जालान, हर्ष गुप्ता उर्फ निशु गुप्ता, सचित साहु, अरुण भुईयां और सुनील कुमार महतो का नाम शामिल हैं।

पुलिस अपराधियों के निशानदेही पर लूट के बीस लाख दस हजार रुपये, एक स्विफ्ट डिजायर कार, 15 मोटरसाइकिल और दो स्कूटी बरामद किया है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस बताया कि डेली मार्केट मेन रोड एसबीआई बैंक में पैसा जमा करने जा रहे एक कारोबारी से बड़ा तालाब रोड में शौचालय के पास की गली में पैसों से भरा बैग अज्ञात अपराधियों ने लूट लिया था। कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में एसआईटी टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर इस घटना में शामिल छह अपराधियों को गिरफ्तार किया।

हत्या के आरोप जेल जा चुका धीरज जालान पर दर्ज है दो दर्जनों मामले : आरोपी धीरज जालान पर राजधानी रांची के विभिन्न थाना में दो दर्जन मामला दर्ज है। बाईक चोरी के लिये कुख्यात धीरज जालान अपराधी घटना को अंजाम देने के लिये वाकीटॉकी का इस्तेमाल करता था। ताकि पुलिस को पता नही चल सके। धीरज जालान गिरोह के लोग रांची के अलावे गुमला, लोहदगा, खुंटी, रामगढ़ और हजारीबाग में बाइक चोरी की घटना को अंजाम देता था।

ONE NATION, ONE ELECTION : विधि विभाग की ओर से की जा रही तैयारी, केवल एक बार जाना होगा मतदान केंद्र

2029 से विधानसभा व लोकसभा चुनाव एक साथ कराने की उम्मीद

AGENCY NEW DELHI : 'वन नेशन वन इलेक्शन' को लेकर कई तरह की राजनीतिक बयानबाजी आ रही है। इस बीच विधि आयोग ने मामले पर कहा है कि मौजूदा विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाकर या घटाकर 2029 से लोकसभा चुनाव के साथ सभी के चुनाव एक साथ कराने के फॉमूर्ले पर काम कर रहा है। आयोग के सूत्रों ने की ओर से यह जानकारी सामने आई है।

सरकार पहले ही लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के लिए एक साथ चुनाव कराने के वास्ते एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है, इसलिए विधि आयोग को राष्ट्रीय और राज्यों के लिए अपनी वर्तमान सिफारिश के साथ-साथ स्थानीय निकाय चुनावों को भी शामिल करने को कहा जा सकता है। सूत्रों ने कहा कि विधि आयोग लोकसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के वास्ते एक आम मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार कर रहा है ताकि लागत कम हो सके और जनशक्ति का इस्तेमाल लगभग एक समान कवायद के लिए किया जा सके जो अभी निर्वाचन आयोग और विभिन्न राज्य निर्वाचन आयोगों द्वारा की जाती है।

सूत्रों ने हालांकि यह भी बताया कि एक साथ चुनाव पर विधि आयोग की रिपोर्ट तैयार नहीं है क्योंकि कुछ मुद्दों का निपटारा होना बाकी है।

वर्ष 2029 से राज्यों की विधानसभाओं और लोकसभा, दोनों चुनाव एक साथ कराना सुनिश्चित करने के लिए न्यायमूर्ति ऋतुराज अवस्थी के तहत आयोग विधानसभाओं के कार्यकाल को कम करने या बढ़ाने का सुझाव दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र तैयार किया जा रहा है कि एक बार लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था हो जाए, तो मतदाता दोनों चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते केवल एक बार मतदान केंद्र पर जाएं। क्योंकि विधानसभा और संसदीय चुनाव विभिन्न चरणों में होते हैं, इसलिए आयोग इस बात पर भी गौर कर रहा है कि मतदाता दो चुनावों के लिए मतदान करने के वास्ते एक से अधिक बार मतदान केंद्रों पर न जाएं।

फिलहाल आयोग का काम विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने के तरीके सुझाना

सूत्रों ने कहा कि आयोग का विचार है कि विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं और वह केवल व्यापक लोकतांत्रिक कवायद के सुचारू संचालन के लिए तौर-तरीकों पर काम कर रहा है। फिलहाल आयोग का काम विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने के तरीके सुझाना है। लेकिन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति को यह सिफारिश करने का काम सौंपा गया है कि लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनाव (पंचायत, नगरपालिका, जिला परिषद) एक साथ कैसे आयोजित किए जा सकते हैं।

दो चरणों में त्रिस्तरीय चुनाव कराने का तैयार हो रहा मसौदा

विधि आयोग एक सुझाव यह दे सकता है कि त्रिस्तरीय चुनाव एक साल में दो चरणों में कराए जाएं। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराए जा सकते हैं और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव कराए जा सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि यह देश में विभिन्न जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है। कानून मंत्रालय ने अप्रैल 2018 में विधि आयोग से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे की जांच करने को कहा था।

बागवानी

स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है । सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें । उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें

सड़क एवं मार्ग

- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें । आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है । अत : उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें ।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें ।
- नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़–तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है
वर्गाकार पद्धति – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है । इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं ।
आयताकार– इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है ॥
त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति ।
पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति– यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है ।
आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता । इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है ।
कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची–नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है ।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है । भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें ।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें । उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो ।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो । ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों ।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों । उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें ।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो, गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली–भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें । जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें ।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये । जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली–भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली–भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें । रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें । उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें ।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें । जैसे– कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें । फलों की तुड़ाई करें । आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें ।
जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें । पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें । पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है ।

रामतिल सुरक्षित फसल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है । इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है । अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था । डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है । यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है । अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है । इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें । मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें ।

भूमि का चुनाव– यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है । अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है ।

हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है । परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है ।

फसल पद्धति –रामतिल फसल की बुआई सामान्यत : मध्य अगस्त में की जाती है । अत : इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं । डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है । परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।

उन्नत किस्में – अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है । भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए । अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है । डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं ।

बीज दर – शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है ।

बीजोपचार –
फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है । थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए । बुआई के 12 घंटे पूर्व फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है ।

बुआई विधि –सामान्यत : रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है । इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए । बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए । इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता ।

उर्वरक एवं खाद – रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए । बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है ।

नींदा नियंत्रण – रामतिल फसल में पहली निंदाई – गुड़ाई बुआई के 15–20 दिन बाद करना चाहिए । यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई –गुड़ाई बुआई के लगभग 35 – 40 दिन बाद करें । यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए । रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है । जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है । इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए ।

कटाई एवं गहाई – रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है । जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें । कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है । कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए ।

आय – व्यय –परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है । जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है । उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी ।

BRIEF NEWS

एक से तीन अक्टूबर तक तीन दिवसीय 'युवा विकास महोत्सव' का आयोजन

RANCHI : महात्मा गांधी की जयंती पर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 1 अक्टूबर 2023 से 03 अक्टूबर 2023 तक तीन दिवसीय 'युवा विकास महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन बिशुनपुर, गुमला में किया जायेगा। अमृत महोत्सव के इस कालखंड में भारत आज हर आयामों में नित्य नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए इस वर्ष युवा विकास महोत्सव का थीम ह्रदौड़ता भारतह्न रखा गया है। प्रत्येक वर्ष यह महोत्वस महान स्वतंत्रता सेनानी, टाना भगत आंदोलन के जनक एवं धरती के वीर सपूत जतरा टाना भगत को समर्पित रहता है।

बुढ़मू में हो रहा अवैध बालू खनन, फूंका हाइवा

RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची के बुढ़मू में अवैध बालू खनन का धंधा खतरनाक अंजाम तक पहुंच गया। अपराधियों ने शुक्रवार सुबह बालू से लदे एक हाइवा को फूंक दिया। यह वाकया बुढ़मू केरेडारी सीमांत क्षेत्र अंतर्गत हेंदेगीर मुख्य मार्ग का है। बुढ़मू पुलिस जांच में जुट गई है। एसपी (ग्रामीण) मनीष टोप्पो ने इसकी पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक हाइवा चालक ने इंजन में शॉर्ट सर्किट होने से डीजल टंकी में आग लगने की बात कही है। आशंका यह है कि अवैध बालू ढुलाई में प्रतिबंधित संगठनों का हाथ हो सकता है, क्योंकि कुछ दिनों से वसूली के विरोध में बालू उठाव का काम बंद था। प्रतिबंधित संगठन वाहन चालकों को धमकी दे रहे थे। यह इलाका उग्रवादी प्रभावित है।

राज्य से नक्सलवाद खत्म करने के लिए लाया जाएगा प्लान : राज्यपाल

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि राज्य से नक्सलवाद को खत्म करने के लिए जल्द ही एक बड़ा प्लान लाया जाएगा। हमें यकीन है जल्द ही झारखंड से नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। राज्यपाल ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और वे लगातार एक-दूसरे से इस बारे में सलाह-मशविरा कर रहे हैं।

बूथ सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत बैठक संपन्न

RANCHI : बूथ सशक्तिकरण महा अभियान के अंतर्गत आज कांके मंडल के अध्यक्षता में बूथ सत्यापन विषयक पर महत्पूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक को श्री आदित्य प्रसाद, प्रदेश महामंत्री सह सांसद (राज्यसभा) के द्वारा प्रवासी के रूप में लिया गया जिसमें उनके द्वारा मंडल के पदाधिकारी, संयोजक और बूथ अध्यक्षों का भौतिक सत्यापन भी किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री आदित्य साहू ने कहा कि जो कोई कार्यकर्ता संपूर्ण निष्ठा के साथ पार्टी के कार्य को सम्पन्न करते हैं उनकी पूर्ण उन्नति सुनिश्चित है।

कांची डैम से सिंचाई का लाभ नहीं ले पा रहे ग्रामीण : अमर महतो

RANCHI : सिंचाई के लिए 50 किलोमीटर से होकर कांची डैम से निकलने वाली नहर गुजरती है। कांची डैम का बृहद निर्माण से पंचपरगना क्षेत्र के कृषि एवं किसान दोनों मजबूत होंगे। परंतु कांची डैम से संपूर्ण सिंचाई का लाभ नहीं ले पा रहे हैं पचपरगना के ग्रामीण। आगामी वित्तीय वर्ष में डैम निर्माण परियोजना की मंजूरी के लिए 400 गांव के ग्रामीण आंदोलन करेंगे। उक्त बातें नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रदेश महासचिव अमर महतो ने कही। नहर में लगे सफाई कर्मियों के वेतन में भी अनियमित एवं कमी है। सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग एवं सिंचाई विभाग के मंत्रालय इस विषय में चुप्पी साधे हुए हैं।

atomee
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

HC ने चंदन डैम मामले में केंद्र सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का दिया निर्देश

हाई कोर्ट में सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की हुई सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में बिहार के बांका के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड के गोड्डा को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि चंदन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गए हैं, उसे हटाने के लिए बिहार सरकार के साथ संयुक्त अभियान चलाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर क्या निर्णय लिया है।

इससे पहले बिहार सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि चंदन डैम से गाद हटाने के संबंध में भारत सरकार के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया जाना है और इसे लेकर भारत सरकार को वर्ष 2022 में ही बिहार सरकार द्वारा एक पत्र लिखा गया है लेकिन अब तक केंद्र सरकार द्वारा इस पत्र पर कोई जवाब नहीं आया है। चीफ

जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

पिछली सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में 75 प्रतिशत गाद भर गया है। इसके कारण इस डैम की पानी को जमा रखने की क्षमता मात्र 25 प्रतिशत ही रह गई है। दरअसल, बिहार सरकार ने चंदन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जताई है। झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके।

पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में 6 कैनाल सिस्टम है, जिनमें 4 कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं। यह स्ट्रक्चर डैमेज हो चुका है जिसका रिपेयर करना जरूरी है, ताकि गोड्डा जिला में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो सके। याचिकाकर्ता गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने गोड्डा में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी के लिए चंदन डैम के कैनाल सिस्टम को रिपेयर करने का आग्रह करते हुए 2016 में जनहित याचिका दायर की थी।

विधायक समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र मामले की सुनवाई 3 अक्टूबर को

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में कांके विधायक समरी लाल के जाति प्रमाण मामले में सुरेश बैठा एवं राज्य सरकार की अपील की आंशिक सुनवाई शुक्रवार को हुई। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा एवं न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट कर रही है लेकिन यह रेगुलर बेंच शुक्रवार को अवेलेबल नहीं थी, जिस कारण हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई तीन अक्टूबर निर्धारित की है।

पूर्व की सुनवाई में कोर्ट ने कांके विधायक समरी लाल के जाति प्रमाण पत्र की जांच संबंधी प्रक्रिया को रोकने से किया इनकार कर दिया था। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि राज्य जाति छानबीन समिति कांके विधायक समरीलाल के मामले में जांच जारी रहेगी लेकिन अंतिम आदेश पारित नहीं करेगी।

दरअसल, समरी लाल की ओर से राज्य जाति छानबीन समिति की जांच प्रक्रिया को रोकने का आग्रह ओर से किया गया था। राज्य जाति छानबीन समिति के द्वारा कांके विधायक समरीलाल का जाति प्रमाण पत्र खारिज किए जाने के मामले में हाई कोर्ट की एकल पीठ के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार एवं सुरेश बैठा की अपील दाखिल की है।

पूर्व की सुनवाई में राज्य सरकार और सुरेश बैठा की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि समरी लाल मूल रूप से राजस्थान के निवासी हैं। उनके पूर्वज माइग्रेट होकर झारखंड आए हैं।

आदिवासी सीएम को प्रताड़ित कर रहा विपक्ष : मिथिलेश ठाकुर

PHOTON NEWS CHAIBASA : क्षेत्रीय उरांव समाज संघ चाईबासा की ओर से कर्मा पर्व के उपलब्ध में आयोजित शहीद राम भगवान केरकेट्टा कर्मा पर्व दो दिवसीय फुटबॉल व खेलकूद प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। स्थानीय सिंहभूम स्पोस्टर्स एसोसिएशन मैदान में आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल में बंगाल टैगर पुरूलिया और बिरसा नगर जमशेदपुर के बीच मैच खेला गया। जिसमें बंगाल टैगर पुरूलिया की टीम विजेता और बिरसानगर टीम उपविजेता बनी। विजेता टीम पुरूलिया को मुख्य अतिथि पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर उर्फ मुनु ठाकुर ने ट्रॉफी और नकद राशि प्रदान किया। वहीं उपविजेता टीम बिरसानगर जमशेदपुर को विशिष्ट अतिथि चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव व जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन के हाथों प्रदान किया गया। वहीं मैच के बेस्ट स्कोर में बोकारो के शंभू उरांव, बेस्ट गोल कीपर में बिरसानगर जमशेदपुर के

रवि उरांव और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार पुरूलिया के डॉ उरांव को दिया गया। वहीं खेलकूद प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को भी पुरस्कार दिया गया। सेफीफाइन में विजेता तेलंगाखुरी चाईबासा और उपविजेता सेताहाका चक्रधरपुर को भी नकद राशि देकर पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि खेलकूद स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। इस तरह के प्रतियोगिता के आयोजन से लोगों के बीच आपसी भाईचारा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाज के अलावा अन्य क्षेत्रों में उरांव समाज बेहतर काम कर रही है। साथ ही समाज को एकजुट करने के लिए निरंतर प्रयास करते आ रहे हैं।

रांची एवं जमशेदपुर में 45 दिनों के अंदर रिक्त पदों को भरने का हाई कोर्ट का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड (जेजे बोर्ड), चाइल्ड वेलफेयर कमिटी (सीडब्ल्यूसी) और राज्य बाल संरक्षण आयोग में रिक्त पदों को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट के आदेश के आलोक में महिला एवं बाल विकास विभाग के सचिव कृपानंद झा कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए।

उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि रांची एवं जमशेदपुर में एक-एक अतिरिक्त जेजे बोर्ड के गठन को कैबिनेट ने स्वीकृति दी है। राज्यपाल से भी इसकी अनुमति मिल गई है। राज्य सरकार ने रांची एवं जमशेदपुर में अतिरिक्त जेजे बोर्ड अधिसूचना जारी कर दी है। इस पर कोर्ट ने सरकार को 45 दिनों के भीतर इन दोनों जगह में गठित किए जाने वाले अतिरिक्त जेजे बोर्ड के रिक्त पदों पर नियुक्ति करने का निर्देश दिया है।

इसके साथ कोर्ट ने राज्य के

HC ने टी-शर्ट, टॉफी घोटाला मामले में राज्य सरकार से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में स्थापना दिवस के नाम पर वर्ष 2017 में करोड़ों रुपये की टॉफी और टी-शर्ट बांटे जाने की जांच की मांग करने वाली जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सरकार को तीन महीने में अब तक हुई कार्रवाई की पूरी स्टेटस रिपोर्ट हाई कोर्ट में पेश करने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में इस याचिका पर सुनवाई हुई।

झारखंड के 17वें स्थापना दिवस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में एक दिन में लगभग साढे तीन करोड़ के टीशर्ट और 35 लाख की टॉफी बांटी गयी थी। आरटीआई एक्टिविस्ट पंकज यादव ने मामले की जांच की मांग को लेकर जनहित याचिका दायर की थी।

छह जिलों में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी(सीडब्ल्यूसी) के चेयरमैन और मेंबर के रिक्त पदों को भी भरने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने अपनी मौखिक टिप्पणी में कहा कि अभी दुर्गा पूजा आ रहा है तो ऐसे में रामगढ़ के रजरप्पा में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ आयेगी। मेले में कई बच्चे गुम हो जाते हैं ऐसे में चाइल्ड वेलफेयर कमिटी बच्चों की गुमशुदगी के मामलों पर निगरानी रखे।

मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। मामले में एमिकस क्यूरी अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने पक्ष रखा। बचपन बचाओ आंदोलन की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार तिवारी ने पैरवी की।

ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए प्रखंड स्तर पर चलाया जा रहा कार्यक्रम

PHOTON NEWS RANCHI : महिलाओं को स्वालंबी बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार, राज्य में कई कार्यक्रम चला रही है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन झारखंड राज्य आजीविका संबर्धन सोसायटी के सहयोग से प्रखंड स्तर में भी ग्रामीण महिलाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पिठोरिया आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथिमिकी स्वालंबी सहकारी समिति लिमिटेड का शुक्रवार को वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया, जिसमे समिति के साल भर का आय-व्यय प्रस्तुत किये गए।

इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप

कार्यक्रम में शामिल सोसायटी के लोग। ● फोटोन न्यूज

में शामिल कांके प्रखंड के प्रखंड उप प्रमुख अंजय बैठा ने समिति के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समिति बहुत ही अच्छा कार्य कर रही है। समिति के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं स्वालंबी हो रही है। वह अपना खुद का रोजगार खोल, घर चला रही हैं। साथ है सरकार द्वारा जो भी योजनाए महिलाओं के विकास के लिए चलाए जा रहे हैं, उसका भी लाभ महिलाओं को समिति के माध्यम से मिल रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 14 साल की कठोर कारावास

PHOTON NEWS CHAIBASA : प्रथम अपर जिला व सत्र न्यायाधीश ओम प्रकाश की अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी को दोषी करार देकर 14 साल की कठोर सजा सुनायी है। साथ ही 20 हजार रुपए की जुमार्ना भी लगाया है। अभियुक्त सुनील आल्डा झींकपानी थाना क्षेत्र के हाथीमंडा गांव का रहनेवाला है। 16 वर्षीय पीड़िता के बयान पर मुफस्सिल थाना में 6 मार्च 2021 को पोक्सो एक्ट का मामला दर्ज किया गया था। दर्ज मामले में पीड़िता ने बताया था कि 6 मार्च 21 को दिन के करीब 3 बजे वह उसका मेरीटोला में बन रहा नया मकान को देखने के लिए आयी थी। वहां पर अभियुक्त सुनील आल्डा में घर बनाने का सामान को रखा था। जब पीड़िता घर के अंदर बचा सीमेंट को देखने घुसी तो अभियुक्त उसका पीछे गया और अंदर से घर का दरवाजा बंद कर दिया और पकड़ कर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। जब चिल्लाने का प्रयास किया तो उसका मुंह दबा दिया था। अभियुक्त वर्तमान में स्टेशन कॉलोनी चाईबासा में रहता था।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री पहुंचे सेक्टर-2 धुर्वा स्थित सीआरपीएफ कैंप

कोबरा बटालियन के बलिदान हुए जवान को दी श्रद्धांजलि

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को सेक्टर-2 धुर्वा स्थित सीआरपीएफ कैंप परिसर पहुंचकर चाईबासा के टोंटो क्षेत्र में माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में बलिदान हुए सीआरपीएफ कोबरा बटालियन-209 के कांस्टेबल जवान राजेश कुमार के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ईश्वर से दिवंगत हुए शहीद जवान की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा

श्रद्धांजलि सभा में शामिल राज्यपाल, मुख्यमंत्री व अन्य। ● फोटोन न्यूज

कि राज्य को नक्सल से मुक्त करने के लिए हमारे बहादुर जवान राजेश कुमार ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। इनका बलिदान पूरा राज्य सदैव याद रखेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल मुक्त झारखंड की मुहिम और मिशन में हमारे कई जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। नक्सल मुक्त अभियान का मिशन जरूर कामयाब होगा। हम सभी को पुलिस जवानों पर गर्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरगति को प्राप्त हुए शहीद जवान राजेश कुमार के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि शोकाकुल परिजनों को इस दुःख एवं विकट परिस्थिति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उल्लेखनीय है कि पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित टोंटो थाना के सरजामबुरू क्षेत्र में सर्च अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से सीआरपीएफ कोबरा बटालियन-209 के कांस्टेबल जवान राजेश कुमार वीरगति को प्राप्त हुए। जवान राजेश कुमार ग्राम रेवाली, जिला गरियाबंद, छत्तीसगढ़ के निवासी थे।

मौके पर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, डीजीपी अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वंदना दादेल सहित पुलिस विभाग के अन्य वरीय अधिकारियों ने शहीद कांस्टेबल जवान राजेश कुमार को श्रद्धांजलि दी।

समग्र विकास की योजनाओं को चयन कर अपने क्षेत्र को विकास पथ पर आगे ले जाएं : उपायुक्त

PHOTON NEWS CHAIBASA : हरिगुटु मडकमहातु स्थित आदिवासी हो समाज महासभा कला एवं सांस्कृतिक भवन के सभागार में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के तत्वाधान पर आयोजित दो दिवसीय ग्राम सभा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ शुक्रवार को उपायुक्त अनन्य मित्तल ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उप विकास आयुक्त संदीप बक्शी व मानकी-मुंडा संघ के केंद्रीय अध्यक्ष गणेश पाट पिंगुवा उपस्थित रहे। ग्राम सभा की बैठक में वृहद जागरूकता के लिए आहूत दो दिवसीय ग्राम सभा कार्यशाला के प्रथम दिन 9 प्रखंड सदर चाईबासा, खूंटपानी, झींकपानी, टोंटो, हाटगम्हरिया,

कार्यशाला में उपस्थित उपायुक्त व अन्य। ● फोटोन न्यूज

चक्रधरपुर, जगन्नाथपुर, नोवामुंडी व तांतनगर के मानकी-मुंडा व मुखियाओं ने भाग लिया। कार्यशाला में बिंदु बार जानकारी को साझा करने के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों के द्वारा रखे गए सवालों व सुझावों पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला की शुरूआत में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 तहत ग्रामीण क्षेत्र को तरल ठोस व प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने का शपथ भी दिलाया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि ग्राम सभा की बैठक से पहले जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ग्राम सभा कार्यशाला जिला के विकास के लिए तैयार किए जाने वाले एनुअल प्लान के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

खबरें राउरकेला की

अमूल लस्सी के वितरक बिनय अग्रवाल गिरफ्तार

ROURKELA : अमूल लस्सी के वितरक दयाल इंटरप्राइजेज, मेन रोड, राउरकेला के बिनय अग्रवाल को उदितनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने आज जिला पुलिस कार्यालय राउरकेला की कैंटीन को एक्सपायर डेट की अमूल लस्सी बेची थी। अमूल लस्सी डीपीओ में प्रेस वार्ता में आए मीडियाकर्मियों को जलपान के लिए खरीदी गई थी। इस वारे में पुलिस को सूचित किया गया । पुलिस बिनय को हिरासत में लिए,और पुलिस जांच के बाद कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गणेश मूर्ति विसर्जन को लेकर निकाली गयी भव्य शोभायात्रा

ROURKELA : सिविल टाउनशिप गणेश मूर्ति विसर्जन को लेकर शोभायात्रा सिविल टाउनशिप गणेश पूजा को लेकर विसर्जन शोभायात्रा भव्य रूप से निकाली गई। सिविल टाउनशिप गणेश पूजा कमेटी के सदस्य एवं श्री गजानन गणेश पूजा कमेटी के सदस्य इस शोभायात्रा में शामिल हुए। शाम 7:00 बजे से यह विसर्जन शोभा यात्रा सिविल टाउनशिप आंचल परिक्रमा करने के साथ बालू घाट अस्थाई विसर्जन सभा स्थल पर पहुंची। इस मौके पर सिविल टाउनशिप गणेश पूजा कमेटी के अध्यक्ष संजीव सिंह, महासचिव विकास शर्मा, मनोज अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आलोक मारोठिया, अमित गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल समेत अन्य सदस्य शामिल थे। वहीं श्री गजानन गणेश पूजा समिति के रोहित अग्रवाल, वरुण बगड़िया, अंशुल अग्रवाल, समक अग्रवाल, आयुष खदेड़िया, हर्ष खदरिया, जसमीत सिंह, सिद्धार्थ अग्रवाल, भूपेश गोयल, आशीष अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, राहुल सोमानी, गौतम अग्रवाल व अन्य सदस्य शामिल थे। इस विसर्जन शोभायात्रा को लेकर स्थानीय अंचल के लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली वही गणपति बाबा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के स्लोगन दिए गए।

राष्ट्रीय कराटे एसोसिएशन के रेफरी कमीशन के सदस्य के रूप में राजीव सिंह का हुआ चयन

ROURKELA : इस महीने देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय कराटे चैम्पियनशिप में विश्व कराटे महासंघ (डब्ल्यूकेएफ) और एशियाई कराटे महासंघ (एकेएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त कराटे इंडिया संगठन (केओ) की ओर से राष्ट्रीय रेफरी। आयोग टीम की घोषणा श्री राजीव सिंह, एक कराटे खेल में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता और ओडिशा के पहले एशियाई न्यायाधीश को (क्यूओ) से आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसे सही ढंग से प्रबंधित करने से आने वाले दिनों में कराटे खेल के प्रचार और प्रसार में बहुत मदद मिलेगी, ह्वराजीव ने कहा। इसके लिए (क्यूओ) मेंटर हंस्ति भरत शर्मा, अध्यक्ष सिहान विजय तिवारी, संपादक सिहान संजीव जांगड़ा और ओडिशा राज्य कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष हंस्ति डी. हरिप्रसाद पटनायक और संपादक डॉ. राजीव सिंह ने गौरी मोहंती का आभार व्यक्त किया।

राज्य में 30 सितंबर से 15 अक्टूबर तक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम, पहुंचेगी जागरूकता रथ

ROURKELA : साइबर क्राइम हर किसी के लिए सिरदर्द बन गया है। राज्य सरकार अब साइबर अपराध से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। इसलिए प्रदेश में कल 30 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर राज्य सरकार का साइबर सुरक्षा जागरूकता रथ राउरकेला आएगा। यह रथ राउरकेला शहर के विभिन्न ब्लॉक क्षेत्रों में भी यात्रा करेगी। इसके अलावा विभिन्न स्कूलों में छात्रों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक किया जाएगा और विभिन्न चौराहों पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। राउरकेला एसपी मित्रवाणु महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी।

जॉर्ज तिर्की ने महिला सहायक कलेक्टर सुष्मिता मिंज की मौत की जांच सीबीआई से कराने की रखी मांग

ROURKELA : महिला सहायक समाहर्ता सुष्मिता मिंज के पानी में डूबने की घटना दिन-ब-दिन जटिल होती जा रही है। सुष्मिता की मौत आत्महत्या या हादसा नहीं थी यह एक हत्या है बीरमित्रपुर के पूर्व विधायक जॉर्ज तिर्की ने अभियोग किए। जॉर्ज तिर्की ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है। इस बीच, जिला मानव संसाधन सेल की डीएसपी बनिता माझी को सुष्मिता की मौत मामले की जांच की जिम्मेदारी दी गई है. जॉर्ज ने नाराजगी और असंतोष जताते हुए सीबीआई जांच की मांग की। तीन अक्टूबर को राउरकेला एसपी कार्यालय के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया जायेगा। जॉर्ज तिर्की ने कहा कि चार तारीख को हाइकोर्ट में सीबीआइ जांच के लिए जनहित याचिका दायर की जायेगी। वहीं सुष्मिता मिंज की मौत की जांच डीएसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है। राउरकेला के एसपी मित्रवाणु महापात्र ने कहा, 'जांच के बाद इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।' गौरतलब है कि सहायक कलेक्टर सुष्मिता मिंज का शव 19 तारीख को सेंसोरी पार्क तालाब में मिला था।परिवार ने सुष्मिता की हत्या का आरोप लगाया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शरत पटनायक ने भी इस घटना की सीबीआई जांच की मांग की है।

हिंडाल्को FRP प्लांट में HMS ने जीता प्रत्यायन चुनाव

ROURKELA : हिराडकुड हिंडाल्को संयंत्र के मान्यता चुनाव में हिंद मजदुर समद समर्थित हिंडाल्को एफआरपी वैक्सार्क कर्मचारी संघ ने बीएमएस समर्थित हिंडाल्को एफआरपी वैक्सार्क कर्मचारी संघ को हराया। साथ ही, हिंडाल्को हीराकुद एफआरपी वर्कर्स एम्प्लॉइज यूनियन को एक मान्यता प्राप्त यूनियन के रूप में चुना गया है। इस चुनाव में, हिंद मजदुर सभा द्वारा समर्थित हिंडाल्को हिराकुद एफ.आर.पी.वर्कर्स कर्मचारी संघ ने 225 श्रमिकों में से 142 वोट और 66 वोट प्राप्त करके जीत हासिल की, जबकि विपक्षी यूनियन को केवल 76 वोट और 34 वोट मिले, सात कर्मचारी मतदान से अनुपस्थित रहे। इस चुनाव में हिन्द मजदुर सभा द्वारा समर्थित संघ की जीत होने के कारण राउरकेला मजदुर सभा के अध्यक्ष श्री शशधर नायक, महासचिव श्री अक्षय कुमार नायक, प्रदेश हिन्द मजदुर सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री बैद्यनाथ दास, उपाध्यक्ष श्री गुनीनिधि बल और सबसे पहले हिंडाल्को हीराकुद प्लांट के सभी श्रमिक भाईयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए संघ ने वरिष्ठ श्रमिक नेता राज्य हिंद मजदूर सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री विजय कुमार मोहंती, उप महासंपादक श्री गोकुल मेहर, धन्यवाद दिया।

पर्यटक बस-ट्रक में भिड़ंत, महिला की मौत

ओडिशा से 17 लोग पिंडदान, काशी घूमने निकले थे, 16 घायल, 8 की हालत नाजुक

कैमूर । कुदरा थाना क्षेत्र के पक्षाहगंज के पास रात दो बजे पर्यटक बस और ट्रक की भिड़ंत हो गई। एक पर्यटक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। 16 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों द्वारा सभी घायलों को बाहर निकालते हुए कुदरा थाना और एनएचएआई को सूचना दी गई। कुदरा थाना प्रभारी द्वारा घटनास्थल पर पुलिस टीम भेज कर राहत बचाव कार्य कराया गया। एनएचएआई के दो और सरकारी अस्पताल के पांच एंबुलेंस ने मोर्चा थामा। 13 घायलों को सीएचसी कुदरा उपचार के लिए पहुंचाया गया। इसमें आठ लोगों की स्थिति काफी नाजुक थी। तीन घायल को घटनास्थल से मोहनिया भेजा गया। अस्पताल पहुंचते ही सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए सदर अस्पताल भभुआ भिजवा दिया गया। अस्पताल के भी दो चिकित्सक सहित कुल 15 लोगों का टीम लोगों के उपचार में जुटी हुई थी। सभी तीर्थ यात्री उड़ीसा के रहने वाले थे, जो गया में पिंडदान करने और काशी भ्रमण को लेकर आए हुए थे। उनकी बस एनएच-2 के दक्षिणी लेन में ट्रक से टकरा गई थी। ओडिशा के पर्यटक सूर्य नारायण महाय और जमुना प्रसाद ने बताया कि उड़ीसा से 17 लोग पिंडदान करने और काशी भ्रमण करने आए थे। हमारी बस की टक्कर ट्रक से हो गई जिसमें लोग घायल हैं। जिस समय घटना हुई उस समय हम लोग सो रहे थे जिस कारण समझ नहीं पाए घटना कैसे हुई। आंख खुली तो गाड़ी डैमेज थी हम लोग एक दूसरे पर दबे पड़े थे। सीएचसी कुदरा प्रभारी डॉक्टर रीता कुमारी ने बताया कि अस्पताल में कुल 13 लोग आए हैं, 6 लोगों का हेड इंजरी थी। उनको प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया है। तीन लोगों के भी पैर फ्रैक्चर हैं। चार ऐसे लोग और हैं जिनका उपचार किया जा रहा है। एक महिला की डेथ हो गई है। सभी लोग बस दुर्घटना में घायल हुए हैं। डे और नाइट के सभी कर्मियों सहित कुल 10 से 15 की संख्या में लोग काम कर रहे हैं।

मुजफ्फरपुर में डेंगू केस में इजाफा

मुजफ्फरपुर। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। गुरुवार को भी डेंगू के सात मरीज मिले है। इसके साथ ही जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 120 हो गई है। बता दें कि शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी डेंगू के मरीज मिल रहे है। इनके कुछ दूसरे प्रदेश से भी आए हुए है। जिले के मुशहरी प्रखंड में सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज मिले है। गुरुवार को मुशहरी प्रखंड के तीन, कांटी प्रखंड के एक, औराई के एक और शहरी क्षेत्र के दो मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के द्वारा जगह जगह फॉगिंग भी करवाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। डेंगू की जांच के लिए स्टैंडर्ड दर 950 रुपया रखा गया है। जो की पिछले साल 800 रुपया था। इस बार केमिकल की कीमत में उछाल के कारण कीट का दाम बढ़ा है। सिविल सर्जन डॉ उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 120 हो गई है। जांच बढ़ा दिया गया है। जो भी फीवर का मामला अस्पताल में आ रहा है, उनको इंस्ट्रक्शन दिया जा रहा है कि उनका रैपिड जांच करना है। अगर रैपिड जांच पॉजिटिव आता है तो उनको भर्ती कर लेना है। हरेक जगह दवा का उपाय कर दिया गया है। सभी प्रखंड के अस्पतालों और जिला अस्पताल में सभी दवाई उपलब्ध है। सभी पीएचसी में डेंगू के लिए बेड डेडिकेट करवा दिया गया है। साथ ही मच्छरदानी भी उपलब्ध करवाया गया है। मेडिकल कॉलेज में भी 20 बेड उपलब्ध करवाया गया है। जो लोग गंभीर रूप से बीमार पर रहे है, वैसे ही लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे है। जिनको सिर्फ बुखार लग रहा है, वैसे लोग घर पर ही उपचार करवा रहे है।

पितृपक्ष मेला के आमंत्रण कार्ड पर निगम प्रतिनिधियों का नाम नहीं

गया। जिला प्रशासन द्वारा पितृपक्ष मेला- 2023 के आमंत्रण पत्र में जनप्रतिनिधियों के नाम का उल्लेख नहीं किए जाने पर नगर निगम जन प्रतिनिधि भड़क गए हैं। मेयर वीरेंद्र कुमार उर्फ गणेश पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष नैना देवी, डिप्टी मेयर चिंता देवी, जिप उपाध्यक्ष शीतल प्रसाद यादव, स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य अखौरी ओंकार नाथ उर्फ मोहन श्रीवास्तव, वार्ड 20 के पार्षद धर्मेंद्र कुमार, वार्ड 29 के रणधीर कुमार गौतम, 27 के ममता किरण, 12 डिम्पल कुमार, ओम यादव, साकेत सिंह उर्फ भगत सिंह, मुन्नी देवी सहित निगम के कई पार्षद जिला प्रशासन से खासा नाराज हैं। नाराज निगम जनप्रतिनिधि मेले का उद्घाटन कार्यक्रम में शरीक नहीं हुए। मंच संचालक ने मेयर को सम्मानित किए जाने की उदघोषणा की पर वे कहीं नजर नहीं आए। वे इस कार्यक्रम स्थल से दूर बैठे हुए जरूर नजर आए। हालांकि डिप्टी मेयर चिंता देवी मंच पर जरूर मौजूद थीं। मेयर गणेश पासवान का कहना है कि गुरुवार को पितृपक्ष मेला का उद्घाटन हुआ। लेकिन पहली बार पितृपक्ष मेला के आमंत्रण पत्र में मंत्री, सांसद, विधायक,मेयर-डिप्टी मेयर, जिप अध्यक्ष,उपाध्यक्ष सहित किसी भी सम्मानित जनप्रतिनिधियों का नाम नहीं है। यह हम सभी जनप्रतिनिधियों का अपमान है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेला की तैयारी में निगम के द्वारा 80 प्रतिशत काम किया जाता है। लेकिन गया नगर निगम का कहीं भी जिक्र नहीं है। जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इस अपमान के कारण ही हम उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए है। वहीं डिप्टी मेयर चिंता देवी ने भी जिला प्रशासन के विरुद्ध कड़ी निंदा की है। वहीं जिला परिषद अध्यक्ष नैना देवी ने कहा कि जिला प्रशासन ने पितृपक्ष मेला आमंत्रण कार्ड में किसी भी जनप्रतिनिधियों के नाम का उल्लेख नहीं करते हुए जनप्रतिनिधियों को अपमानित किया है। वहीं इधर जिप उपाध्यक्ष शीतल प्रसाद यादव ने भी आमंत्रण पत्र पर किसी भी जनप्रतिनिधियों के नाम न रहने पर जिला प्रशासन के खिलाफ एतराज जताया है। उन्होंने कहा जनप्रतिनिधियों के मान सम्मान के लिए एकजुट होकर इसकी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि पितृपक्ष मेला उद्घघाटन में जिला परिषद अध्यक्ष को मंच से बोलने तक नहीं दिया गया है। वहीं स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि जो गया नगर निगम के रात-दिन इस मेला की तैयारी में मेहनत करते हुए तीर्थयात्रियों के स्वागत में खड़ा है। बावजूद इसके शहर के प्रथम नागरिक मेयर का आमंत्रण पत्र पर नाम तक नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है कि मंत्री, सांसद, विधायक और मेयर-डिप्टी मेयर और जिप अध्यक्ष व उपाध्यक्ष का नाम तक उल्लेख जिला प्रशासन द्वारा नहीं किया गया।

संक्षिप्त डायरी

बांका में हथियार के साथ 2 बदमाश गिरफ्तार: देसी कट्टा और 4 गोली भी मिले

बांका । पुलिस ने एक देसी कट्टा और चार गोली के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों द्वारा नशे में धुत होकर ऑटो चालकों को डरा- धमकाकर रंगदारी, लोगों में दहशत फैलाने की सूचना पर छापेमारी की गई। गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। गुरुवार की रात को दो बदमाशों को हथियार के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। शंभूगंज बाजार के खौजरी पथ पुलिया के समीप पुलिस ने एक देसी कट्टा और चार गोली के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपितों में खपड़ा गांव के कैलाश राम के पुत्र अजीत राम एवं अराजी करसोप निवासी उमेश साह के पुत्र विश्वजीत साह हैं। दोनों बदमाशों की गिरफ्तारी थानाध्यक्ष नीरज तिवारी , अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार , अनि.गुलशन कुमार सहित अन्य पुलिस बलों ने खौजरी पंथ पुलिया के समीप किया। इस सम्बंध में थानाध्यक्ष नीरज तिवारी ने बताया कि खौजरी पथ पुलिया के समीप कुछ बदमाशों द्वारा नशे में धुत होकर ऑटो चालकों को डरा- धमकाकर रंगदारी एवं लोगों में दहशत फैलाने की सूचना मिली । सूचना पर जब खौजरी पथ पुलिया के समीप पहुंचे, तो पुलिस वाहन देख बदमाश भागने लगे। इस पर जवानों ने खदेड़कर दोनों को दबोच लिया। थानाध्यक्ष नीरज तिवारी ने एक देसी कट्टा, चार जिदा गोली एवं दो मोबाइल जब्त करने की पुष्टि की है। बताया कि गिरफ्तार दोनों बदमाशों को बांका जेल भेजा जाएगा। वहीं, बाजार के कई दुकानदारों ने बताया कि खपड़ा मोड़ , झखरा नहर मोड़ सहित अन्य जगहों पर अपराधिक तत्वों के जमावड़े से परेशान हैं। इन बदमाशों से लोग भय के मारे कुछ बोल नहीं पाते हैं। थाना अध्यक्ष नीरज तिवारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दो अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनों को शुक्रवार को बांका जेल भेज दिया जाएगा। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

मधुबनी में समूह कर्मी से बंदूक के बल पर लूटः मीटिंग से वापस लौट रहे थे

मधुबनी । बेनीपट्टी थाना क्षेत्र के बलिया-लोहरा रोड पर बाइक पर सावर तीन अपराधियों ने हथियार के बल समूह के कर्मी से गुरुवार की शाम को 2 लाख 75 हजार की लूट की घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ित युवक कुंदन कुमार ने बताया कि लोहरा रथौस गांव में समूह की महिला सब के साथ मीटिंग था मीटिंग खत्म कर वापस जाने के क्रम में बलिया लोहरा गांव के पास पीछे से काले रंग के अपाची बाइक पर सवार 3 नकाबपोश अपराधियों ने मेरे बाइक को पैर मार कर सड़क के किनारे गिरा दिया। जब मैं बाइक से नीचे गिर गया तो एक अपराधी ने मेरा गला दबा दिया और पिस्टल मेरे ऊपर तान कर बाइक की चाबी निकल कर बाइक के डिकी में रखे पैसे और बैग में कागजात और एक टैब लेकर मौके से फरार हो गया। जब तक पीड़ित युवक चिल्लाता और आस पास के लोग आवाज सुनकर उस ओर दौड़ते तब तक बाइक पर सवार तीनों अपराधी घटना को अंजाम देकर मौके से भाग खड़े हुए। पीड़ित युवक बेनीपट्टी जिले के पास किराए का कमरा लेकर रहता है। लूट की घटना की जानकारी लोगों ने स्थानीय थाना को दी गई। सूचना पाते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है।

लालू पहुंचे सीएम आवास, आधे घंटे नीतीश से हुई बात, दो बार नीतीश गए थे, क्या हो सकती है वजह

पटना। बिहार में महागठबंधन के अंदर फिलहाल लगभग सब ठीक कहा जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत भी ठीक है। लालू भी बीच-बीच में घूमने निकल रहे हैं। लेकिन, कुछ दिनों के अंदर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बीच तीसरी मुलाकात की खबर सामने आयी है। पिछले दिनों दो बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर जाकर राजद अध्यक्ष लालू से मुलाकात की थी। अब गुरुवार को सुबह अचानक लालू प्रसाद मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से आधे घंटे बातचीत की। बिहार में इस समय राष्ट्रीय जनता दल (फखऊ) के राज्यसभा सांसद मनोज झा के 'ठाकुर का कुआँ' विवाद चरम पर है। राजपूत नेताओं ने इसपर हंगामा शुरू कर दिया है। जदयू के नेता भी मनोज झा को धमका चुके हैं। वैसे, बड़ा विद्रोह राजद विधायक चेतन आनंद का सामने आया है। चेतन आनंद ने सोशल मीडिया के जरिए मनोज झा को दस बातें सुनाई हैं। उन्होंने उस समय सदन में मौजूद भाजपा विधायकों को भी निशाने पर रखा। इसके बाद अब खबर आयी कि राजद विधायक चेतन आनंद के भाई ने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की है तो माहौल और गरमा गया। इसमें सबसे बड़ा हंगामा बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन के बयान पर आया, जिसमें उन्होंने मनोज झा की जीभ खींच लेने की बात कही है। ऐसे ही गरमाए माहौल में चूंकि सबकुछ राजद के खेमे से हो रहा है तो माना जा रहा है कि क्राइसिस मैनेजमेंट और माहौल को समझने के लिए लालू प्रसाद ने सीएम आवास का रुख किया है। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद का मुख्यमंत्री आवास आना क्यों हुआ, इसपर दोनों में से किसी दल ने औपचारिक तौर पर कोई जानकारी देने से इनकार किया। बुधवार को पूरे दिन एक चर्चा चल रही थी कि किसी बात पर मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के बीच कहासुनी हो गई थी। इस बात की पुष्टि किसी स्तर से नहीं हुई और न कोई वीडियो प्रमाण सामने आया। यह मुद्दा हो सकता है या नहीं, इसपर भी कोई बात नहीं करने को तैयार है। राजद नेताओं ने आनंद मोहन परिवार के स्टैंड पर भी बहुत कुछ बोलने से इनकार किया। राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि राजद को किसी मुलाकात से फर्क नहीं पड़ता है। पूरी पार्टी राज्यसभा सांसद मनोज झा के साथ है। उन्होंने दमनकारी प्रवृत्तियों के खिलाफ आवाज उठाई थी। दबंगई के खिलाफ राजद हमेशा खड़ा है। ठाकुरपन किसी भी दबंग के अंदर हो सकता है। इससे किसी जाति पर वार नहीं किया गया है। उन्होंने महागठबंधन की एकता को अटूट बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के बीच सबकुछ अच्छा है, इसलिए कहीं कोई संकट नहीं है।

लालू आए सामने तो मनोज झा को कहा विद्वान

पटना। ठाकुर को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच राज्यसभा सांसद मनोज झा के समर्थन में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव उतर गए हैं। उन्होंने बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन को संयम बरतने की सलाह दी है। लालू प्रसाद ने कहा कि मनोज झा विद्वान आदमी हैं। सही बात वो बोले हैं। किसी ठाकुर या राजपूत के खिलाफ उन्होंने कुछ नहीं बोला हैं। लालू ने जो कहा- मनोज झा विद्वान आदमी हैं। सही बात को बोलते हैं। कोई राजपूतों के खिलाफ उन्होंने नहीं कहा है। जो सज्जन (आनंद मोहन सिंह) यह रीएक्शन दे रहे हैं, वह अपनी जाति में जातिवाद के लिए प्रसिद्ध आदमी हैं। उनको परहेज करना चाहिए। बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन द्वारा मनोज झा पर दिए गए बयान पर लालू प्रसाद ने कहा कि किसी भी समाज का अपमान नहीं है। राजद विधायक चेतन आनंद के विरोध पर कहा कि उसको उतना ही बुद्धि है तो क्या कहा जाए। दरअसल, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने गुरुवार शाम को पूर्व सांसद शिवानंद तिवारी द्वारा लिखी सड़क से संसद तक पुस्तक का विमोचन करने पहुंचे थे। वहीं मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बातें कहीं।वहीं एक दिन पहले यानी गुरुवार को सीएम हाउस जाकर नीतीश कुमार से मुलाकात करने के सवाल पर लालू प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री भी यदाकदा मेरे यहां आते रहते हैं। आज मैं चला गया था।

हम रिस्पेक्ट करते हैं। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने एक बार फिर से राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद मनोज झा पर निशाना साधा है। उन्होंने मनोज झा की तुलना फिटकरी से कर दी है। आनंद मोहन ने कहा कि जिस तरह से फिटकरी का इस्तेमाल शेविंग के बाद किया जाता है। यह कीटाणु नाशक है और एक क्विंटल दूध में एक ढेला इसको डाल दीजिए दूध फट जाएगा। यह जमने ही नहीं देगा। वह फिटकरी 'मिस्टर झा' हैं।

मोतिहारी में हरि सहनी विपक्ष पर जमकर बरसे

मोतिहारी। बिहार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष हरी सहनी एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को मोतिहारी पहुंचे। चकिया में बीजेपी द्वारा आयोजित जनसभा में भी भाग लिया, जहां कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सांसद राधामोहन सिंह, महिला आयोग की पूर्व सदस्य नीलम सहनी के अलावा दर्जनों नेताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। नेता प्रतिपक्ष के पहली बार मोतिहारी पहुंचने पर पिपरा विधायक श्याम बाबू यादव के उनका स्वागत और अभिनंदन किया। साथ ही इस कार्यक्रम में पहुंचे नेताओं का बीजेपी विधायक श्याम बाबू यादव ने अंगवस्त्र एवं भव्य माला पहनाकर स्वागत किया । बीजेपी सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राधामोहन सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग अति पिछड़ा के लिए हाय तौबा मचाए हुए हैं, उन लोगों ने तो आज तक ओबीसी के किसी व्यक्ति को प्रधानमंत्री नहीं बनाने दिया, लेकिन बीजेपी ने ओबीसी को इतना सम्मान दिया कि नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठाकर ओबीसी को सम्मान देने का काम किया है। नरेंद्र मोदी ने ओबीसी के लोगों को इतना सम्मान दिया कि आज बिहार में बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष भी ओबीसी समाज से आते है। बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष चुने गए हरि सहनी ने कहा कि ओबीसी समुदाय के विषय में जानना हो तो रिक्शा ठेला दुकानदार से जाकर पूछें, साफ जवाब मिल जाएगा कि वो सिर्फ नरेंद्र मोदी को पसंद करते हैं। इंडिया गठबंधन पर प्रहार करते हुए नेता प्रतिपक्ष हरि सहनी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि कोई गठबंधन कर रहा है। देश को बेहतर सरकार देने के लिए, वो तो इसलिए कर रहा है कि वे लोग जेल न जा सके, जनता सब समझ रही है और जनता अपना गठबंधन खुद कर रही है और इसका परिणाम चुनाव में दिखेगा ।

आयुष्मान भारत योजना में

यूपी कई श्रेणियों में नंबर वन

लखनऊ। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) को बेहतर ढंग से धरातल पर उतारने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का असर दिखने लगा है। प्रदेश ना सिर्फ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट निर्मित करने में देश में नंबर एक स्थान पर है, बल्कि हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स के रजिस्ट्रेशन, डिजिटल हेल्थ इंन्सेंटिव स्कीम और स्कैन एंड शेयर टोकन जनरेट करने में भी उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश 4,77,19,482 आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) जनरेट करके पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। जबकि आंध्र प्रदेश दूसरे, मध्य प्रदेश तीसरे, महाराष्ट्र चौथे और गुजरात पांचवें, पश्चिम बंगाल छठे, कर्नाटक सातवें और ओडिशा आठवें स्थान पर है। वहीं इन 4.77 करोड़ अकाउंट्स के अंतर्गत 2.73 करोड़ से ज्यादा लोगों के हेल्थ रिकॉर्ड को भी अपडेट किया जा चुका है। इस मामले में भी यूपी देश के टॉप थ्री राज्यों में है। मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात इस

मामले में उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं। इसी प्रकार हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स रजिस्ट्रेशन (एचपीआर) के मामले में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में कुल 42,741 हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स का रिजिस्ट्रेशन आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत किया जा चुका है। इसमें 10 हजार से अधिक डॉक्टर और 32 हजार से अधिक नर्सिंग स्टाफ शामिल हैं। वहीं हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन (एचएफआर) के मामले में यूपी देश में दूसरे स्थान पर है। प्रदेश में 38,863 हेल्थ फैसिलिटी सेंटरों को रजिस्टर किया जा चुका है। इनमें सरकार और प्राइवेट स्वास्थ्य सुविधा केंद्र शामिल हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश और मध्य प्रदेश क्रमशः तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। कर्नाटन प्रथम स्थान पर है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि जितनी जल्दी हो सके प्रदेश के अधिक से अधिक प्राइवेट स्वास्थ्य केंद्रों को आयुष्मान भारत योजना के साथ जोड़ा जाए। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत स्कैन एंड टोकन जनरेट करने के मामले में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। यूपी में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सेवा के उपयोग से ऑनलाइन ओपीडी के लिए 33,79,592 टोकन रजिस्ट्रेशन किया गया, जो पूरे देश में सर्वाधिक है। इस रैंकिंग में कर्नाटक दूसरे, जम्मू एवं कश्मीर तीसरे, दिल्ली चौथे, आंध्र प्रदेश पांचवें और छत्तीसगढ़ छठे स्थान पर है। डिजिटल ओपीडी टोकन रजिस्ट्रेशन का सबसे बड़ा लाभ ये हुआ है कि पहले जहां आयुष्मान कार्ड धारी मरीजों को ओपीडी में दिखाने के लिए तकरीबन एक घंटे तक का इंतजार करना पड़ता था, जोकि अब घटकर 5 मिनट रह गया है। तकरीबन 34 लाख बार मरीजों ने अबतक स्कैन एंड टोकन जनरेट सुविधा का लाभ उठाया है। बता दें कि प्रदेश में ऐसे 545 अस्पताल हैं, जिनमें हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) का इस्तेमाल होता है।

अगस्त में परिवहन निगम को हुई एक अरब से अधिक की आय

संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार एक तरफ जहां यात्रियों की सुरक्षित यात्रा को लेकर पूरी तरह संजीदा है, वहीं परिवहन निगम की विशेष सुविधाओं पर भी पूरी नजर रखी है। यूपीएसआरटीसी द्वारा प्रदेश के विभिन्न जनपदों और ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा 8 राज्यों एवं नेपाल के बीच अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय बस सेवा का संचालन भी किया जाता है। इसमें दिल्ली, उत्तराखंड,राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं नेपाल शामिल है। कुल 2326 बसों का संचालन किया जाता है। इन बसों के संचालन से उत्तर प्रदेश परिवहन निगम को अगस्त 2023 में 1 अरब दो करोड़ 38 लाख 78 हजार 430 रुपये की आय को हुई है। योगी सरकार के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में अन्य राज्यों से यात्री धार्मिक एवं व्यक्तिगत कार्यों से आते रहते हैं। साथ ही प्रदेश के निवासी भी अन्य राज्यों में धार्मिक एवं व्यक्तिगत कार्यों से जाते रहते हैं। अपने देश एवं प्रदेश के यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा प्रदेश के अंदर और प्रदेश से लगे राज्यों के मध्य बसों का संचालन किया जाता है, जिससे यात्रियों को आवागमन में असुविधा न हो। इन राज्यों के साथ उत्तर प्रदेश परिवहन निगम का अनुबंध है। परिवहन मंत्री के मुताबिक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा प्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्यों के धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए बसों के संचालन के क्षेत्र में कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए राजधानी से बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। साथ ही प्रदेश के महत्वपूर्ण स्थलों को भी प्रदेश की सीमा से लगे अन्य राज्यों के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे कि लोग इन धार्मिक स्थलों एवं पर्यटन स्थलों पर जाकर वहां धार्मिक व व्यक्तिगत कार्यों के साथ ही पर्यटन का भी लुफ्त उठा सकें।

डिप्टी सीएम ने अखिलेश पर कसा तंज, बोले: 300 से ज्यादा सीटें जीतेगी भाजपा, गठबंधन को लेकर कही बड़ी बात

मेरठ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में सभी 80 लोकसभा सीट जीतने के साथ ही पूरे देश में में 300 से अधिक सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि हर वर्ग भाजपा के साथ है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिसे कांग्रेस ने रोके रखा था, अब उस महिला विधेयक को पास कर भाजपा ने महिलाओं को उनका हक दिया है। कहा कि मध्य प्रदेश चुनाव में भाजपा जीत की ओर है और विपक्षियों की जमानत जब्त होगी। बता दें कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को नगर निगम के पार्षदों के प्रशिक्षण में शिरकत करने आए थे। इस दौरान उन्होंने बाईपास स्थित एक होटल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ये सब बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भगवान राम के अस्तित्व को न मानने वाले अब अयोध्या में मत्था टेकने जा रहे हैं। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव को निशाने कर लिया। उन्होंने कहा कि पीडीए, डीडीए कुछ नहीं चलेगा। कांग्रेस के महिला आरक्षण के सवाल पर कहा कि कांग्रेस जितने चाहे उतना प्रत्याशियों को टिकट दे। लेकिन जीत तो भाजपा की ही होगी। इसके बाद केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में भाजपा बड़ी जीत दर्ज करने जा रही है।

बैंकिंग क्षेत्र सबसे ज्यादा रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्रः प्रमोद सिंह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बैंकिंग क्षेत्र सबसे ज्यादा रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के इच्छुक छात्र/छात्राओं को शानदार अवसर उपबंध है। इसमें एच डी एफ सी बैंक आपका सभी का सहयोग करेगा। इस हेतु आवश्यक सूचनाओं के साथ ही छात्र/छात्राओं को व्यक्तित्व विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।इसके साथ ही छात्रों को तैयारी हेतु आवश्यक संसाधन और जानकारी भी मुहैया कराई जाएगी। उपरोक्त जानकारी एच डी एफ सी बैंक कसया के शाखा प्रबंधक प्रमोद सिंह ने बीपीजी में अपने संबोधन में कही। महाविद्यालय के

प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह आहलूवालिया ने बैंकिंग क्षेत्र का महत्व बताते हुए कहा कि बैंकिग किसी भी देश के अर्थव्यवस्था की जान होती है। इसके बिना अर्थव्यवस्था को गति नहीं दी जा सकती हैं। अगर आप बैंकिंग क्षेत्र का हिस्सा बनते हैं, तो आप रोजगार प्राप्ति के साथ ही देश और अर्थव्यवस्था की सेवा भी करेगें।प्राचार्य प्रो कृष्ण प्रताप सिंह ने एच डी एफ सी बैंक की टीम का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य ने कैंपस सिलेक्शन हेतु महाविद्यालय के छात्रों का चयन करने पर एच डी एफ सी की टीम का हार्दिक धन्यवाद दिया। आपने कहाकि बैंक और महाविद्यालय का यह प्रयास रोजगार सृजन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर छात्र विक्की वर्मा, शालिनी सिंह और विशाल मिश्र ने भी एच डी एफ सी बैंक के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। संचालन शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो सत्येंद्र कुमार गौतम ने किया। इस अवसर पर प्रो विभ्राट चंद कौशिक, प्रो अवधेश पाण्डेय, प्रो रामभूषण मिश्र, प्रो इंद्रासन प्रसाद श्री रमेश चंद विश्वकर्मा, डॉ विनोद सिंह, डॉ राकेश राय, डॉ मनीष जायसवाल, डॉ निगम मौर्य, डॉ चंद्रप्रकाश सिंह, डॉ अनुज कुमार, श्री कृष्ण कुमार जायसवाल, डॉ यज्ञेश नाथ त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव, डॉ वीना कुमारी और एच डी एफ सी बैंक की तरफ से गौरव श्रीवास्तव, प्रशांत वर्मा सर्वेश दुबे समेत बड़ी संख्या में छात्र/ छात्राए मौजूद रहीं।

सीएम के ड्रीम प्रोजेक्ट को मिली रफ्तार

देश के सबसे बड़े एयर कॉर्गो टर्मिनल का हुआ भूमिपूजन

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश को लैंड लॉक फ्री स्टेट के रूप में विकसित करते हुए वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य हासिल करने में जुटे सीएम योगी के प्रयासों को अब और बल मिला है। एयर इंडिया और सैट्स के ज्वॉइंट वेंचर एयर इंडिया सैट्स (एआईएसएटीएस) की एसपीवी (स्पेशल परपस वेहिकल) एआईएसएटीएस नोएडा कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर में अपने अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल कार्गो हब (एमएमसीएच) के लिए भूमिपूजन किया है। यह अत्याधुनिक मल्टी-मॉडल कार्गो हब परंपरा और आधुनिकता के सम्मिश्रण के साथ भारतीय एयर कार्गो और लॉजिस्टिक सप्लाई चेन सेक्टर को स्मार्ट, सहज, स्केलेबल और सुरक्षित समाधान प्रदान करने का वादा करता है। उल्लेखनीय है कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में बन रहा इंटीग्रेटेड कार्गो टर्मिनल और लॉजिस्टिक पार्क सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। यह न केवल राज्य को पूरे देश से जोड़ेगा, बल्कि यह आसियान देशों और प्रस्तावित भारत-यूएई यूरोप इकॉनमिक कॉरिडोर में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कंपनी ने फरवरी माह में

आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रदेश सरकार के साथ 5 हजार करोड़ का एक एमओयू साइन किया था। इसमें एक एमओयू इंटीग्रेटेड कॉर्गो लाइनर के लिए था और दूसरा लॉजिस्टिक पार्क बनाने को लेकर था।

इसी में कंपनी ने अपने पहले एमओयू को धरातल पर उतारते हुए एयर कॉर्गो का भूमि पूजन संपन्न किया है। पहले चरण में कंपनी कुल 1200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी, जिसमें से कंपनी अब तक 456 करोड़ रुपए का निवेश कर चुकी है। कंपनी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की शुरूआत तक इस मल्टी मॉडल कॉर्गो हब को तैयार करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। संभावना है कि 2024 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मल्टी मॉडल कॉर्गो हब का भी शुभारंभ कर सकते हैं। भूमिपूजन में एआई सैट्स, वाईआईएपीएल और टाटा प्रोजेक्ट्स के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह मल्टी मॉडल कॉर्गो टर्मिनल 37 एकड़ में बन रहा है। इससे बड़ा कॉर्गो टर्मिनल अब तक नहीं बना है। इसके जरिए पूरे यूपी का एक्सपोर्ट कई गुना तक बढ़ जाएगा। यूपी का एग्रो मार्केट, ओडीओपी मार्केट, एमएसएमई मार्केट दुनिया के मार्केट से कनेक्ट हो सकेगा। बाहर से लोग यहां से माल मंगा सकेंगे। आसियान देशों को इसका लाभ मिलेगा और वो भी एयर कॉर्गो के माध्यम से यूपी के मार्केट से प्रोडक्ट्स को इंपोर्ट कर सकेंगे। इसके साथ ही भारत-यूएई यूरोप के बीच बनने वाले इकॉनमिक कॉरिडोर से भी काफी लाभ होगा।

इसके माध्यम से यूपी को यूएई और यूरोप से भी जुड़ने में मदद मिलेगी। सामान्य शब्दों में कहें तो यूपी की ग्रोथ में यह कॉर्गो ग्रोथ इंजन के रूप में काम करेगा। यह यूपी के लैंड लॉक स्टेट के स्टेटस को तोड़ देगा और प्रदेश का बहुआयामी विकास सुनिश्चित करेगा। यह आसपास के क्षेत्रों जैसे नॉर्थ इंडिया, ईस्ट इंडिया के साथ ही ईस्ट एशिया को भी कवर करेगा।

एससी-एसटी छात्रों को इसी वर्ष से मिलेगी बढ़ी हुई स्कॉलरशिप

छात्र 31 मार्च तक कर सकेंगे आवेदन

संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश के एससी और एसटी से जुड़े लाखों छात्रों को बड़ी सौगात दी है। मौजूदा वित्तीय वर्ष से सरकार पूर्व दशम छात्रवृत्ति के तहत कक्षा 9 व 10 के अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को अब 3,500 रुपए प्रति वर्ष देगी। अभी तक इस वर्ग के छात्रों को प्रतिवर्ष 3,000 रुपए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती थी। खास बात ये है कि अब ऐसे परिवार जो स्वच्छता कार्य से जुड़े हैं, इनके कक्षा 9 व 10 में पढ़ रहे बच्चों को भी सरकार की तरफ से पहली बार छात्रवृत्ति मिलेगी। इस योजना का लाभ सभी आय वर्ग के परिवार ले सकेंगे। सरकार ने ऐसी व्यवस्था की है कि बच्चों के व्यक्तिगत विवरण आधार से स्वतः प्राप्त हो जाएंगे। विद्यार्थियों को अब आवेदन पत्र में निजी विवरण नहीं भरना होगा। आधार से नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि आदि स्वतः प्राप्त हो जाएगी। साथ ही सीबीएसई एवं आईसीएससी बोर्ड से बच्चों के प्राप्तांक ऑनलाइन प्राप्त हो जाएंगे जिससे आवेदन के समय होने वाली त्रुटियों की संभावना खत्म हो जाएगी और अधिक से अधिक विद्यार्थी योजना का लाभ ले सकेंगे। इसी प्रकार डिजिलॉकर और एनपीसीआई से पोर्टल को जोड़कर खाता संख्या इत्यादि भरने में होने

वाली गलतियों को भी खत्म कर दिया गया है। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग में अब 31 मार्च तक कक्षा 11, 12 व अन्य ऊपरी कक्षाओं हेतु आवेदन किए जा सकेंगे, जिससे परीक्षा परिणाम देर से आने अथवा सत्र देर से प्रारंभ होने पर भी छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया जा सकेगा। बीएससी या बीए जैसे नॉन प्रोफेशनल कोर्स में छात्रवृत्ति प्राप्त करने के बाद बीटेक जैसे प्रोफेशनल कोर्स में भी अब छात्रवृत्ति की सुविधा मिलेगी। विद्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति चरणबद्ध रूप से लागू की जा रही है। जिन संस्थानों द्वारा बायोमेट्रिक उपस्थिति लागू नहीं की जाएगी उन्हे वित्तीय वर्ष 2025-26 से छात्रवृत्ति का लाभ नहीं दिया जाएगा। कक्षा 9 व 10 में 12 वर्ष से 20 आयु के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा एवं कक्षा 11, 12 व अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 40 वर्ष की आयु तक छात्रवृत्ति का लाभ मिल सकेगा। अस्वच्छ पेशे में लगे व्यक्तियों के कक्षा 9 व 10 में पूर्ण अवधि आधार पर अध्ययन कर रहे आश्रित छात्र भी छात्रवृत्ति का लाभ ले सकेंगे। अस्वच्छ पेशे से तात्पर्य उनसे है जो हाथ से मैला ढोते हैं, चर्मकार, कूड़ा उठाने वाले और जान जोखिम में डालकर सफाई प्रक्रिया को पूर्ण करते हैं। ऐसे परिवारों के छात्रों द्वारा अपने माता-पिता, अभिभावक का अस्वच्छ पेशे में कार्य करने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। यह प्रमाण पत्र स्थानीय निकाय, नगर निगम, नगर पालिका या राज्य सरकार द्वारा अधिकृत प्राधिकारी द्वारा निर्गत होना चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

गांधी जयंती के अवसर पर सभी राजकीय भवनों पर फहराया जाएगा तिरंगा

संवाददाता

कुशीनगर। गत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी 02 अक्टूबर को गाँधी जयन्ती समारोह मनाए जाने के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी वैभव कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक दौरान अपर जिलाधिकारी ने बताया कि 02 अक्टूबर को प्रातः 8:00 बजे सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेंगें, राष्ट्रीय ध्वज फहराने के उपरान्त महात्मा गाँधी के चित्र पर अनावरण व माल्यार्पण किया जायेगा तथा गाँधी जी के विचारों पर गोष्ठी आयोजित की जायेगी। उन्होंने सभी कार्यालयाध्यक्ष को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त गोष्ठी में विशेष रूप से निर्बलों के कल्याण, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के सम्बन्ध में गाँधी जी के विचारों का उल्लेख किया जायेगा। अनावरण व माल्यार्पण के उपरान्त खादीग्रामोद्योग एवं रेशम से सम्बन्धित प्रदर्शनी का आयोजन कलेक्ट्रेट में कराए जाने हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। बताया कि प्रातः 8:30 बजे कलक्ट्रेट व विकास भवन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित की जायेगी। जिसके अन्तर्गत कलक्ट्रेट एवं विकास भवन परिसर में पांच-पांच पौधे एवं स्टेडियम में दस एवं सभी ब्लाकों और बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक के कार्यालय परिसर में स्थान की उपलब्धतानुसार पौधे अनिवार्य रूप से लगाये जायें पौधे की व्यवस्था वन विभाग द्वारा किया जायेगा। प्रातः 9:00 बजे नगरीय क्षेत्रों में मलिन बस्तियों की सफाई हेतु कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिसके लिए समस्त अधिशासी अधिकारी न०पा०प०/ नगर पंचायत द्वारा मलिन बस्ती का सफाई किया जायेगा,तथा नगरीय/ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अच्छा सफाई का कार्य करने वाले कर्मचारी को पुरस्कृत किया जायेगा तथा विशेष रूप से अभियान चलाकर प्रतिबन्धित पालिथिन / प्लास्टिक को बन्द कराये जाने हेतु सभी सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी, द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में दवा का वितरण,जिला अस्पताल में विशेष सफाई कराए जाने का निर्देश दिए गए। प्रातः 09:30 बजे जिला कीडा अधिकारी द्वारा स्टेडियम में बालक/बालिकाओं की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा अपरान्ह 12:30 बजे समस्त विकास खण्ड के अन्तर्गत प्रत्येक न्याय पंचायत के ग्राम में नुक्कड़ सभा के माध्यम से स्वच्छता अभियान तथा प्रतिबन्धित पालिथिन प्लास्टिक को बन्द कराया जाने पर विशेष बल दिया गया, जिसके लिये समस्त खण्ड विकास अधिकारी/जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सभी विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष को अपने-अपने कार्यालय को राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत 02 अक्टूबर 2023 को सफाई कराये जाने एवं सरकारी कार्यालयों में तम्बाकु, गुटखा,पान मसाला,तथा पालिथिन/प्लास्टिक आदि को प्रतिबन्धित कर स्वच्छता के कार्यक्रम को सफल बनायें जाने हेतु निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार, समस्त उप जिलाधिकारी,जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला प्रोवेशन अधिकारी, सीओ कसया,पड़रौना सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

कैंसर पीड़ित एक व्यक्ति की मौत, चार पीड़ित

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के विशुनपुरा गांव में कैंसर से पीड़ित एक व्यक्ति की का निधन हो गया। गांव में कैंसर से इससे पूर्व दो लोगों की मौत हो चुकी है जबकि चार पीड़ित हैं। विशुनपुरा गांव की आबादी करीब दो हजार है। गांव में कैंसर ने पांव पसार रखे हैं। पिछले दो वर्षों से कैंसर से जूझ रहे मनोज पुत्र मुक्तिनाथ उपाध्याय (45) की शुक्रवार की सुबह मौत हो गई।मनोज को गले में कैंसर था और उसका लखनऊ व गोरखपुर में उपचार चल रहा था। विशुनपुरा गांव में अभी भी कैंसर से चार लोग पीड़ित हैं और दो की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय प्रशासन ने कैंसर पीड़ितों की सुध अब तक नहीं ली है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव की आधी आबादी में हैंडपंपों से दूषित पानी आ रहा है। इनके अलावा लगे ज्यादातर हैंडपंपों में दूषित पानी आ रहा है। जिससे कैंसर का प्रकोप बना हुआ है। फाजिलनगर सीएचसी प्रभारी डा0 उमाशंकर नायक ने बताया कि कैंसर कोई संक्रामक रोग नहीं है। यह जलजनित बीमारी भी नहीं है। पानी खराब होने और तम्बाकू के सेवन कैंसर का मुख्य कारण होता है।

करप्शन फ्री इंडिया ने की नाली के निर्माण में घटिया किस्म की सामग्री की जांच की मांग

संवाददाता

बुलंदशहर । बुलंदशहर के लखावटी ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले गांव मुढी बकापुर में लगभग 5 महीने पूर्व बड़ी नाली के निर्माण में किए गए भ्रष्टाचार की जांच के संबंध में शुक्रवार को करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकताओं ने प्रदेश संगठन मंत्री प्रेमराज भाटी के नेतृत्व में जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम गजेंद्र सिंह को सौपा करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय ने बताया कि ग्राम पंचायत लखावटी के अंतर्गत आने वाले मूढ़ी बकापुर एक नाली का निर्माण सौदान सिंह सैनी के मकान से सर्व कल्याण जूनियर हाई स्कूल तक किया गया। इस निर्माण कार्य में बेहद घटिया किस्म की सामग्री जैसे दोयम दर्जे की ईंट नकली सीमेंट रोडी,बदरपुर आदि का प्रयोग कर मानकों के विपरीत कार्य कर जनता के पैसे को बंदरबांट किया है। प्रवीण भारतीय ने बताया कि यह नाली अभी तक शुरू भी नहीं हुई है उससे पहले ही नाली जगह-जगह जमीन में धंस चुकी है एवं नाली की दीवारों गिर गई हैं इससे यह प्रतीत होता है कि इस नाली के निर्माण में ग्राम पंचायत सचिव,ग्राम प्रधान एवं ब्लॉक के वरिष्ठ अधिकारियों ने जनता के पैसे का दुरुपयोग किया है। प्रवीण भारतीय ने बताया कि आज करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी गजेंद्र सिंह को सौंपकर मुढी बकापुर ग्राम पंचायत के द्वारा बनाई गई नाली के निर्माण की जांच विभाग से अलग किसी दूसरे विभाग की सक्षम एजेंसी से कराकर भ्रष्टाचार करने वाले लोगों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आमरण अनशन करने को बाध्य होगा। इस दौरान प्रदेश महासचिव मा.दिनेश नागर, प्रेम प्रधान, मोहित अधाना, जाकिर, आजम, मोहनीश खान राकेश व मोहित आदि लोग मौजूद रहे।

भारत की दोटूक

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिर देश की दृढ़ता का परिचय देकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही नहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका की धरती से भी भारतीय मजबूती का इजहार जरूरी और स्वागतयोग्य है। वे दिन गए, जब चंद देश दुनिया पर अपना एजेंडा थोपते थे। विदेश मंत्री ने कनाडा को भी काफी मुखर अंदाज में संदेश दे दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपना राजनीतिक फायदा देख रहा है। भारतीय राजनय का यह नया स्वरूप बहुतों को चौंका सकता है, पर ऐसा करने के अलावा भारत के पास और कोई गुंजाइश नहीं है। कुछ देश भारत के लिए हमेशा चुनौती पेश करते हैं। विशेष रूप से पिछले महीनों से खालिस्तान मामले में जिस तरह भारत पर दबाव डाला जा रहा है, उसकी सिर्फ निंदा और भर्त्सना ही की जा सकती है। भारतीय विदेश मंत्री ने फिर दोहराया है कि कनाडा को अपने आरोपों को साबित करने के लिए प्रमाण पेश करना चाहिए। बार-बार कनाडा से प्रमाण मांगना भी भारतीय मजबूती का संकेत है। विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि जैसे आरोप भारत पर लगाए जा रहे हैं, वैसी प्रवृत्ति भारत की कभी नहीं रही है। अमेरिका की धरती पर विदेश मंत्री ने यह भी साफ कर दिया है कि भारत की रूस के साथ दोस्ती बनी रहेगी। दरअसल, रूस की सीधी आलोचना से भारत लगातार बचता आ रहा है और इसलिए पश्चिमी देशों में भारत की आलोचना भी हो रही है। यह समझने की बात है कि भारत और रूस के बहुत गहरे व पुराने संबंध रहे हैं और एक युद्ध की वजह से भारत रूस से अपने संबंध तोड़ नहीं सकता। भारत युद्ध नहीं चाहता और यह बात रूस को एकाधिक बार बता चुका है, पर इसके आगे बढ़कर रूस के खिलाफ कुछ करना भारत उचित नहीं मानता। यह विडंबना है, पश्चिम देश अभी भी किसी न किसी प्रकार से रूस से संबंध रखे हुए हैं, पर उनकी कोशिश है कि भारत-रूस संबंध टूट जाए। रूस के संबंध में भारत की नीति का दृढ़ होना जरूरी है, जी-20 शिखर सम्मेलन के समय भी भारत ने यही किया था। न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस अब तक खुद को यूरोप से ज्यादा करीब महसूस करता था, पर अब वह एशिया की ओर मुड़ रहा है। विदेश मंत्री का यह इशारा यूरोप और अमेरिका के लिए भी चिंता का कारण होना चाहिए। भारत आज अमेरिका और यूरोप के साथ है, पर उसे अपने हित की भी पूरी चिंता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय विदेश मंत्री दुनिया के देशों में भारत की नई दृढ़ता और स्पष्टवादिता के लिए भी जाने जाते हैं। न्यूयॉर्क में उन्होंने विदेशी पत्रकार के सवाल के जवाब भी खास तल्खी के साथ दिए हैं। उनके स्वर और भाव में यह पीड़ा बार-बार झलकती है कि भारत को सही संदर्भ में नहीं समझा जा रहा है। उनसे पूछा गया कि हाल के दिनों में भारत के लोकतंत्र स्कोर को कम कर दिया गया है, इस पर जयशंकर ने दोटूक कहा कि ये रिपोर्टें पूर्वाग्रह-ग्रस्त व पक्षपातपूर्ण हैं। यह संकेत भी भारतीय विदेश मंत्री ने विभिन्न विश्व मंचों पर बार-बार दिया है कि अब नए भारत को हर बात के लिए पश्चिमी देशों के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है।

बिगड़े बोल पर लगाम

चुनावी गरमी जैसे-जैसे बढ़ रही है, नेताओं की भाषा भी उग्र और बेलिहाज होती जा रही है। शुक्रवार को जहां लोकसभा अध्यक्ष ने एक सांसद के बिगड़े बोल पर घोर आपत्ति जताई, वहीं तमिलनाडु के एक मंत्री से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने जवाब-तलब कर लिया। जिम्मेदार संस्थाओं और जिम्मेदार लोगों को निंदनीय बयानों का संज्ञान तो लेना ही पड़ेगा, अगर नेताओं को गलत बोलने से नहीं रोका जाएगा, तो इससे देश में आम बोलचाल का स्तर भी दिनोंदिन गिरता चला जाएगा। आज अगर हम सोशल मीडिया पर बहुधा इस्तेमाल होने वाली भद्दी भाषा को लेकर चिंतित हैं, तो इसके लिए हमारे देश के नेता भी जिम्मेदार हैं। क्या यह दुखद और शर्मनाक नहीं है कि संसद में किसी नेता को किसी धर्म के आधार पर आतंकी बता दिया जाए? क्या संसद में जिसे जो मन में आएगा, वही बोलना शुरू कर देगा? बसपा सांसद दानिश अली ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखित रूप से शिकायत कर-के बिल्कुल सही किया है। दूसरी ओर, भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने सांसद रमेश बिधूड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी करके भी एक अच्छा उदाहरण पेश किया है। माननीय जनप्रतिनिधियों को गलत बयानी से बाज आना चाहिए। संसद के अंदर अपशब्द कहना या किसी सांसद को आतंकवादी कहने की सजा अधिकतम ही होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई सांसद ऐसी हिमाकत न करे। बेहिचक कहना चाहिए, ऐसी भाषा या ऐसे असंसदीय प्रहार पर जो सांसद हंस रहे थे या जो सांसद खामोश थे, उन्हें भविष्य में ऐसे ही शब्द-वाणों के लिए तैयार रहना चाहिए। जैसी ध्वनि आप उत्पन्न करते हैं, वैसी ही ध्वनि आप तक देर-सबेर पलटकर आती है। आलोचना की, और इसमें भी संसद में किसी की आलोचना की अपनी मयार्दा होनी चाहिए। हर पार्टी के दिग्गज नेताओं को यह सोचना चाहिए कि उनकी पार्टी में किस तरह की भाषा या किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है। यह मामला अगर विशेषाधिकार समिति के पास जाता है, तो मकसद सुधार का होना चाहिए। संसद में भी आजकल यह अक्सर देखा जा रहा है कि उग्र या अनुचित बोलने वाले सदस्यों को हर पार्टी आगे रखकर चलने लगी है और शालीन व संयमित बोलने वाले सांसद पीछे रखे जा रहे हैं।

कनाडा विवाद, नये भारत का नजरिया

ANALYSIS

प्रो. रजनीश कु. शुक्ल

भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर की हत्या में किसी भी रूप में कोई भारतीय अधिकारी या भारतीय एजेंट सम्मिलित नहीं है। यह खालिस्तानी आतंकवादियों के गैंगवार का परिणाम है। उसके बाद भी अंग्रेजी मीडिया द्वारा खालिस्तान उग्रवादियों पर की गई भारत सरकार की कार्रवाई का इतिहास निज्जर तक ले आते हुए भारत के अंदर ही भारत को अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का दोषी सिद्ध करने की साजिश जैसा प्रतीत हो रहा है। जब जस्टिन ट्रूडो भारत को किसी प्रकार का सबूत देने में असफल रहे हैं और केवल खुफिया संकेतों के आधार पर अपने दृढ़ विश्वास से भारत को घेरने की कोशिश कर रहे हैं तो ऐसे में भारतीय खुफिया एजेंसियों को मोसाद के मोडस अपरेन्डी पर काम करने वाला बताने की जो मुहिम चल रही है वह निश्चित रूप से भारतीय पक्ष को गलत दिशा में ले जाएगा। भारत सरकार के पक्ष को भारत के मीडिया में जिस प्रकार की जगह मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल रही है शायद भारत का मुख्यधारा मीडिया कहे जाने वाला अंग्रेजी मीडिया पश्चिम के सूचना और जनसंचार माध्यमों के अनुरूप रिपोर्ट परोसने में इतना सिद्धहस्त हो गया है कि उसे भारत में होने वाला विमर्श और भारतीय जन की प्रतिक्रियाएं प्रभावित नहीं करती हैं।

भारत के घोषित आतंकवादी और कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार की भूमिका को लेकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का बयान विश्व राजनीति में अद्भुत है और वैश्विक कूटनीतिक में उस पर सवाल भी उठे हैं। पर यह ध्यान रहे कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रत्येक देश अपने हितों की चिंता करते हुए ही किसी के साथ खड़ा होता है। इसलिए जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं वे कूटनीतिक हैं। जो हर देश के द्वारा भारत और कनाडा दोनों से अपने रिश्ते को बचा करके रखने के चिंतन के साथ है तो विश्व राजनीति में अपनी स्वतंत्र आवाज को प्रस्तुत करना भी है। कूटनीति में ऐसा ही होता भी है। पर भारतीय मीडिया विशेष कर अंग्रेजी मीडिया भी इसी प्रकार की कूटनीतिक रिपोर्ट ही प्रस्तुत कर रही है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि निज्जर की हत्या में किसी भी रूप में कोई भारतीय अधिकारी या भारतीय एजेंट सम्मिलित नहीं है। यह खालिस्तानी आतंकवादियों के गैंगवार का परिणाम है। उसके बाद भी अंग्रेजी मीडिया द्वारा खालिस्तान उग्रवादियों पर की गई भारत सरकार की कार्रवाई का इतिहास निज्जर तक ले आते हुए भारत के अंदर ही भारत को अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन का दोषी सिद्ध करने की साजिश जैसा प्रतीत हो रहा है। जब जस्टिन ट्रूडो भारत को किसी प्रकार का सबूत देने में असफल रहे हैं और केवल खुफिया संकेतों के आधार पर अपने दृढ़ विश्वास से भारत को घेरने की कोशिश कर रहे हैं तो ऐसे में भारतीय खुफिया एजेंसियों को मोसाद के मोडस अपरेन्डी पर काम करने वाला बताने की जो मुहिम चल रही है वह निश्चित रूप से भारतीय पक्ष को गलत दिशा में ले जाएगा। भारत सरकार के पक्ष को भारत के मीडिया में जिस प्रकार की जगह मिलनी चाहिए थी वह नहीं मिल रही है शायद भारत का मुख्यधारा मीडिया कहे जाने वाला अंग्रेजी मीडिया पश्चिम के सूचना और जनसंचार माध्यमों के अनुरूप रिपोर्ट परोसने में इतना सिद्धहस्त हो गया है कि उसे भारत में होने वाला विमर्श और भारतीय जन की प्रतिक्रियाएं प्रभावित नहीं करती हैं। निज्जर हत्याकांड में भारत की प्रतिक्रिया को कनाडा और पश्चिम के मीडिया द्वारा महत्वपूर्ण न माना जाना और उसकी अवहेलना किया जाना तो समझ में आता है कि वहां ऐसे किसी डिस्कोर्स को महत्व नहीं मिलेगा जो पश्चिम विशेषतः नाटो समूह के विपरीत हो। चिंताजनक तो यह है कि भारतीय परिप्रेक्ष्य को भारत में भी मुख्यधारा मीडिया ने सही दृष्टि से नहीं प्रस्तुत किया। यह समय तो पश्चिम को विशेषतः नाटो देशों को आतंकवाद पर दोहरे मानदंड अपने के लिए आईना दिखाने का समय था, जिसको भारत के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा में ठीक से कर दिखाया। निज्जर वैसे ही भारत का घोषित आतंकवादी था जैसा ओसामा बिन लादेन, अल जवाहिरी अमेरिका के लिए थे। दुनिया के किसी भी देश ने लादेन और जवाहिरी को पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा मारे जाने को उन देशों की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं बताया था। यही है आतंकवाद को लेकर दोहरा मापदंड और सुविधा के अनुसार आतंक को परिभाषित करने की राजनीति। निज्जर घोषित आतंकवादी था और भाग करके कनाडा गया था। कनाडा ने उसको नागरिकता दी तथा पंजाब में आतंकवाद जारी रखने के लिए सहूलियतें भी मिलीं। क्योंकि खालिस्तानी आतंकवादियों के समर्थन पर ही ट्रूडो की सरकार टिकी हुई है। निज्जर के प्रत्यर्पण की मांग भारत सरकार द्वारा लगातार की जा रही थी और उसके अपराधों के संबंध में सबूत से भरा डोजियर भी सौंपा गया था। लेकिन अपनी राजनीतिक मजबूरियों के चलते कनाडा ने निज्जर को सौंपने से मना कर दिया था। दूसरा सच यह भी है कि कनाडा के गुरुद्वारों पर नियंत्रण और वर्चस्व को लेकर निज्जर का अपने प्रतिद्वंद्वी खालिस्तानी आतंकवादियों के साथ में संघर्ष चल रहा था। तीसरा और महत्वपूर्ण तथ्य यह है की ऐतिहासिक रूप से कनाडा और भारत संबंध कनाडा के अलगाव पद आतंकवाद को भारत में घोषित करने तथा खालिस्तानी आतंकवादियों को संरक्षण देने का है। एयर इंडिया के विमान कनिष्क को गिराने की घटना में 268 कनाडाई नागरिक मारे गए थे पर कनाडा ने उसे पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की तथा लोगों की हत्या करने वाला समूह एक दो लोगों को 5 साल की सजा के साथ छूट गया।। आखिर अपने नागरिकों की रक्षा वाला तेवर कनाडा ने कनिष्क विमान को उड़ाये जाने के समय क्यों नहीं दिखाया था। उसका मुख्य आरोपी तलविंदर सिंह बराड़ तो कनाडा की न्याय प्रक्रिया में बाइज्जत हो गया। उसका भी भारत में प्रत्यर्पण नहीं हुआ तथापि 1992 में वह भारत में ही मारा गया। जबकि कनाडा की खुफिया एजेंसियों को उन आतंकियों के बारे में पुख्ता जानकारी थी और उसी के आधार पर गिरफ्तार करके मुकदमा चलाया गया था। वस्तुत खालिस्तान समर्थन और खालिस्तानी आतंकवादियों का संरक्षण लंबे समय से कनाडा की राजनीतिक मजबूरी है। 21वीं शताब्दी में एक नया भारत उभर रहा है जो अपने राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं कर सकता है। बेसिक राजनीति में दुनिया के किसी भी देश को किसी भी मंच पर सीधी और कड़ी बात सुनाने की कूटनीति नए भारत की कूटनीति है। आज भारत नखदन्त विहीन राष्ट्र के स्थान पर स्वाभिमानी तथा समस्त समर्थ राष्ट्र के रूप में देखा जाने लगा है। इसके विपरीत वैश्विक स्तर पर कनाडा लगातार कमजोर होता जा रहा है और आंतरिक राजनीति में सत्ताधारी दल की कमजोर स्थिति के कारण जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान आतंकवादियों के समूह के सामने समर्पण कर चुके हैं। निज्जर के बहाने भारत पर कनाडा की संप्रभुता में हस्तक्षेप के आरोप लगाकर के ट्रूडो खालिस्तानी आतंकवादियों के समर्थन को पुख्ता करना चाहते हैं। यह उनकी घरेलू राजनीति की मजबूरी है। किंतु भारत के मुख्यधारा मीडिया कहे जाने वाले अंग्रेजी मीडिया की क्या मजबूरी है कि वह कनाडा ब्रॉडकास्ट कॉरपोरेशन द्वारा जारी की गई विज्ञप्तियों के आधार पर ही भारतीय पक्ष का मूल्यांकन कर रहा है। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के संसद में दिए गए बयान का सही भाषिक विश्लेषण न होना चिंतास्पद है। यह केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की मान्य परंपराओं का उल्लंघन नहीं है अपितु कनाडा की संसद में महज अपने विश्वास के आधार पर भारत को दोषी ठहराना स्पष्ट रूप से शत्रुता के भाव से दिया गया बयान है। इसके साथ ही फाइव आइज देशों की प्रतिक्रिया को भी सही संदर्भ में देखा जाना जरूरी है। इन सब के बीच यह उभर करके आना ही चाहिए कि भारत सरकार ने भारत की संप्रभुता स्वाभिमान और कनाडा में रह रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा के मद्देनजर जो रास्ता अपनाया है वह एक जिम्मेदार राष्ट्र की भूमिका है। यह नरेटिव भारत की मुख्यधारा मीडिया में नहीं आया बल्कि पश्चिम की मीडिया के नरेटिव को ही भारत में परोसने का अभियान सा चल पड़ा। निज्जर हत्याकांड में भारत की संलिप्तता का कोई भी सबूत देने में असफल जस्टिन ट्रूडो केवल खालिस्तान समर्थक राजनीतिक समूह के 15 सांसदों को संतुष्ट करने तथा कनाडा की 2.1 प्रतिशत सिख आबादी को अपने पक्ष में लाने के लिए प्रयासरत हैं। अमेरिका का भारत के विरुद्ध न जाते हुए भी कनाडा के साथ खड़ा होना मात्र नाटो संगठन के साथ खड़ा होना नहीं है अपितु कनाडा के प्राकृतिक संसाधनों की प्राप्ति तथा विश्व के सबसे बड़े बाजार भारत में अपनी स्थिति को संतुलित रखने का प्रयास है। कनाडा की संसद से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ तक ट्रूडो के शोर का कोई असर नहीं है बल्कि एक बात उभर करके सामने आई है कि भारत दुनिया के किसी भी देश के साथ संबंधों का निर्धारण अपने हित और सम्मान के आधार पर ही करेगा। विश्व राजनीति में भारत की यह एक नई इबारत है। यह मजबूत राष्ट्र की पहचान है। समाज और सक्षम राष्ट्र ऐसी स्थिति में सफाई नहीं देते बल्कि दृढ़तापूर्वक प्रतिकार करते हैं। भारत इस दिशा में बढ़ रहा है और यह जनसंचार माध्यमों में भी प्रखरता से आना चाहिए।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के निवर्तमान कुलपति एवं प्रख्यात दर्शनशास्त्री हैं।)

कनाडा जाना बंद करें बच्चे, होश आ जाएगा ट्रूडो को

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जिस बेशर्मी से अपने देश के खालिस्तानी आंदोलनकारियों को समर्थन देना शुरू किया है उससे दोनों देशों के संबंध तार-तार जैसे हो गए हैं। भारत-कनाडा संबंधों को मजबूती देने का काम तो भारत से हर साल वहां पर पढ़ने के लिए जाने वाले हजारों-लाखों नौजवान करते रहे हैं। जाहिर है, भारत का आमजन कनाडा के प्रधानमंत्री के रुख से बहुत खिन्न है। भारत ने अपने कूटनीतिक जवाब में कनाडा के नागरिकों के लिए वीजा देने पर रोक लगा दी है। दूसरी ओर जो भारतीय छात्र कनाडा जाकर पढ़ना चाहते थे, वो अब ऐसा करने से स्वयं बच रहे हैं। इसकी वजह से भी दोनों देशों के बीच तनाव पैदा हुआ है। विदेश में पढ़ने जाने के लिए मदद करने वाली एक कंसल्टेंट कंपनी का कहना है कि इसी वर्ष हमारे पास 65 ऐसे छात्र आए थे, जो कनाडा पढ़ने के लिए जाना चाहते थेक लेकिन, अब उन्होंने अपना फैसला बदल लिया है। इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि भारत से हरेक साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के लिए कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि देशों में क्यों चले जाते हैं? यह सवाल कनाडा में जो भारत को लेकर हो रहा है उस रोशनी में पूछ जाना चाहिए। वहां जो कुछ भी घटित हो रहा है उससे पहले ही भारतीयों के साथ हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय अपनी एडवाइजरी जारी कर चुका है। विदेश मंत्रालय भारत में कनाडा के उच्चायोग से इन घटनाओं को कनाडा के अधिकारियों के साथ उठाने व उनकी सही जांच करवाने के लिए भी कई बार कह चुका है। यह भी सच है कि कनाडा में घृणा अपराधों, सांप्रदायिक हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों की घटनाओं में तो निश्चित रूप से वृद्धि हुई है। भारत के लाख कहने के बावजूद कनाडा सरकार वहां पर जा बसे, या रह रहे भारतीयों को सुरक्षा प्रदान नहीं करवा पा रही है। कनाडा में अब भी हजारों या यूं कहिये कि लाखों भारतीय नौजवान पढ़ रहे हैं। अब उन्हें अपने भविष्य की चिंता सता रही है। उपलब्ध आकड़ों के अनुसार साल 2018-19 के दौरान ही 6.20 लाख विद्यार्थी पढ़ने के लिए देश से बाहर गए थे। ये आंकड़े मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने ही जारी किए थे। ये अधिकतर स्नातक की डिग्री लेने के लिए ही कनाडा या किसी अन्य देश का रुख करते हैं। स्नातकोत्तर की डिग्री लेने के लिए बाहर जाने वाले अपेक्षाकृत कम ही होते हैं। पर मूल बात यह है कि हर साल इन विद्यार्थियों के अन्य देशों में जाने के कारण देश की अमूल्य विदेशी मुद्रा भी देश के बाहर चली जाती है। इन लाखों विद्यार्थियों के लिए देश को अरबों रुपया अन्य देशों को देना पड़ता है वह भी विदेशी मुद्रा में। अगर कोई विद्यार्थी वास्तव में किसी खास शोध आदि के लिए अमेरिका की एमआईटी या कोलोरोडो जैसे विश्वविद्लायों में दाखिला लेता है तो कोई बुराई भी नहीं है। आखिर अमेरिका के कुछ विश्वविद्यालय अपनी श्रेष्ठ फैक्ल्टी और दूसरी सुविधाओं के चलते सच में बहुत बेहतर हैं। यही बात ब्रिटेन के आक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज जैसे विश्वविद्लायों के संबंध में भी कही जा सकती हैं। इनमें बहुत से अध्यापक नोबेल पुरस्कार विजेता तक हैं। इसलिए इनमें दाखिला लेने में तो कोई बुराई नहीं हैं। लेकिन अगर हमारे बच्चे होटल मैनेजमेंट या एमबीए या सामान्य स्नातक डिग्री जैसे कोर्सज के लिए कनाडा, यूक्रेन और चीन जाएं तो बात गले से नहीं उतरती। सच पूछा जाए जाए तो इसका कोई ठोस कारण भी समझ नहीं आता। फिर यह भी एक तथ्य है कि विदेशों में पढ़ाई के लिए जाने वाले बच्चों को अनेक अवसरों पर घोर कष्ट भी होता है। उन्हें कई बार विदेशी विश्वविद्यालय सब्जबाग दिखा कर अपने पास बुला लेते हैं। जब हमारे बच्चे विदेशों में जाते हैं, तो उन्हें कड़वी हकीकत दिखाई देती है। हालांकि तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इन बच्चों के अभिभावकों ने भी एजुकेशन लोन के नाम पर बहुत मोटा लोन ले लिया होता है जिसे उन्हें दो दशक तक चुकाते रहना पड़ता है । इसके साथ ही, कनाडा में मुट्ठी भर खालिस्तानी भारत और हिन्दुओं के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। दुख इस बात का है कि मित्र देश होने के बावजूद कनाडा सरकार कुछ नहीं कर रही। खालिस्तानियों ने ऑपरेशन ब्लू स्टार की 39वीं बरसी पर निकाली परेड में पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत इंदिरा गांधी को आपत्तिजनक रूप में दिखाया। बीती 6 जून को कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तानियों ने 5 किलोमीटर लंबी परेड निकाली। इसमें एक झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या का सीन दिखाया गया। झांकी में इंदिरा गांधी को खून से सनी साड़ी पहने दिखाया गया है। उनके हाथ ऊपर हैं। दूसरी तरफ दो शख्स उनकी तरफ बंदूक ताने खड़े हैं। इसके पीछे लिखा है- बदला। कनाडा अपने को एक सभ्य देश होने का दावा करता है। पर वहां अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले खुल कर हिंसा का खेल कर रहे हैं जो पलट कर उन्हीं पर वार कर सकता है, जो इंदिरा जी के पाले हुये भिंडरावाले के चेले ने इंदिरा जी के साथ किया । बेशक, कनाडा में जो कुछ हो रहा है उससे भारत आहत है। इस कट्टरपंथ की सार्वभौमिक तौर पर निंदा तो होनी चाहिए। कनाडा लंबे समय से खालिस्तानियों की गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। वहां पर मंदिरों में भी तोड़फोड़ की जाती है। कनाडा का ब्रैम्पटन शहर तो भारत विरोधी गतिविधियों का केन्द्र बन चुका है। जुलाई 2022 में कनाडा के रिचमंड हिल इलाके में एक विष्णु मंदिर में महात्मा गांधी की मूर्ति को खंडित कर दिया गया था। सितंबर 2022 में कनाडा में स्वामीनारायण मंदिर को खालिस्तानी तत्वों ने भारत विरोधी भित्ति चित्रों के साथ विकृत कर दिया था। पर वहां की पुलिस की काहिली और निकम्मेपन के कारण दोषी पकड़ में नहीं आते।

Social Media Corner

सच के हक में...

बहुत-बहुत बधाई! बापू की जयंती से ठीक पहले उत्तर प्रदेश की यह अभूतपूर्व उपलब्धि पूरे देश को प्रेरित करने वाली है। स्वच्छता के क्षेत्र में हमारा निरंतर प्रयास नारी शक्ति के सम्मान के साथ ही हमारे सभी परिवारजनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में आज स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण के तहत 'नए भारत' के 'नए उत्तर प्रदेश' के 100 गांवों ने 'ओडीएफ प्लस' का दर्जा हासिल कर लिया है। हमारे गांव खुले में शौच की शर्मनाक विवशता से पूर्णत: मुक्त हो गए हैं।

(सीएम योगी आदित्यनाथ के ट्विटर अकाउंट से)

चाईबासा में सर्च अभियान के दौरान शहीद होने वाले सीआरपीएफ कोबरा बटालियन-209 के जवान श्री राजेश कुमार जी के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। परमात्मा दिवंगत शहीद जवान की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

(मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

बाघ परियोजना...पांच दशक, बड़ी कसक

भारत में बाघ परियोजना मुहिम ने अपने 50 साल पूरे कर लिए । पूरे देश में कुल 53 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हैं, लेकिन अफसोस इनमें कुछ बाघ रिजर्व क्षेत्र ऐसे हैं जहां एक भी बाघ नहीं हैं? ये हम नहीं, बल्कि पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़ों ने बताया है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की माने तो गुजरे चार वर्षों में देश भर में 715 बाघों की संख्या बढ़ी। इस समय कुल 3682 बाघ देश में हैं। इसके साथ ही ये भी बताया गया है कि तेलंगाना का कवल टाइगर रिजर्व, मिजोरम का डम्पा टाइगर रिजर्व क्षेत्र, अरुणाचल प्रदेश का कमलेंग, ओडिशा का सतकोसिया और सहायद्री स्थित बाघ रिजर्व क्षेत्र एकदम बाघ हीन हैं, वहां बाघ विलुप्त हो गए हैं। कुछ असमय मर गए, तो कुछ शिकारियों के शिकार हो गए। हालांकि शिकारियों के हाथों मरे बाघों के संबंध में रिपोर्ट में नहीं बताया गया है। पर, ये तल्ख सच्चाई है जिसे सरकार भी मानती है कि इस वक्त पूरे देश में बाघों का शिकार करने के लिए संगठित गिरोह सक्रिय है। इनका डेरा टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के आसपास ज्यादा है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाघ, शेर, चीते व अन्य जंगली जानवरों के अवशेषों की भारी डिमांड रहती है। ऐसी खबरें भी कई मर्तबा आती हैं कि इनके इन कुकर्मों में फॉरेस्ट कर्मी भी शामिल पाए गए। गौरतलब है कि वनजीव संरक्षण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा सरकारी बजट बीते पचास सालों में बाघों के संरक्षण पर खर्च किया गया। उस हिसाब से देखें तो बाघों के बढ़ोतरी के आंकड़े उतने तसल्ली नहीं देते, जितने देने चाहिए। सालाना करीब 10 से 12 करोड़ रुपये देश के विभिन्न टाइगर रिजर्व में बाघ संरक्षण के लिए खर्च किया जाता है। एक और दुखद खबर है जो बाघ प्रेमियों को खासी चिंतित कर सकती है। दरअसल, कुछ बाघ रिजर्व ऐसे हैं जिनमें मात्र एक-एक ही बाघ शेष बचे हैं। उनमें बंगाल का बक्सा टाइगर रिजर्व, नामदफा रिजर्व, राजस्थान का रामगढ़ विषधारी क्षेत्र, छत्तीसगढ़ का सीतानदी और झारखंड का पलामू टाइगर रिजर्व शामिल हैं। इसके अलावा दर्जन भर टाइगर रिजर्व ऐसे हैं जिनमें भी बाघों की संख्या बस 3 या 4 के आसपास ही बची है। मध्य प्रदेश अब भी प्रथम स्थान पर काबिज है जिसे टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त है। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश बाघ संरक्षण के लिए सबसे अनुकूल प्रदेश है। लेकिन वहीं जब चीतों के संरक्षण की नजर दौड़ती है तो ये तथ्य अपने आप में झूठे लगते हैं, वो इसलिए, कि नामीबिया और आस्टृलिया से लाए गए चीते भी कूनो नेशनल पाके में ही छोड़े गए थे जिनमें अधिकांश अब दम तोड़ चुके हैं। हिंदुस्तान में बाघ अभ्यारण्य मुहिम सन 1973 में लागू हुई थी जिसे ह्यप्रोजेक्ट टाइगरह्व का नाम दिया गया था। जिम्मेदारी ह्यराष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरणह्व के कंधों पर रखी गई थी। सन 2018 तक कुल भारत में 50 टाइगर रिजर्व क्षेत्र हुआ करते थे जिसे तीन वर्ष पहले बढ़ाकर 53 कर दिए गए हैं। बढ़ाने के पीछे की मंशा बाघों की संख्या में और इजाफा करना था। हालांकि कुछ जगहों पर बाघों की संख्या अपने आप बढ़ी, उसी को देखते हुए जहां बाघों की चहलकदमी दिखी, सरकार ने उसे बाघ रिजर्व घोषित कर दिया। जबकि, ये बाघ ऐसे थे जो अपना रास्ता भटककर जहां-तहां पहुंचे थे। बाघों की गिनती को लेकर भी कई बार विरोध होता है। पर्यावरणविद् कहते हैं कि बाघों की गणना सही तरीके से नहीं होती। उनकी मांगों को ध्यान में रखकर 2018 में केंद्र सरकार ने आधुनिक तरीकों से बाघों की गणना करवाई, जिसका नजीता ये निकला बाघों की संख्या देशी गणना वाले तरीकों के मुकाबले बढ़ी हुई सामने आई। हालांकि हिंसक जानवरों जैसे, बाघ, शेर व तेंदुओं की सटीक गणना को लेकर विरोधाभाष की स्थिति अब भी बनी रहती है। बाघ प्रेमी सरकारी आंकड़ों पर ज्यादा भरोसा नहीं करते हैं।

विदा स्वामीनाथन

भारत ने अपनी हरित क्रांति का अग्रदूत खो दिया। भारत सदा-सर्वदा यह याद करेगा कि कैसे प्रसिद्ध वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन ने देश में अनाज उत्पादन को बढ़ाने के लिए हरित क्रांति का नेतृत्व किया था। चेन्नई में 98 वर्ष की आयु उनका निधन भारतीय कृषि व खाद्य सुरक्षा के एक स्वर्णिम अध्याय के समापन की तरह है। यह कितना सुखद है कि देश के करोड़ों लोगों के लिए भोजन जुटाने में सहायक रहे वैज्ञानिक को लंबा जीवन नसीब हुआ और उनकी पुत्री व डब्ल्यूएचओ में पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉक्टर सौम्या स्वामीनाथन ने देश को बहुत गर्व के साथ बताया कि स्वामीनाथन बहुत शांति से दुनिया से विदा हुए हैं। किसानों के कल्याण और समाज के सबसे गरीब लोगों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध स्वामीनाथन की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपने जीवन का एक लंबा समय लगा दिया था और हरित क्रांति की राह में आई बाधाओं को बहुत चतुराई से दूर किया था। इन कृषि महावीर वैज्ञानिक का यह देश सदैव ऋणी रहेगा। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनका अनुपम योगदान हमारे इतिहास का एक उज्ज्वलतम वाक्य है। उनके प्रति शोक संवेदनाओं का तांता स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी श्रद्धांजलि में उचित ही कहा है कि कृषि में उनके अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। स्वामीनाथन को विश्व स्तर पर अनेक सम्मान हासिल हुए। एक वक्त था, जब दुनिया को लगा था कि भारत अपने लोगों का पेट नहीं भर पाएगा। अंग्रेज तो भारतीय कृषि व्यवस्था को खोखला कर गए थे। भारत न खाने योग्य आयातित अनाज पर निर्भर हो गया था, पर स्वामीनाथन के नेतृत्व में वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज वाली गेहूं और चावल की किस्मों पर सफलतापूर्वक काम करके कमाल कर दिया। हरित क्रांति की सफलता ने बहुत कम समय में देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया, अकाल से मुक्ति मिली, गरीब किसानों को भी लाभप्रद कृषि का तरीका आ गया। अनेक गांवों में खुशहाली आ गई। ऐसे महान बदलावों के लिए स्वामीनाथन को स्वाभाविक ही भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ सफल

- सीमेंट कारोबार की लिस्टिंग पर अनिश्चितता

नई दिल्ली ।

सज्जन जिंदल का जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपने सीमेंट और बंदरगाह कारोबारों को सफलता की गाथा में तब्दील करने का एक और प्रयास कर रहा है। दोनों में समय सीमा चूकने का इतिहास रहा है। हालांकि बंदरगाह कारोबार ने प्रगति की है, लेकिन विश्लेषक सीमेंट क्षेत्र की सहायक कंपनी की संभावनाओं के बारे में अनिश्चितता जता रहे हैं। बंदरगाह कार्यक्षेत्र जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 2,800 करोड़ रुपए का अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंद किया और इसे 37.37 गुना आवेदन मिले। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के मामले में यह तीसरा आईपीओ था। जेएसडब्ल्यू स्टील और जेएसडब्ल्यू एनर्जी पहले से ही शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं और अपने-अपने क्षेत्रों की शीर्ष कंपनियां हैं। समूह का पिछला आईपीओ जेएसडब्ल्यू एनर्जी का था, जो दिसंबर 2009 में आया था। हालांकि जेएसडब्ल्यू एनर्जी और जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर के आईपीओ के बीच 13 साल से भी ज्यादा का यह अंतर योजनाबद्ध नहीं था। वर्ष 2017 में जिंदल ने संवाददाताओं को बंदरगाह कारोबार सूचीबद्ध करने की अपनी योजना के बारे में जानकारी दी थी। खबरों में समूह के चेयरमैन के हवाले से कहा गया था कि बंदरगाह कारोबार का क्षमता उपयोग कम से कम 10 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक पहुंचने के बाद वर्ष 2019 या 2020 में सूचीबद्ध हो सकता है। इसी तरह

जेएसडब्ल्यू के सीमेंट कारोबार के लिए आईपीओ की योजना पर पहले भी चर्चा की जा चुकी है। मीडिया की पिछली खबरों के मुताबिक जेएसडब्ल्यू सीमेंट के प्रबंध निदेशक पार्थ जिंदल ने सीमेंट कारोबार वित्त वर्ष 20 में सूचीबद्ध किए जाने के संकेत दिए थे। वर्ष 2019 में एक साक्षात्कार में पार्थ जिंदल ने वर्ष 2021 में कारोबार को सूचीबद्ध करने की अपनी योजना के बारे में बताया था। लेकिन यह कारोबार अब तक सूचीबद्ध नहीं हुआ है। इस साल अगस्त में जिंदल ने इस सूचीबद्धता के लिए वित्त वर्ष 25 की नई समयावधि दी थी। इन दोनों कारोबारों के क्षमता विस्तार लक्ष्यों में एक समान प्रवृत्ति दिखाई दी है।

एनएसई पर कुल रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स का आंकड़ा 8 करोड़ के पार हुआ, सिर्फ 8 महीने में जुड़े 1 करोड़ निवेशक

नई दिल्ली:

देश में शेयर बाजार में निवेश करने वाले की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है और इसको साबित करने वाला एक और आंकड़ा आ गया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पिछले आठ महीने में नए निवेशकों का रजिस्ट्रेशन एक करोड़ के आंकड़े पर पहुंच गया है। इसके साथ ही एनएसई पर कुल निवेशकों की संख्या आठ करोड़ से ज्यादा हो गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक उसके रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स की संख्या में इजाफे के पीछे एक बड़ी वजह ये है कि कैपिटल मार्केट में अच्छा मूमेंटम बना हुआ है। एनएसई ने अहम बात कही है कि एक्सचेंज के साथ कुल रजिस्टर्ड क्लाइंट कोड्स ने 14.9 करोड़ का आंकड़ा छू लिया है, ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि क्लाइंट कोड एक से ज्यादा ट्रेडिंग सदस्यों के लिए होते हैं।

आठ महीनों के दौरान जुड़े 1 करोड़ नए निवेशक

स्टॉक एक्सचेंज ने एक रिलीज में कहा है कि 8 करोड़ यूनीक पैन इंवेस्टर्स भारत में लगभग 5 करोड़ यूनीक परिवारों के बराबर हैं। ये एनएसई के नेशनवाइड नेटवर्क के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में सीधे निवेश करने वाले लगभग 17 फीसदी परिवार हैं। इसके अलावा खास बात ये है कि पिछले 8 महीनों के दौरान एनएसई के प्लेटफॉर्म पर एक करोड़ नए इंवेस्टर्स रजिस्टर हुए हैं।

उत्तरी क्षेत्र का हिस्सा रहा सबसे ज्यादा

एनएसई ने कल 28 सितंबर को एक बयान में जानकारी देते हुए कहा कि नए निवेशकों का रजिस्ट्रेशन सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं है।

नए रजिस्टर्ड इंवेस्टर्स में टॉप 100 शहरों से इतर इलाकों का हिस्सा 45 फीसदी रहा है। विभिन्न क्षेत्रों की बात की जाए, तो नए इंवेस्टर्स के रजिस्ट्रेशन में उत्तरी क्षेत्र का हिस्सा 43 फीसदी रहा है। इसके बाद 27 फीसदी के साथ पश्चिम का स्थान है।

दक्षिण क्षेत्र का हिस्सा 17 फीसदी और पूर्वी क्षेत्र का 13 फीसदी रहा है।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अगस्त में 14 महीनों के शीर्ष पर

नई दिल्ली:

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर इस साल अगस्त में 14 महीनों के उच्च स्तर 12.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। एक साल पहले इसी महीने में यह 4.2 प्रतिशत थी।

शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक कोयला, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में वृद्धि से अगस्त महीने में बुनियादी क्षेत्रों की तेजी को बल मिला। पिछले 14 महीनों की सबसे अधिक वृद्धि दर अगस्त में रही है।

पिछला उच्च स्तर जून, 2022 में 13.2 प्रतिशत रहा था।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में रिफाइनरी उत्पादों, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र का उत्पादन भी बढ़ा। इसके पहले जुलाई महीने में इन प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही थी। हालांकि चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में आठ क्षेत्रों की उत्पादन वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले की अवधि में 10 प्रतिशत थी।

ज़ी-सोनी के विलय में हुई और देरी

नई दिल्ली।

जापान के सोनी ग्रुप की सहायक कंपनी सोनी पिक्चर्स का ज़ी एंटरटेनमेंट के साथ विलय में कुछ महीनों की और देरी हो गई है। हालांकि सभी ट्रांजैक्शन पहले 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के अंत तक खत्म होने की उम्मीद थी, लेकिन अब इसके आगे होने की संभावना है। सोनी ने एक बयान में कहा, सोनी अपने समेकित वित्तीय परिणामों पर लेनदेन के प्रभाव का आकलन करना जारी रखे हुए है। बयान में कहा गया है, दोनों कंपनियां लेनदेन को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं के साथ आगे बढ़ रही हैं। इस महीने की शुरुआत में, एक्सिस फाइनेंस द्वारा प्राप्त विलय के लिए एनसीएलटी की मंजूरी को चुनौती देने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण से संपर्क करने के बाद ज़ी को एक नया झटका लगा। आईडीबीआई बैंक पहले ही एनसीएलटी के आदेश को राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) में चुनौती दे चुका है। विलय की घोषणा पहली बार 2021 में की गई थी। ज़ी समूह इकाई द्वारा ऋण चूक पर ऋणदाताओं के साथ कानूनी लड़ाई सहित मुद्दों के कारण इसमें देरी हुई। सेबी द्वारा ज़ी के सीईओ, पुनित गोयनका, जो विलय की गई इकाई के प्रमुख थे, को सूचीबद्ध कंपनियों के बोर्ड से एक साल के लिए

प्रतिबंधित करने के बाद विलय समस्याओं में पड़ गया।

जालान कालरॉक कंसोर्टियम ने जेट एयरवेज में किया अतिरिक्त 100 करोड़ रुपए का निवेश

मुंबई:

जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) ने बंद पड़ी विमानन कंपनी जेट एयरवेज का परिचालन फिर से शुरू करने के लिए अदालत द्वारा अनुमोदित समाधान योजना के तहत एयरलाइन में अतिरिक्त 100 करोड़ रुपए का निवेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। जेकेसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, इसके साथ कंसोर्टियम ने एयरलाइन को फिर से चालू करने के लिए 350 करोड़ रुपए की अपनी कुल वित्तीय प्रतिबद्धता को पूरा कर दिया है। यह जेट एयरवेज का स्वामित्व संभालने का मार्ग प्रशस्त करेगा। कंपनी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि एयरलाइन अगले साल शुरू हो जाएगी। इसकी सेवाएं शुरू होने की तारीख अगले कुछ दिनों में घोषित किए जाने की संभावना है। जेट एयरवेज का परिचालन 17 अप्रैल 2019 से बंद हैं। जालान कालरॉक कंसोर्टियम (जेकेसी) इसके कर्ज समाधान के लिए चलाई गई प्रक्रिया में गठजोड़ विजेता बोलीकर्ता बनकर उभरा था।

शेयर बाजार में धातु, फार्मा शेयरों का प्रदर्शन शीर्ष पर

नई दिल्ली-

निफ्टी पर शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में निफ्टी मेटल और निफ्टी फार्मा सबसे ऊपर रहे, जिनमें क्रमशः 2.66 फीसदी और 1.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में मेटल की कीमतें बढ़ रही हैं, जो धातु क्षेत्र को आगे बढ़ाने वाले कारकों में से एक था। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हीरो मोटोकॉर्प, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और डिविस लैब शीर्ष लाभ पाने वालों में से थे, जबकि नुकसान में रहने वालों में अदानी एंटरप्राइजेज, एलटीआईमाइंडट्री, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड शामिल हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख

विनोद नायर ने कहा कि ब्रिटेन के सकारात्मक जीडीपी आंकड़ों के कारण भारतीय बाजार में तेजी देखी गई, जिससे उसके वैश्विक साथियों के बीच विश्वास पैदा हुआ। हालाँकि, कमजोर तरलता और कमजोरी पर पर काबू पाने के लिए किसी ट्रिगर के न होने से बाजार को उच्च स्तर पर कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है। सितंबर में अच्छे मानसून की वापसी से घरेलू मुद्रास्फीति के बढ़ने का जोखिम कम हो सकता है। उन्होंने कहा, इससे आरबीआई को अगले सप्ताह आगामी नीति बैठक में ठहराव बनाए रखने की छूट मिल सकती है।

कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज अगस्त में 16.6 फीसदी बढ़ा: आरबीआई

मुंबई । कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज वृद्धि पिछले महीने बढ़कर 16.6 फीसदी रही। वहीं बकाया कर्ज लगभग 18 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार पिछले साल अगस्त महीने में कृषि और संबद्ध गतिविधियों में कर्ज वृद्धि 13.4 फीसदी रही थी। बैंकों की तरफ से इस क्षेत्र को दिया गया सकल कर्ज 17,96,113 करोड़ रुपए रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार उद्योग क्षेत्र को कर्ज इस साल अगस्त में सालाना आधार पर 6.1 फीसदी बढ़ा जबकि एक साल पहले इसमें 11.4 फीसदी की वृद्धि हुई थी। प्रमुख उद्योगों में अगस्त 2023 में बुनियादी धातु और धातु उत्पादों और वस्त्रों के लिये कर्ज में सालाना आधार पर तेजी आई। हालांकि, रसायन और रासायनिक उत्पादों, खाद्य प्रसंस्करण तथा बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कर्ज वृद्धि घटी है। सेवा क्षेत्र को दिए गए कर्ज में इस साल अगस्त में 20.7 फीसदी की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी महीने में 17.4 प्रतिशत थी। व्यक्तिगत कर्ज में वृद्धि आलोच्य महीने में कम होकर 18.3 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी महीने में 19.4 फीसदी थी।

एयर इंडिया ने ए350 विमान का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने गिफ्ट सिटी के जरिए एचएसबीसी के साथ वित्त पट्टा लेनदेन के माध्यम से अपने पहले ए350-900 विमान का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। यह देश के पहले अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) गिफ्ट सिटी के जरिए पट्टे पर लिया जाने वाला पहला वाइड बॉडी विमान है। एयरलाइन के अनुसार लेन-देन को इसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एआई फ्लीट सर्विसेज लिमिटेड (एआईएफएस) द्वारा पूरा किया गया। यह इस साल की शुरुआत में दिए गए 470 विमान के ऑर्डर में से पहला वित्तपोषण लेनदेन है। एयर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक एवं परिवर्तन अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा कि यह महत्वपूर्ण लेन-देन गिफ्ट आईएफएससी से हमारे विमान पट्टे के व्यवसाय की शुरुआत का प्रतीक है। एआईएफएस विस्तृत निकाय विमान वित्तपोषण के लिए एअर इंडिया समूह की पहली इकाई होगी, जो हमारे और हमारी अनुषंगी कंपनियों के लिए भविष्य की विमान वित्तपोषण रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के कार्यकारी निदेशक दीपेश शाह ने कहा कि वह विमान पट्टे और वित्तपोषण के लिए विनियामक क्षमता विकसित करने के लिए हितधारकों के साथ काम कर रहा है। एयर इंडिया ने इस साल जून में एयरबस और बोइंग के साथ इन विमानों के अधिग्रहण के लिए खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अभी एयर इंडिया के पास 116 विमानों का बेड़ा है, जिसमें 49 वाइड बॉडी (चौड़े) विमान शामिल हैं। वहीं टाटा समूह अपने एयरलाइन व्यवसाय को मजबूत करने की प्रक्रिया में है, जिसके तहत एआईएक्स कनेक्ट का एअर इंडिया एक्सप्रेस के साथ विलय हो रहा है और विस्तारा का एयर इंडिया के साथ विलय किया जाएगा। विस्तारा टाटा और सिंगापुर एयरलाइन का एक संयुक्त उद्यम है। सिंगापुर एयरलाइन की वाहक में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

मजबूत शुरुआत के बाद निफ्टी में मुनाफावसूली

नई दिल्ली। भारतीय बाजारों की शुरुआत शुक्रवार को मजबूत रही और पूरे सत्र में बढ़त जारी रही। लेकिन आखिरी 45 मिनट के कारोबार में मुनाफावसूली देखी गई और निफ्टी में दिन के उच्चतम स्तर 19726 अंक से 100 से अधिक की गिरावट आ गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में रिटेल रिसर्च के डिप्टी हेड देवर्ष वकील ने ये बात कही है। निफ्टी मिड और स्मॉल कैप100 इंडेक्स के छोटे शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जहां निफ्टी में क्रमशः 1.08 प्रतिशत और 0.99 प्रतिशत की बढ़त हुई। आगे बढ़ने वाले शेयरों की संख्या घटने वाले शेयरों से अधिक है क्योंकि बीएसई पर अग्रिम गिरावट अनुपात 1.85 के स्तर पर है, जो 14 सितंबर के बाद सबसे अधिक है। उन्होंने कहा, नकदी बाजार की मात्रा हाल के औसत की तुलना में कम थी। निफ्टी आईटी को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। आईटी शेयरों पर असर पड़ा क्योंकि आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एक्सेंचर ने अपने चौथे क्वार्टर राजस्व आंकड़े लक्षित सीमा के भीतर बताए, लेकिन अनुमान से कम रहे। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अनुमान लगाया है कि पहली तिमाही में राजस्व वॉल स्ट्रीट लक्ष्य से कम रहेगा, जिससे संकेत मिलता है कि उच्च मुद्रास्फीति और ब्याज दरों का दबाव अगले साल तक मांग को प्रभावित करेगा। उन्होंने कहा कि सेक्टरों में निफ्टी फार्मा, हेल्थकेयर, मीडिया और निफ्टी पीएसयू बैंक प्रमुख लाभ में रहे।

अक्टूबर आमतौर पर इक्विटी बाजार के लिए अनुकूल महीना

नई दिल्ली।

रैली में बिकवाली वाली संरचना अक्टूबर में बदलने की संभावना है। अक्टूबर आमतौर पर अमेरिकी और भारतीय दोनों बाजारों के लिए एक अनुकूल महीना है। ऐसे संकेत हैं कि यह ऐतिहासिक प्रवृत्ति इस अक्टूबर में भी जारी रह सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है।डॉलर में बढ़ोतरी, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और ब्रेंट क्रूड की तिहरी मार के कम होने के हैं। यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है तो इससे बाजार में सुधार होगा। उन्होंने कहा, गुरुवार को अमेरिकी बाजार में स्थिरता भी एक सहायक कारक हो सकती है। एफआईआई की लगातार बिकवाली का बाजार पर असर जारी रह सकता है। इस महीने एफआईआई की 25,000 करोड़ रुपये की बिकवाली से बैंकिंग शेयरों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, बैंकिंग सेगमेंट के दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे रहेंगे और बाजार इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दे सकता है।उन्होंने कहा, आज रात आने वाली अपेक्षित यूएस पीसीई मुद्रास्फीति डेटा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमेरिकी मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के आगे के रास्ते का संकेत दे सकता है।शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 169 अंक ऊपर 65,677 अंक पर है। कारोबार में एनटीपीसी 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर है। प्रभुदास लीलाधर में तकनीकी अनुसंधान की प्रमुख

वैशाली पारेख का कहना है कि सुबह के सत्र में सकारात्मक नोट पर खुलने के बाद निफ्टी में भारी गिरावट आई। जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, निफ्ट 19,550 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे टूट गया। यदि सूचकांक आने वाले सत्र में 19,550 क्षेत्र से नीचे बना रहता है, तो इसका अगला प्रमुख समर्थन क्षेत्र 19,250 होगा। पारेख ने कहा, दिन के लिए समर्थन 19,400 के स्तर पर देखा गया है जबकि प्रतिरोध 19,700 के स्तर पर देखा गया है।

डीएचएल एक्सप्रेस पार्सल डिलीवरी की कीमतें बढ़ाएगी

मुंबई । लॉजिस्टिक्स कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस अपनी वार्षिक मूल्य समायोजन प्रक्रिया के तहत अगले साल से भारत में पार्सल डिलीवरी की कीमत लगभग 6.9 प्रतिशत बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार मुद्रास्फीति सहित विभिन्न कारकों को ध्यान में रखते हुए कीमतें वार्षिक आधार पर नए सिरे से निर्धारित की जाती है। बयान में कहा गया कि भारत में औसतन 6.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। यह एक जनवरी 2024 से लागू होगी। डीएचएल एक्सप्रेस (दक्षिण एशिया) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस सुब्रमण्यम ने कहा कि कुल मिलाकर वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थिति स्थिर होने लगी है। हालांकि अनिश्चितता बनी हुई है। इस कठिन समय में हम वैश्विक स्तर पर अपने सभी ग्राहकों को स्थिर तथा विश्वसनीय सेवाएं प्रदान करते हैं।

ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर लगेगा 28 फीसदी जीएसटी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ पर 28 प्रतिशत जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) लागू किया जा सकता है। सीबीआईसी के चेयरमैन संजय अग्रवाल ने मीडियाकर्मियों से कहा कि हम इसे 1 अक्टूबर से लागू करने के लिए तैयार हैं। जीएसटी परिषद की पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संबंधित अधिसूचनाएं प्रक्रियाधीन हैं। यह कदम सभी राज्यों की सर्वसम्मति से उठाया गया है और हाल ही में लोकसभा में जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया गया। अग्रवाल ने कहा कि 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग पर 28 फीसदी जीएसटी लागू करने के लिए सभी राज्यों को इसे अपनी विधानसभाओं में पारित करना होगा या 30 सितंबर तक अध्यादेश जारी करना होगा। ऑनलाइन गेमिंग के मामले में लगाए गए दांव, कैसीनो के मामले में खरीदे गए चिप्स के अंकित मूल्य और घुड़दौड़ के मामले में सट्टेबाज, टोटलाइज़र के साथ लगाए गए दांव पर 28 प्रतिशत जीएसटी लागू होगा। कई ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों को वर्तमान में लगने वाले 18 प्रतिशत के बजाय 28 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान करने के लिए पहले ही नोटिस जारी किया जा चुका है। 11 अगस्त को लोकसभा ने मानसून सत्र के अपने अंतिम सत्र के दौरान ध्वनि मत से दो जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया। ये संशोधन एकीकृत वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 और केंद्रीय वस्तु और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2023 से संबंधित हैं, जिसका मकसद ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ के लिए 28 प्रतिशत जीएसटी लागू करना है।

रुपया नौ पैसे तेज होकर 83.10 प्रति डॉलर

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त के साथ 83.10 पर पहुंच गया। विदेशी कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोष की सतत निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से रुपए की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.13 पर खुलने के बाद 83.09 प्रति डॉलर पहुंच गया। बाद में 83.10 प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में नौ पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 83.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 106.02 पर रहा।

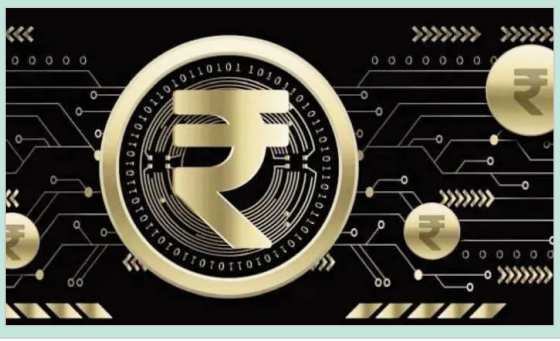

पेट्रोल पंप संचालकों ने एक अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाने की दी चेतावनी

जयपुर, राजस्थान में पेट्रोल पंप संचालक 1 अक्टूबर से फिर हड़ताल पर जाने की तैयारी कर रहे हैं। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के सदस्य ने कहा कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर बढ़ रहे वैट का दस दिनों में समाधान का वादा किया था। लेकिन 13 दिन बाद भी समाधान नहीं निकला है। इससे परेशान होकर वे 1 अक्टूबर को सुबह 6 से शाम 6 बजे तक सांकेतिक हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो हम दो अक्टूबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे। दरअसल, एसोसिएशन की ओर से वैट कम करने समेत अन्य मांगें की जा रही हैं। इसके लिए 13 और 14 सितंबर को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई थी, लेकिन सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की गई। सरकार से वार्ता के दौरान मिले आश्वासन के बाद 15 सितंबर को ही हड़ताल स्थगित कर दी गयी थी।

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें : अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवई: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2961

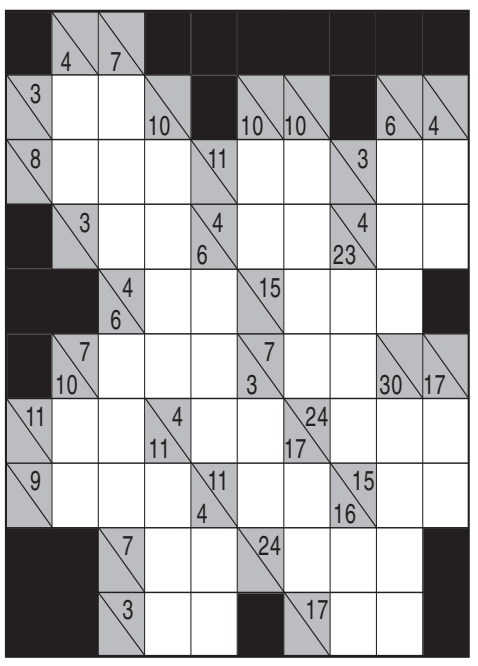

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

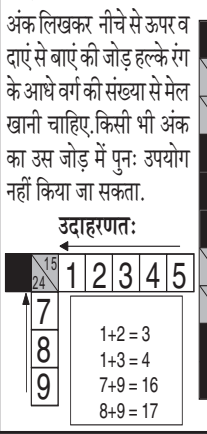

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2960 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2961

बायें से दायें:-

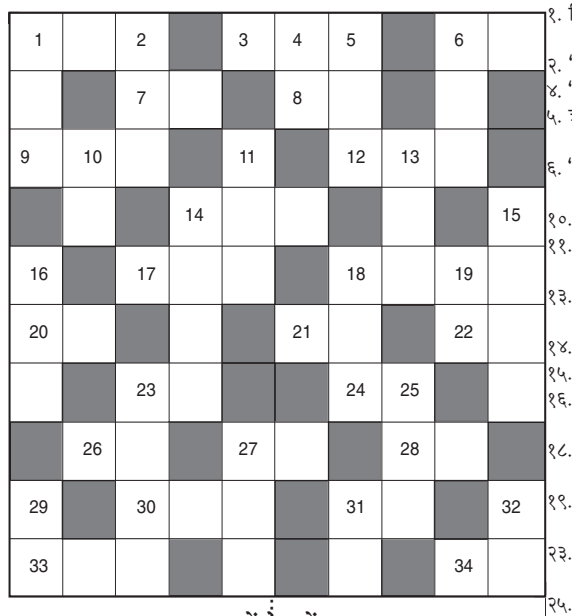

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४.'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९.'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2960

अ	न	मो	ल		फि	जा		य	श
भ		ह	व	स		न	र्गि	स	
य		ब्ब		नी	ल	म		बॉ	बी
	जी	तें	द्र		ड़ा		जीं	स	
घा	त			आ	ई	ना			मु
त		आ	वा	रा		रा	जा	जा	नी
क	री	ना		ध		ज			म
	ना		बे	ना	म		मौ		जी
हे		दा	ता		हि	रा	स	त	
मा	या		ब	ल	मा		म		माँ

सूडोकु -2961

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2960 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शब्द पहेली - 2961

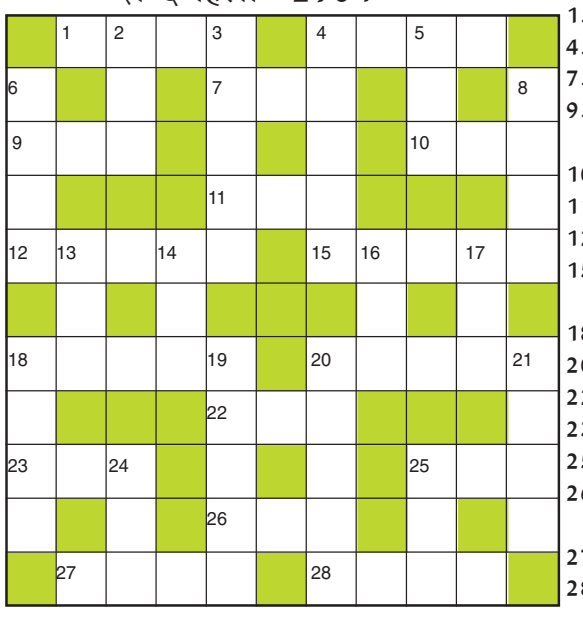

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2960 का हल

	अ	व	का	श		प्र	ति	घा	त	
खु				रा	व	ण				मु
शा		ना	या	ब		य	ती	म		क
म		ह		खा	र	क		ज		र
द	या	क	र	ना		था	ह	मा	प	ना
	प		फ्ता				सी		ठा	
अ	न	व	र	त		म	न	भ	र	ना
नु		रा		म	ध्य	म		र		मा
रो		ह	र्षि	त		ता	ली	म		कू
ध				मा	त	म				ल
	आ	ज	मा	ना		य	ज	मा	न	

ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत जीता

हांगझोउ। ऐश्वर्य प्रताप सिंह ने शुक्रवार को यहां 19वें एशियाई खेल 2023 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3-पोजिशन व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि स्वप्निल सुरेश कुसाले चौथे स्थान पर रहे। ऐश्वर्य ने शानदार वापसी करते हुए पांचवें स्थान से आगे बढ़ते हुए 459.7 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया। नीलिंग और प्रोन शॉट के बाद स्वप्निल 310.8 अंक के साथ आगे चल रहे थे। इस बीच, ऐश्वर्य 306.4 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर थे । खड़े होने की स्थिति में, स्वप्निल 7.6 शॉट के बाद पांचवें स्थान पर गिरने से पहले शीर्ष पर बने रहे और चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गए। इससे पहले आज, स्वप्निल और ऐश्वर्य ने, अखिल श्योरण के साथ, एशियाई खेलों 2023 में विश्व रिकॉर्ड स्कोर के साथ पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम की शूटिंग में स्वर्ण पदक जीता। ऐश्वर्य के रजत पदक से भारत को निशानेबाजी में अब तक के सर्वाधिक 18 पदक हासिल करने में मदद मिली।

भारतीय बैडमिंटन पुरुष टीम सेमीफाइनल में , 37 साल बाद पदक पक्का; महिला टीम क्वार्टर फाइनल में हारी

हांगझोउ। (एजेंसी)

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने नेपाल को 3-0 से हराकर 19वें एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में प्रवेश किया और 37 साल के अंतराल के बाद ऐतिहासिक पदक पक्का किया। भारत का अगला मुकाबला शनिवार को इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। आखिरी बार पुरुष टीम ने 1986 के सोल संस्करण के दौरान इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पदक हासिल किया था। प्रकाश पादुकोण और सैयद मोदी जैसे दिग्गजों ने टीम का नेतृत्व किया, जिसमें विमल कुमार, रवि कुंटे, उदय पवार, सनत मिश्रा और लेरॉय डिसा शामिल थे। विश्व के 14वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्रिंस दहल को 21-5, 21-8 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। किदांबी श्रीकांत ने दूसरे मुकाबले में सुनील जोशी को 21-4, 21-13 से हराकर भारत को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया। फिर, मिथुन मंजुनाथ ने मैच 3 में बिष्णु कटुवाल को 21-2, 21-7 से हराकर पुरुष टीम स्पर्धा के सेमीफाइनल में भारत की प्रगति को सील कर दिया। हालांकि, महिला टीम क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय स्टार पीवी सिंधु पहले मैच में पोर्नपावी चोचुवोंग से 21-14, 15-21, 14-21 से हार गईं, जबकि गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी को किट्टीथाराकुल और प्राजोंगजई से 19-21, 5-21 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में अश्मिता चालिहा बुसानन ओंगबामरुंगफान से 9-21, 16-21 से हार गईं। सिंधु ने शुरुआती बढ़त ले ली, लेकिन चोचुवोंग ने वापसी करते हुए अगले दो गेम जीत लिए, जिससे थाईलैंड को 1-0 की बढ़त मिल गई। भारत ने महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना आखिरी महिला टीम पदक इंचियोन में 2014 संस्करण में जीता था। सिंधु और अश्विनी पोनप्पा उस सफलता का हिस्सा थीं।

एशियाई खेल : निशानेबाजी में ऐश्वर्या, स्वप्निल और श्योरण ने स्वर्ण के साथ बनाया विश्व रिकार्ड

हांगझोऊ । (एजेंसी)

एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है पुरुष वर्ग में भारत की ओर से ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योरण की टीम ने 50 मीटर राइफल में स्वर्ण पर निशाना लगाया। ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, स्वप्निल कुसाले और श्योरण ने 50 मीटर राइफल में 1736 अंक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। स्वप्निल ने इनर 10 क्षेत्र में 33 हिट के साथ 591 का स्कोर बनाया, जबकि ऐश्वर्य का भी यही स्कोर था, लेकिन इनर 10 क्षेत्र में उनके पास 27 शॉट थे और उन्होंने रिकॉर्ड साझा किया। अखिल श्योरण भी शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने 587 का स्कोर बनाया और क्वालीफाइंग चरण में 5वें स्थान पर रहे, लेकिन फाइनल में जगह नहीं बना सके क्योंकि नियम फाइनल में एक देश से केवल दो प्रतिभागियों को अनुमति देते हैं पर श्योरण ने फिर भी पदक जीता क्योंकि भारतीय टीम संयुक्त रूप से तालिका में शीर्ष पर रही और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक उसे मिला।

कुसाले, तोमर और श्योराण के इस शानदार प्रयास से भारत ने टीम स्पर्धा में कुल 1769 अंक हासिल कर पहला स्थान हासिल कर स्वर्ण प्राप्त किया जबकि चीन 1763 अंक लेकर दूसरे स्थान के साथ ही रजत और कोरिया 1748 अंक के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीतने में सफल रहा। स्वप्निल और तोमर के पास एक और पदक जीतने का मौका था क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और क्वालिफिकेशन राउंड के अंत में स्टैंडिंग में पहले और दूसरे स्थान पर रहे। शूटिंग की इस कठिन प्रतियोगिता में, जिसमें घुटने टेककर, प्रोन और खड़े होकर शूटिंग करते समय एक प्रतिभागी की क्षमताओं का परीक्षण किया जाता है, तोमर ने घुटने टेककर 99 और 100, प्रोन में 98 और 99 और खड़े होकर 98 और 97 का स्कोर किया। कुसाले को नीलिंग में 98 और 98, प्रोन में 100 और 99 और स्टैंडिंग में 99 और 97 का स्कोर मिला।

कर्नाटक के सीएम ने स्वर्ण पदक विजेता भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम को सम्मानित किया

बेंगलुरु। (एजेंसी)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कृष्णा में भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम और कर्नाटक की पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम के सदस्यों को सम्मानित किया।भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने आईबीएसए विश्व क्रिकेट टूर्नामेंट (क्रिकेट फॉर ब्लाइंड) में स्वर्ण पदक और पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने रजत पदक जीता। मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम की कप्तान वर्षा.यू और टीम के खिलाड़ियों दीपिका, गंगव्वा और कर्नाटक की पुरुष टीम के प्रकाश जे, सुनील कुमार, बसप्पा वोडगोल को सम्मानित किया। महिला क्रिकेट टीम ने अगस्त में आईबीएसए विश्व खेलों में ऑस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराकर स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।कर्नाटक राज्य ओलंपिक संगठन के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदा राजू के नेतृत्व में पदक विजेता खिलाड़ियों की टीम ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपनी मांगें रखीं।

मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और गोविंदराजू के साथ अलग से चर्चा करने और उनकी मांगों को पूरा करने के लिए उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने खिलाड़ियों से बातचीत की और उनसे खिलाड़ियों को मिलने वाले प्रशिक्षण, वे गेंद को कैसे पहचानते हैं, उन्होंने कितने मैच खेले हैं आदि के बारे में दिलचस्प सवाल पूछे।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार नसीर अहमद, क्रिकेट एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड इंडिया के आजीवन अध्यक्ष महंतेश, सीएबीआई के अध्यक्ष बूसागौड़ा और समर्थनम ट्रस्ट के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अदिति संयुक्त 2 पर बरकरार, प्रणवी, अवनि आगे बढ़ीं

हांगझोउ, (एजेंसी)

भारत की अदिति अशोक ने एशियाई महिला गोल्फ व्यक्तिगत चैंपियनशिप में शुक्रवार को दूसरे दौर के बाद कुल 11-अंडर पार 133 के स्कोर के साथ चीन की विश्व नंबर 25 यिन रुओनिंग के साथ संयुक्त दूसरा स्थान बरकरार रखा है। अदिति, जो 2021 में टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आईं, ने शुक्रवार को दूसरे दौर में छह अंडर 66 का स्कोर किया और पहले दौर में बनाए गए 67 को जोड़ दिया। थाईलैंड की युबोल अर्पिचया ने शुक्रवार को 65 का मजबूत स्कोर बनाकर पहले राउंड में अपने 67 के स्कोर के साथ जोड़ा और चीन की लिन ज़यि से बढ़त ले ली है, जिन्होंने आज 66 का स्कोर किया और 134 के साथ चौथे स्थान पर हैं। अन्य भारतीयों में, प्रणवी उर्स ने 4-अंडर 68 का स्कोर किया, जिससे उन्हें 139 के स्कोर के साथ 7 स्थान ऊपर संयुक्त 10 में पहुंचने में मदद मिली, जबकि अवनि प्रशांत को छह स्थान का फायदा हुआ और वह 141 के स्कोर के साथ संयुक्त15 पर हैं। तीनों भारतीयों ने कट हासिल किया जो 3-अंडर 141 पर लागू किया गया । टीम प्रतियोगिता में, भारत 272 के स्कोर के साथ चीन (267) और थाईलैंड (268) से पीछे रहकर तीसरे स्थान पर रहा। टीम प्रतियोगिता में आठ टीमों ने अंतिम दो राउंड के लिए क्वालीफाई किया।

हांगझोउ में निशानेबाजी में भारत की सफलता का चार्ट एनसीआर में वॉर रूम के अंदर बनाया गया

हांगझोउ। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में एक साधारण कमरा है और इसने हांगझोउ में 19वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों के शानदार प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजों की सफलता का चार्ट इस कमरे में एक अनूठी सिमुलेशन तकनीक और ड्राई शूटिंग के माध्यम से लगाया गया था, जिसे निशानेबाजों द्वारा वॉर रूम कहा जाता है।भारत ने हांगझोउ में अब तक छह स्वर्ण पदक सहित 18 पदक जीते हैं, जो एशियाई खेलों में निशानेबाजी में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। निशानेबाजी में भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2006 में दोहा एशियाई खेलों में था जब भारतीय निशानेबाजों ने 13 पदक जीते थे - 3 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य। शुक्रवार को, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पलक गुलिया ने इस बारे में बात की कि कैसे तुगलकाबाद में डॉ कर्णी सिंह रेंज में वॉर रूम के अंदर फाइनल के परिदृश्य का अनुकरण करने से उन्हें एशियाई खेलों की तैयारी में मदद मिली। उसने कहा, हमने इस वॉर रूम में विभिन्न स्थितियों का अनुकरण किया, जैसे फ़ाइनल, अंतिम चार शॉट, अंतिम दो शॉट, और फिर विभिन्न मापदंडों की जांच की - जैसे नाड़ी की दर, दिल की धड़कन, सांस लेना आदि। किस ब्रेक के बाद (10 शॉट, 12, 14 शॉट) क्या हम अति उत्साहित हो रहे हैं, हम कब आराम कर रहे हैं - एक ऐसी स्थिति जिसमें हमें हमेशा फाइनल में रहना चाहिए - यह सब हमने वॉर रूम में किया। पलक ने एशियाई खेलों में स्वर्ण और रजत पदक जीतने के बाद कहा, मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत सारे सत्र किए और मानसिक प्रशिक्षण सत्रों में भी भाग लिया, जिनमें से हमारे पास हर हफ्ते तीन थे। इससे मुझे एशियाई खेलों की तैयारी में बहुत मदद मिली। .वॉर रूम प्रशिक्षण नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर, पियरे ब्यूचैम्प के दिमाग की उपज है। वॉर रूम में, तस्वीरों के माध्यम से, कोच शूटिंग रेंज का अनुकरण करते हैं जिसमें निशानेबाज अगले भाग में हिस्सा लेंगे और फिर उन्हें क्वालीफाइंग या अंतिम ड्राई शूट (पूरी दिनचर्या का पालन करें और बिना किसी गोला-बारूद के सिर्फ शूटिंग) जैसी स्थितियां दें। राष्ट्रीय टीम के पिस्टल कोच रौनक पंडित ने कहा, पहले, निशानेबाज दीवार पर ड्राई-शूट करते थे। लेकिन अब हम रेंज और लक्ष्य की तस्वीरें खरीदते हैं जिन्हें दीवार पर प्रक्षेपित किया जाता है। हमारे पास कुछ संगीत है और माहौल ऐसा है जैसे वे आयोजन स्थल पर सामना करेंगे। तैयारी कर रहे हैं इस तरीके से वास्तव में निशानेबाजों को मदद मिली है।उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, एचपीडी ने फरवरी 2022 से एक नया मानसिक-प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है और एनआरएआई ने दिमाग-प्रशिक्षण कार्यक्रम को चलाने में मदद के लिए तीन खेल मनोवैज्ञानिकों को काम पर रखा है।

एएफआई अगले कैलेंडर वर्ष से राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का डिसेन्ट्रेलाइज़ करेगा

नई दिल्ली। देश भर में प्रशिक्षण आधार को व्यापक बनाने के लिए, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने अगले कैलेंडर वर्ष से राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों को डिसेन्ट्रलाइज़ करने का फैसला किया है। एएफआई अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा, 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए चुनिंदा आयोजनों में राष्ट्रीय शिविर विशिष्ट एथलीटों के लिए जारी रहेंगे। तीन मुख्य शहरों-बेंगलुरु, पटियाला और तिरुवनंतपुरम में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करने के बजाय, एएफआई भविष्य में देश भर में 20 से अधिक शिविर आयोजित करेगा। सुमारिवाला ने आगे कहा, राष्ट्रीय शिविरों के डिसेन्ट्रलाइज करने का बड़ा निर्णय गुरुवार को आयोजित एएफआई की विशेष आम बैठक के दौरान लिया गया। देश भर में कोचिंग शिविरों की अधिक संख्या से बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और प्रशिक्षण आधार का विस्तार होगा। सुमारिवाला, जो विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्षों में से एक हैं उनके अनुसार देश भर में कोचिंग शिविरों की निगरानी के लिए तौर-तरीके जल्द ही तैयार किए जाएंगे। एएफआई अध्यक्ष ने कहा, एएफआई एक पैनल का गठन करेगा जो देश भर में फैले शिविरों के कामकाज की निगरानी के लिए एक ड्रॉफ्ट तैयार करेगा। 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों की तैयारी में एएफआई सात विषयों में मुख्य रूप से भाला (पुरुष और महिला), स्टीपलचेज़ (पुरुष और महिला), कूद (लंबी और ट्रिपल), रेस वॉकिंग (पुरुष और महिला दोनों), 4×400 मीटर रिले (पुरुष और महिला) और थ्रो (पुरुष शॉट पुट) में विशिष्ट एथलीटों के लिए राष्ट्रीय शिविर जारी रखेगा।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में गुइलहर्मे अराना शामिल

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियाई फुटबॉल परिसंघ ने बताया कि गुइलहर्मे अराना को वेनेजुएला और उरुग्वे के खिलाफ फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की टीम में शामिल किया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 26 वर्षीय खिलाड़ी कैओ हेनरिक की जगह लेंगे, जो इंजरी के कारण बाहर हुए हैं। वहीं, गंभीर चोट के कारण सर्जरी से उबरने के बाद अराना करीब एक साल बाद वापसी करने के लिए तैयार हैं। डिफेंडर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, मुझे विश्व कप से चूकने की निराशा से उबरना था लेकिन मैं पहले से कहीं ज्यादा मजबूत होकर वापस आया हूं। ब्राजील 12 अक्टूबर को कुइआबा में वेनेजुएला से और पांच दिन बाद मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ मैच खेलेगा। ब्राजील ने विश्व कप 2026 के लिए अपने क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत इस महीने की शुरुआत में बोलीविया पर 5-1 की घरेलू जीत और पेरू पर 1-0 की जीत के साथ की।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पलक को गोल्ड, ईशा को सिल्वर

हांगझोऊ। एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में पलक ने भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। वहीं ईशा सिंह ने इसी इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।17 साल की पलक ने एशियाई खेलों में 241.2 का नया विजयी स्कोर बनाया, जबकि 18 साल की ईशा ने 239.7 का स्कोर हासिल किया।इससे पहले, यह जोड़ी महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम का हिस्सा थी जिसने सिल्वर मेडल हासिल किया था।18 साल की ईशा सिंह का इस एर्शो याड में यह चौथा मेडल है। वह 25 मीटर पिस्टल टीम इवेंट में गोल्ड जीत चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने25 मीटर पिस्टल टीम, 25 मीटर पिस्टल व्यक्तिगत, 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत, 10 मीटर एयर पिस्टल टीम में रजत पदक पर कब्जा किया।

इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच नहीं खेलेंगे विलियमसन : न्यूजीलैंड क्रिकेट

हैदराबाद। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को बताया कि न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उनके घुटने का पुनर्वास जारी है। विलियमसन शुक्रवार को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले अभ्यास मैच में केवल बल्लेबाज के रूप में खेल रहे हैं, जिसका लक्ष्य सोमवार को तिरुवनंतपुरम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम अभ्यास मैच में बल्लेबाजी और आंकलन करना है। विलियमसन की फिटनेस पर बात करते हुए, मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, शुरू से ही हमने केन की खेल में वापसी पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखा है। उनकी रिकवरी अच्छी हो रही है। कोच ने आगे कहा, हम केन के पुनर्वास के लिए दिन-ब-दिन दृष्टिकोण अपनाना जारी रखेंगे और निश्चित रूप से तैयार होने से पहले लौटने के लिए उस पर कोई दबाव नहीं डालेंगे। विलियमसन ने आईपीएल 2023 के उद्घाटन मैच के दौरान एसीएल टूटने के कारण छह महीने के ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। अनुपस्थिति की इस अवधि के दौरान उनकी सर्जरी हुई। इंग्लैंड में राष्ट्रीय टीम के साथ प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने अपना पुनर्वास जारी रखा। विलियमसन की अनुपस्थिति के दौरान, टॉम लाथम5 अक्टूबर को अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले विश्व कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड के लिए कप्तान की भूमिका निभाएंगे। लाथम दो अभ्यास मैचों में भी टीम की कमान संभालेंगे। विलियमसन का मुख्य ध्यान 9 अक्टूबर को नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे विश्व कप मैच के लिए फिटनेस हासिल करने पर होगा।

बोपन्ना-भोसले की जोड़ी मिश्रित युगल फाइनल में पहुंची

हांगझोऊ। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने चीनी ताइपे के यू-हसिउ सू और हाओ-चिंग को 6-1, 3-6, 10-4 से हराकर एशियाई खेलों में मिश्रित युगल के स्वर्ण पदक मैच में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त हासिल करते हुए शुरुआती सेट 28 मिनट में अपने नाम कर लिया। फिर भी, तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे जोड़ी ने दूसरे सेट में वापसी की और स्कोर बराबर किया। जिसके बाद 10-पॉइंट टाई-ब्रेकर सेट खेला गया। फिर, बोपन्ना और भोसले टाई-ब्रेकर में विजयी हुए उन्होंने छह महत्वपूर्ण अंक बनाए और मिश्रित युगल फाइनल में स्थान अर्जित किया। फाइनल मुकाबले में भारत शनिवार को चीनी ताइपे की दूसरी जोड़ी त्सुंग-हाओ हुआंग और एन-शुओ लियांग से भिड़ेगा। विशेष रूप से रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले अपने पहले एशियाई खेलों के मिश्रित युगल पदक को सुरक्षित करने की कगार पर हैं, जिससे कम से कम रजत पदक की गारंटी है, जो दोनों खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एशियाई खेलों के इतिहास में भारतीय टीम ने कुल छह मिश्रित युगल पदक अर्जित किए हैं, जिनमें से प्रत्येक में दो स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल हैं।

THE PHOTON NEWS

www.thephotonnews.com
Saturday, 30 September 2023

सहमति से यौन संबंध बनाने की उम्र 18 वर्ष

नई दिल्ली। लॉ कमीशन ने अपनी रिपोर्ट कानून मंत्रालय को सौंप दी है। इस रिपोर्ट में बच्चों को यौन हिंसा से संरक्षित करने के लिए तथा पोक्सो एक्ट 2012 के विभिन्न नियमों में बदलाव करने के लिए अनुशंसा की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि शारीरिक संबंध बनाने की उम्र 18 साल ही होनी चाहिए इससे कम उम्र में यदि यौन संबंध बनते हैं। तो वह अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। यौन संबंध भले ही दोनों की सहमति से क्यों न बने हो। लॉ कमीशन का मानना है कि कानून में ढील देने के स्थान पर इसके बेजा इस्तेमाल को रोकने की जरूरत है। प्रत्येक मामले में गुण दोष के आधार पर एक्ट में अदालतों के विवेकाधिकार को बढ़ाने की अनुशंसा की गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, कि सहमति से संबंध बनाने वाले युवक युवती के अतीत को देखे जाने की जरूरत है। उनके संबंध सहमति और स्वेच्छा से बने हैं, या नहीं। लॉ कमीशन आयोग ने यह भी सिफारिश की है, कि अवयस्क के बीच में बनने वाले संबंधों के बीच में कम से कम 3 साल का अंतर होना आवश्यक है। यदि इससे अधिक उम्र का फैसला है, तो उसे अपराध की श्रेणी में माना जाना चाहिए। आयोग ने जो अनुशंसा की है उसमें यौन संबंधों को अपराध नहीं मानने के अपराधों के बारे में भी अनुशंसा की गई है (अपवाद मानते समय यह देखा जाना चाहिए, कि सहमति देते समय भय और प्रलोभन तो नहीं था। संबंध बनाने के लिए नशीले पदार्थ का उपयोग तो नहीं किया गया। सहमति देह व्यापार से संबंधित तो नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने भी संसद से पास्को एक्ट में जो प्रावधान किए गए हैं। उनके बारे में समीक्षा करने के आदेश दिए थे। कई मामलों में यह शिकायत मिलती है, कि कई वर्षों तक यौन संबंध बनाने के बाद जब विवाद की स्थिति आती है। तब पॉस्को एक्ट में मामले दर्ज कराए जाते हैं। लॉ कमीशन की रिपोर्ट मिलने के बाद अब सरकार को निर्णय लेना है, कि वह इस मामले में क्या करती है।

हत्या व रेप मामले में 40 साल बाद दोषी ठहराने वाले को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। हत्या व रेप के मामले में 40 साल बाद दोषी ठहराए गए 75 वर्षीय शख्स को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है। मिली जानकारी के अनुसार 1983 में हुई वारदात के मामले में शख्स को 40 साल बाद दोषी ठहराया गया था। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने मुकदमे के निपटारे में देरी को ध्यान में रखते हुए बुजुर्ग शख्स को जमानत दे दी। यह घटना वर्ष 1983 की है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि अपनी उम्र को देखते हुए शख्स जमानत बढ़ाए जाने का हकदार है, जब तक कि उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित अपील का अंतिम निपटारा न हो जाए। पीठ ने कहा कि आम तौर पर, शीर्ष अदालत को किसी भी मामले का फैसला करने के लिए समय-सीमा तय करने के लिए उच्च न्यायालय को निर्देश जारी नहीं करना चाहिए, लेकिन मुकदमे में 40 साल की देरी को देखते हुए, उसने उच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह इस मामले को बारी से पहले प्राथमिकता दे। अपील का निपटान कानून के अनुसार किया जाए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि अपीलकर्ता को किसी भी अनावश्यक स्थगन की मांग नहीं करनी चाहिए और अपील के शीघ्र निपटान के लिए उच्च न्यायालय के साथ सहयोग करना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता की ओर से डिफ़ॉल्ट के कारण अपील की सुनवाई में देरी होती है, तो प्रतिवादी (पुलिस) के लिए जमानत रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय में आवेदन करने का विकल्प खुला होगा। अपीलकर्ता को 40 साल बाद इस साल अप्रैल में दोषी ठहराया गया था।

बालाघाट पुलिस ने मुठभेड़ में नक्सली को मार गिराया

बालाघाट। मध्य प्रदेश के सबसे अधिक नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में एक बार फिर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त होने की जानकारी मिल रही है। सोनगुड्डा चौकी अंतर्गत ग्राम कोदापार में बीती रात नक्सली और एसओजी बिरसा की मुठभेड़ हुई जिसमें एक नक्सली कमलू को मार गिराया जो की छत्तीसगढ़ का रहने वाला था। कमलू के विषय में मिली जानकारी के अनुसार कमलू दक्षिण बस्तर बीजापुर का रहने वाला है, जिसकी उम्र महज 19 साल की है और उसके पास से एक इंसास राइफल भी जप्त की गई है जिससे वह पुलिस पर फायर कर रहा था जानकारी के अनुसार 28 सितंबर की रात को यह घटना हुई जब पुलिस पार्टी पर नक्सलियों ने अचानक गोलीबारी कर दी इस दौरान पुलिस ने बचाव के लिए गोलीबारी शुरू की घटना में एक नक्सली कमलू जो की बॉडीगार्ड बताया जा रहा है एक बड़े नक्सली का बॉडीगार्ड था। पुलिस ने मार गिराया जिसके पास से एक इंसास राइफल भी जप्त की गई है।

गुरुग्राम में नवंबर से पटाखों पर पाबंदी, दिवाली पर केवल हरित पटाखों की अनुमति

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिला प्रशासन ने प्रदूषण के मद्देनजर पटाखों के भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। जिलाधिकारी सह उपायुक्त निशांत कुमार यादव की ओर से जारी आदेश में ई-वाणिज्य कंपनियों जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट को भी पटाखों के वास्ते ऑनलाइन आर्डर लेने से रोक दिया गया है। ये आदेश गुरुग्राम जिले में एक नवंबर, 2023 को प्रभाव में आ जायेंगे तथा 31 जनवरी, 2024 तक प्रभाव में रहेंगे। आदेश में कहा गया है, '' उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार बस हरित पटाखे, जो कम प्रदूषण करते हैं, ही गुरुग्राम जिले में लाइसेंसधारक व्यापारियों द्वारा बेचे जा सकते हैं। अन्य पटाखों के उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गयी है क्योंकि ये बहुत अधिक वायु एवं ध्वनि प्रदूषण करते हैं एवं दोस अपशिष्ट की समस्या भी खड़ी करते हैं।'' आदेश में कहा गया है, '' हरित पटाखे भी दिवाली के त्योहार पर रात आठ बजे से 10 बजे तक तथा क्रिसमस एवं नये साल पर रात 11 बजकर 55 मिनट से साढ़े बारह बजे तक चलाने की अनुमति होगी।

बीजेपी सांसद ने लगाए थे गंभीर आरोप, इस्कॉन ने मेनका गांधी को भेजा 100 करोड़ का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली। इस्कॉन ने बीजेपी सांसद मेनका गांधी को उनके हालिया कसाइयों को गाय बेचने वाले विवादास्पद बयान के लिए 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने कहा कि इस्कॉन पूर्व केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कानूनी तौर पर मामले को अंत तक आगे बढ़ाएगा। मेनका गांधी की टिप्पणियां दुर्भाग्यपूर्ण थीं और दुनिया भर में इस्कॉन भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची। एक सांसद बिना किसी सबूत के इस्कॉन के बारे में कैसे झूठ बोल सकती है? उन्होंने कहा कि वह अनंतपुर गौशाला गई थीं, लेकिन वहां के लोगों को याद नहीं है कि मेनका गांधी वहां गई थीं। इसलिए घर पर बैठकर वह ये बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी का एक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था जिसमें बीजेपी सांसद ने इस्कॉन (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस) को देश का सबसे बड़ा धोखेबाज बताया था। वे गौशालाएं स्थापित करते हैं और इन गौशालाओं को चलाने के लिए सरकार से लाभ प्राप्त करते हैं। इसके लिए उन्हें बड़ी जमीन मिलती है। मैंने उनकी अनंतपुर गौशाला का दौरा किया। वहां एक भी सूखी गाय मौजूद नहीं थी। सभी डेयरियां थीं। वहां कोई बछड़ा भी नहीं था, जिसका मतलब है कि सभी गायें बेच दिए गए।

उज्जैन में दरिंदगी का शिकार हुई बच्ची की मदद के लिए आगे आए इंस्पेक्टर, कहा गोद लूंगा

उज्जैन। मध्य प्रदेश में महाकाल की नगरी उज्जैन में नाबालिग बच्ची के साथ हुई दरिंदगी का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। बच्ची के साथ हुई विभत्स घटना से पूरा देश आहत है। इस घटना के प्रकाश में आने के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल उठाए गए हैं। इसी बीच उज्जैन पुलिस का एक ऐसा चेहरा सामने आया है जो इंसानियत की मिसाल बन रहा है। गौरतलब है कि अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हुई बच्ची को दो पुलिसकर्मियों ने ब्लड डोनेट किया था। वही इस मामले को सुलझाने वाले इंस्पेक्टर अजय वर्मा ने इंसानियत की नई मिसाल पेश की है। इंस्पेक्टर अजय वर्मा ने बताया है कि वो पीड़ित बच्ची को गोद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि बच्ची का जब इलाज चल रहा था तब उन्होंने उसकी चीखें सुनी थी। बच्चों की ऐसी अवस्था को देखकर उनकी आंखें भर आई थी।

पीओके पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह का बड़ा बयान, बोले- एक दिन खुद-ब-खुद भारत में हो जाएगा शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश 2024 चुनाव की दहलीज पर खड़ा है। चुनाव में कई मुद्दे रहने वाले हैं। इसमें एक मुद्दा पाक अधिकृत कश्मीर का भी रहने वाला है। इन सबके बीच केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने पीओके को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जिस तरीके से वर्तमान में पाकिस्तान का माहौल है, उसको देखते हुए ऐसा ही लगता है कि एक दिन पाक अधिकृत कश्मीर खुद हमारे पास वापस आ जाएगा। दरअसल, वे लगातार पाकिस्तान में चल रही समस्याओं की ओर इशारा करना चाह रहे थे जिसमें महंगाई, बिजली की बढ़ी हुई दर आदि शामिल है। वीके सिंह ने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने नरेंद्र मोदी से हाल में ही सहायता की गुहार भी लगाई थी।

क्षन्य पर केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा कि जिस तरह से पाकिस्तान में चीजें चल रही हैं, जिस तरह से पाकिस्तान में विभिन्न ताकतें अपने ही लोगों के खिलाफ खड़ी हो गई हैं... बहुत बड़ा मंथन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का अहसास है कि यह क्षेत्र, जो कि पाकिस्तान द्वारा बल प्रयोग और फिर संयुक्त राष्ट्र की भागीदारी के कारण अर्ध-स्थायी हो गया, अपने आप हमारे पास वापस आ जाएगा। इससे पहले वीके सिंह ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर में विकास की गतिविधियां तेज होने से आतंकवादियों की तादाद में पहले से काफी कमी आई है, लेकिन छिटपुट आतंकी घटनाएं रोकने में अभी समय लगेगा क्योंकि पड़ोसी देश पाकिस्तान के दिमाग में भारत के अंदरूनी मामलों में छेड़-छाड़ की फितरत कायम है।

उन्होंने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में बुनियादी ढांचे, उद्योगों और पर्यटन का तेज गति से विकास हो रहा है। अगर आम कश्मीरी नागरिक से पूछा जाएगा, तो वह आपको बताएगा कि वह इस विकास से बहुत खुश है।'' अनंतनाग में आतंकियों से मुठभेड़ में सुरक्षा बलों के तीन अधिकारियों के शहीद होने के अगले दिन थल सेना के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''(जम्मू-कश्मीर में) छिटपुट आतंकी घटनाएं होती रहेंगी। इन्हें रोकने में समय लगेगा क्योंकि एक देश (पाकिस्तान) ऐसा है जो भले ही दिवालिया हो गया है लेकिन उसके दिमाग से भारत के अंदरूनी मामलों से छेड़छाड़ की फितरत नहीं गई है।

ठाकुर विवाद : मनोज झा का इरादा समुदाय विशेष का अपमान नहीं : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने 'ठाकुरों' का अपमान करने के आरोपों का सामना कर रहे अपनी पार्टी के राज्यसभा सदस्य मनोज झा का गुरुवार को समर्थन करते हुए कहा कि उनका इरादा किसी समुदाय का अपमान करने का नहीं था। दरअसल, पार्टी प्रवक्ता झा ने राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा करते हुए प्रसिद्ध दलित लेखक ओम प्रकाश वाल्मिकी द्वारा लिखित एक कविता ''ठाकुर का कुआं' का पाठ किया था।

इसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झा पर 'ठाकुरों' का अपनाम करने का आरोप लगाया है। राजद विधायक चेतन आनंद ने भी झा की आलोचना की थी। लालू ने झा की सार्वजनिक तौर पर आलोचना करने के लिए अपनी पार्टी के विधायक चेतन आनंद को भी आड़े हाथों लिया। राजद सुप्रीमो ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'मनोज झा एक विद्वान व्यक्ति हैं। उन्होंने जो कहा है वह बिल्कुल सही है। उनका इरादा राजपूतों/ठाकुरों या किसी अन्य समुदाय का अपमान करने का नहीं था।' पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, 'जो लोग मनोज झा के बयान पर शोर मचा रहे हैं, वे अपनी जाति के सदस्यों का समर्थन जुटाने की कोशिश में ऐसा कर रहे हैं। उन्हें ऐसा करने से बचना चाहिए।'

इंडिया गठबंधन में मतभेद पर बोले शरद पवार, सावधानी बरतना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया ब्लॉक यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में उसके गठबंधन सहयोगियों के बीच कोई विवाद न हो, जहां कुछ महीनों में चुनाव होने हैं। वह महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बात कर रहे थे। पवार ने मराठा आरक्षण और प्याज पर निर्यात शुल्क जैसे मुद्दों पर भी बात की। अगले साल के आम चुनाव में भाजपा से मुकाबला करने के लिए दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों ने भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (INDIA) का गठन किया है। पश्चिम बंगाल में स्पष्ट टकराव के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, क्योंकि कांग्रेस ने कुछ सीटों पर दावा किया है, अनुभवी राजनेता ने कहा कि तत्काल भविष्य में वहां कोई चुनाव नहीं है।

शरद पवार ने कहा कि जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो (इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के बीच) मतभेद की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालाँकि, हम गठबंधन से तटस्थ नेताओं को भेजकर मुद्दों को सुलझा लेंगे। पवार ने जोर देकर कहा कि कुछ महीनों में चार से पांच राज्यों में चुनाव होने हैं और यह उनके लिए अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक यह देखेगा कि राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सभी गठबंधन सहयोगी एक मेज पर कैसे आते हैं। मुंबई लौटने के बाद, मैं कांग्रेस और अन्य पार्टी नेताओं के साथ चर्चा करूंगा और हम यह सुनिश्चित करने के लिए सावधानी बरतेंगे कि गठबंधन सहयोगियों के बीच (इन राज्यों में) कोई विवाद न हो।

राकांपा प्रमुख ने कहा, यह प्रक्रिया अगले आठ से दस दिनों में शुरू होगी। कुछ ही महीनों में छत्तीसगढ़, मिजोरम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। मराठा आरक्षण के बारे में पूछे जाने पर, जो इस समय सुर्खियों में है, राकांपा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने समाचार रिपोर्टों में पढ़ा है कि राज्य में एकनाथ शिंदे सरकार ने इस मुद्दे का समाधान करने का वादा किया है। पवार ने कहा, यह देखना होगा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में क्या निर्णय लेती है। प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यह किसानों के साथ अन्याय है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला आरक्षण विधेयक को दी मंजूरी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में बना कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा महिला आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने के बाद नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में कानून बन गया। राष्ट्रपति मुर्मू की सहमति मिलने के बाद भारत सरकार ने शुक्रवार को महिला आरक्षण विधेयक के लिए एक गजट अधिसूचना जारी की। अब इसके अधिनियम बन जाने से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33त्र सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि आरक्षण नई जनगणना और परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा।

संसद के एक विशेष सत्र में, महिला आरक्षण विधेयक को इस महीने लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया, जिससे यह भारतीय संसद द्वारा एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गई क्योंकि इसने 19 सितंबर को अपना संचालन नए संसद भवन में स्थानांतरित कर दिया। केवल एआईएमआईएम ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इससे केवल सवर्ण महिलाओं का उत्थान होगा क्योंकि मुस्लिम महिला प्रतिनिधियों के लिए कोई आरक्षण नहीं है। कांग्रेस ने भी ओबीसी आरक्षण की मांग की और संसद में इसके पारित होने और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद भी इसे लागू होने में लगने वाले लंबे समय पर सवाल उठाया।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में यूपी की ऊंची छलांग, कई श्रेणियों में देश में नंबर वन

लखनऊ। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) को बेहतर ढंग से धरातल पर उतारने में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों का असर दिखने लगा है। प्रदेश ना सिर्फ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट निर्मित करने में देश में नंबर एक स्थान पर है, बल्कि हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स के रजिस्ट्रेशन, डिजिटल हेल्थ इन्सेंटिव स्कीम और स्कैन एंड शेयर टोकन जनरेट करने में भी उत्तर प्रदेश पूरे देश में नंबर वन पोजिशन पर पहुंच गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं समय समय पर प्रदेश एबीडीएम को लेकर किये जा रहे कार्यों की ना सिर्फ समीक्षा करते हैं बल्कि अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी जारी करते हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश 4,77,19,482 आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) जनरेट करके पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। जबकि आंध्र प्रदेश दूसरे, मध्य प्रदेश तीसरे, महाराष्ट्र चौथे और गुजरात पांचवें, पश्चिम बंगाल छठे, कर्नाटक सातवें और ओडिशा आठवें स्थान पर है। वहीं इन 4.77 करोड़ अकाउंट्स के अंतर्गत 2.73 करोड़ से ज्यादा लोगों के हेल्थ रिकॉर्ड को भी अपडेट किया जा चुका है। इस मामले में भी यूपी देश के टॉप थ्री राज्यों में है। मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ और गुजरात इस मामले में उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं।

केंद्र का 'सौतेला' व्यवहार राज्य को पहुंचा रहा नुकसान, केरल के वित्त मंत्री का बड़ा आरोप

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। राज्य के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल के अनुसार, विकास चरण से गुजरते हुए केरल बुनियादी ढांचे, औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में बहुत अच्छे विकास के लिए तैयार है, जो रोजगार के अधिक अवसर पैदा करेगा। राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य पर चिंताओं के बीच उन्होंने कहा कि राजस्व सृजन पिछले वित्त वर्ष में 71,000 करोड़ रुपये तक बड़ी छलांग लगा है, लेकिन केंद्र सरकार के सौतेले व्यवहार के कारण तरलता की कमी हो गई है। एक साक्षात्कार में बालगोपाल ने हालिया फिच रेटिंग्स सहित विभिन्न एजेंसियों की रिपोर्टों का हवाला देते हुए पुष्टि राज्य अब बहुत अच्छे आर्थिक विकास के दौर से गुजर रहा है।

हाल के महीनों में वाम शासित केरल राजकोषीय मोर्चे पर भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के कदमों के खिलाफ आवाज उठा रहा है, जिसमें जीएसटी फंड जारी करने में कथित देरी और धन जुटाने के मामले में राज्य पर अंकुश शामिल है। बेहतर राजस्व सृजन के लिए वित्त विभाग द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने कहा कि कुशल कर प्रशासन के माध्यम से, 2021 में सत्ता में आई दूसरी पिनाराई विजयन सरकार ने राज्य के स्वामित्व वाले कर राजस्व (एसओटीआर) में एक बड़ी छलांग लगाई है और दावा किया कि यह केरल की आर्थिक वृद्धि का संकेत है।

राज्य सीपीआई (एम) के एक वरिष्ठ नेता बालगोपाल ने केंद्र की भाजपा नीत सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह केरल को विभिन्न संसाधनों से उसके वैध शेयरों से वंचित कर रही है, जिससे गंभीर तरलता संकट पैदा हो रहा है।

लालू की पार्टी आरजेडी ने कहा प्रधानमंत्री बनें नीतीश केजरीवाल ने दे दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन का चेहरा कौन होगा? इस बात पर जहां गठबंधन के नेता खुद चुप्पी साध लेते हैं तो वहीं बिहार में राजद और जदयू उन्हें प्रधानमंत्री मैटेरियल बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. इस बीच अरविंद केजरीवाल ने साफ कर दिया है कि फिलहाल व्यक्ति विशेष की बात नहीं करनी चाहिए.

लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों ने गठबंधन तो बना लिया है लेकिन चेहरा फाइनल नहीं किया है. इंडिया गठबंधन का नेता कौन होगा? इस सवाल पर खुद गठबंधन के नेता भी चुप्पी साध लेते हैं. एक तरफ जेदयू के बाद राजद के कुछ नेता भी नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने का ख्वाब देख रहे हैं, तो दूसरी तरफ गठबंधन के ही नेता इसका विरोध कर रहे हैं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने साफ शब्दों में तो नहीं कहा लेकिन वह किसी 'व्यक्ति विशेष' की बात करने के खिलाफ हैं.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी भी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है. वह नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री बनाने के बिल्कुल खिलाफ हैं. कहते हैं कि, 'हमें देश में ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिसमें सभी 140 करोड़ लोग प्रधानमंत्री हों. हमें किसी व्यक्ति विशेष की बात नहीं करनी चाहिए.' सीट शेयरिंग फॉर्मूले के बारे में पूछे जाने पर सीएम केजरीवाल ने कहा कि समय दीजिए, यह भी हो जाएगा.

जेडीयू के नेता चाहते हैं नीतीश ही बनें पीएम

बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार को पीएम मैटेरियल घोषित करते रहे हैं. जदयू के कई नेता यह कहते रहे हैं कि नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं. राष्ट्रीय जनता दल की तरफ से आमतौर पर गाहे-बगाहे इसका विरोध होता रहा है. हालांकि, अब खुद राजद के नेता भी नीतीश को प्रधानमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं.

राजद नेताओं की नजर बिहार की कुर्सी पर

राजद को लगता है कि नीतीश कुमार अगर केंद्र की राजनीति करेंगे तो शायद बिहार की कुर्सी उनके नेता को मिल जाएगी. राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने इस बार मोर्चा संभाला है. भाई वीरेंद्र कह रहे हैं नीतीश कुमार में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं और इस बार प्रधानमंत्री बिहार का ही होना चाहिए. इतना ही नहीं पटना के फुलवारीशरीफ में राजद नेताओं ने मजार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चादरपोशी के दौरान अल्पसंख्यक समाज के लोगों ने मजार पर प्रधानमंत्री बनने की दुआ मांगी.

चीनी वैज्ञानिक का बेतुका दावा, चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरा

-दुनिया के कई वैज्ञानिक इस दावे को कर रहे खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के शीर्ष वैज्ञानिक ने भारत के चंद्रयान-3 को लेकर विवादित बयान दिया है। चीनी वैज्ञानिक का दावा है कि चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरा। यह चौंकाने वाला दावा उस समय में आया है, जब भारतीय वैज्ञानिक विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर को दो सप्ताह की ठंडी चंद्र रात के बाद हाइबरनेशन से पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दुनिया के दूसरे वैज्ञानिकों ने भारत के चंद्रयान-3 के दक्षिणी ध्रुव पर ही उतरने को सही बताकर चीन के दावे को खारिज कर दिया है।

चीनी कॉस्मोकेमिस्ट ओयांग जियुआन द्वारा की गई थी। जो चीन के पहले मून मिशन के प्रमुख वैज्ञानिक थे। उन्होंने दावा किया कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर या उसके पास नहीं उतरा। ओयांग ने बताया, 'चंद्रयान-3 का लैंडिंग स्थल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं था, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के ध्रुवीय क्षेत्र में नहीं था और न ही यह 'अंटार्कटिक ध्रुवीय क्षेत्र के पास' था। उनका तर्क चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के बारे में अलग-अलग धारणाओं से उपजा है।

दक्षिणी ध्रुव को 66.5 और 90 डिग्री दक्षिण के बीच कहीं भी परिभाषित किया गया है, क्योंकि इसकी घूर्णी धुरी सूर्य के सापेक्ष लगभग 23.5 डिग्री पर झुकी हुई है। ओयांग का तर्क है कि चूंकि चंद्रमा का झुकाव केवल 1.5 डिग्री था, इसकारण ध्रुवीय क्षेत्र बहुत छोटा था। नासा चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को 80 से 90 डिग्री मानता है, जबकि ओयांग ने कहा कि वह इस केवल 88.5 से 90 डिग्री पर और भी छोटा मानता है, जो चंद्रमा के 1.5 डिग्री झुकाव को दर्शाता है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की भारत की सफल लैंडिंग पर किसी ने भी कभी सवाल नहीं उठाया है या विवाद नहीं किया है। दरअसल, नासा और यूरोपियन स्पेस एजेंसी ने चांद के सुदूर हिस्से के पास सॉफ्ट लैंडिंग के लिए इसरो के वैज्ञानिकों की सराहना की है। यहां तक कि भारत भी पहले दिन से ही स्पष्ट है कि चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान लगभग 70 डिग्री अक्षांश के आसपास उतरेगा, जो दक्षिणी ध्रुव के पास है। हांगकांग विश्वविद्यालय के अंतरिक्ष अनुसंधान प्रयोगशाला के एक वैज्ञानिक ने ओयांग के दावों को खारिज कर दिया है।

एलन मस्क की टेस्ला पर नस्लीय भेदभाव का मुकदमा दर्ज

सैन फ्रांसिस्को ।एलन मस्क की कंपनी टेस्ला पर नस्लीय भेदभाव का मुकदमा दर्ज हुआ है। जानकारी के अनुसार अमेरिकी समान रोजगार अवसर आयोग (ईईओसी) ने कथित तौर पर अपने अश्वेत कर्मचारियों का नस्लीय उत्पीड़न करने पर मुकदमा दायर किया है। ईईओसी के मुकदमे के अनुसार 2015 से अब तक टेस्ला के फ़्रेमोंट व कैलिफ़ोर्निया विनिर्माण सुविधाओं में अश्वेत कर्मचारियों को नियमित रूप से नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। उनके खिलाफ अपशब्दों का खुले तौर पर उपयोग किया गया। ईईओसी ने कहा कि अश्वेत कर्मचारियों को नियमित रूप से डेस्क, बाथरूम, लिफ्ट के भीतर आदि स्थानों पर अपशब्दों का सामना करना पड़ा है। ईईओसी की जांच में यह भी पाया गया कि जिन लोगों ने नस्लीय

शत्रुता पर आपत्ति जताई, उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रतिशोध का सामना करना पड़ा, जिसमें बर्खास्तगी, नौकरी के कर्तव्यों में बदलाव, स्थानांतरण और अन्य प्रतिकूल रोजगार कार्रवाइयां शामिल हैं। ईईओसी अध्यक्ष चार्लोट ए बरोज़ ने कहा ?कि प्रत्येक कर्मचारी अपने नागरिक अधिकारों का सम्मान पाने का हकदार है, और किसी भी कर्मचारी को हमारी जांच में सामने आई शर्मनाक नस्लीय कट्टरता को सहन नहीं करना चाहिए।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के हत्यारे पर रखा पांच मिलियन डॉलर का इनाम

वाशिंगटन । अमेरिका ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो के हत्यारे पर पांच लाख डॉलर का इनाम रखा है। अमेरिका के विदेश मंत्री ने इस घटना को अंजाम देने वाले मास्टरमाइंड की जानकारी देने वाले को 5 मिलियन डॉलर का इनाम देने की घोषणा की। ब्लिंकन के हवाले से कहा गया, कि आज, मैं इक्वाडोर के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार फर्नांडो विलाविसेंशियो की हत्या के पीछे के सह-षड्यंत्रकारियों और मास्टरमाइंडों की जानकारी देने के लिए 5 मिलियन डॉलर तक के इनाम की घोषणा कर रहा हूं। यह जानकारी विदेश विभाग द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में दी गई है। राज्य सचिव ने विलाविसेंशियो की हत्या के लिए जिम्मेदार ट्रांसनेशनल संगठित अपराध समूह में प्रमुख नेतृत्व की स्थिति रखने वाले किसी भी व्यक्ति की पहचान या स्थान के बारे में जानकारी देने के लिए एक मिलियन डॉलर तक के दूसरे इनाम की पेशकश की भी घोषणा की। 2023 के चुनावों में मोविमिएंटो कॉन्स्ट्रुये पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विलाविसेंशियो पर उस समय हमला किया गया, जब वह 9 अगस्त को राजधानी क्विटो में एक कार्यक्रम से जा रहे थे। हालांकि इक्वाडोर की राष्ट्रीय पुलिस ने हत्या की साजिश के तहत छह कोलंबियाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे एक संगठित अपराध समूह का हिस्सा हैं। ब्लिंकन के हवाले से कहा गया कि एफबीआई जांच व हत्या में शामिल अन्य लोगों की पहचान करना जारी रखेगी। अमेरिका इक्वाडोर के लोगों का समर्थन करना जारी रखेगा और उन व्यक्तियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए काम करेगा, जो अपराध के माध्यम से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करना चाहते हैं।

दुनिया को अब मिला 375 वर्षों से गायब 8वां महाद्वीप

लंदन । दुनिया को अब आठवां महाद्वीप भी मिल गया है। लंबी खोज के बाद इसे वैज्ञानिकों ने जीलैंडिया नाम दिया है। गौरतलब है कि अब तक हम दुनिया के 7 महाद्वीपों के बारे में जानते थे, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब 8वां महाद्वीप भी खोज निकाला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह 375 वर्षों से लुप्त था। इस महाद्वीप का नाम जीलैंडिया रखा गया है। यहां इंसानों का जाना मुश्किल है, क्योंकि नया महाद्वीप 94 प्रतिशत पानी के भीतर है। इसमें न्यूजीलैंड के समान ही कुछ मुट्ठी भर द्वीप हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जीलैंडिया 1.89 मिलियन वर्ग मील (4.9 मिलियन वर्ग किमी) का एक विशाल महाद्वीप है, यह मेडागास्कर से लगभग छह गुना बड़ा है। वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि वास्तव में 8 महाद्वीप हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि जीलैंडिया का अध्ययन करना हमेशा से कठिन रहा है। वैज्ञानिक अब समुद्र तल से लाए गए चट्टानों और तलछट के नमूनों के संग्रह का अध्ययन कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश ड्रिलिंग स्थलों से आए हैं। यहां की सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि जीलैंडिया ऑस्ट्रेलिया के आकार का है। लगभग 23 मिलियन साल पहले, जीलैंडिया का भूभाग पूरी तरह से जलमग्न हो गया होगा। आज, अधिकांश भूभाग (94 प्रतिशत) प्रशांत महासागर के नीचे डूबा हुआ है। ?रिपोर्ट के अनुसार चट्टान के नमूनों के अध्ययन से पश्चिम अंटार्कटिका में भूगर्भीय पैटर्न का पता चला है। न्यूजीलैंड, जीलैंडिया का सबसे बड़ा हिस्सा है जो समुद्र तल से ऊपर है, इसके बाद न्यू कैलेडोनिया है। कहा जाता है कि इसकी खोज सबसे पहले 1642 में डच व्यापारी और नाविक एबेल तस्मान ने की थी। हालांकि 2017 में वैज्ञानिकों ने इसके अस्तित्व की पुष्टि कर दी थी।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मस्जिद के पास आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया, 60 से ज्यादा मरे, सैंकड़ों लोग घायल

इस्लामाबाद ।ईद-मिलाद उन नबी के मौके पर पाकिस्तान बम धमाकों से दहल उठा। बम धमाकों में बड़ी संख्या में लोग मारे गये और सैंकड़ों घायल हो गये। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक मस्जिद के समीप शुक्रवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। दरअसल पैगम्बर मोहम्मद का जन्मदिन 'ईद ए मिलाद उन नबी' मनाने के लिए मस्जिद के बाहर एक रैली के वास्ते भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए थे और उसी दौरान यह विस्फोट हुआ। इसके कुछ घंटों बाद खैबर पख्तूनख्वा के हांगू शहर में एक अन्य मस्जिद में भी विस्फोट में दर्जनों लोग मारे गये और कुछ घायल हो गये। बताया जा रहा है कि विस्फोट के बाद हर जगह शव ही शव बिखरे हुए थे और घायलों को अस्पतालों में ले जाते वक्त काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि पहला विस्फोट बलूचिस्तान में मस्तुंग जिले के अल फलाह रोड पर मदीना मस्जिद के समीप हुआ। बताया जा रहा है कि इस आत्मघाती विस्फोट में मारे गए लोगों में रैली के दौरान ड्यूटी पर तैनात मस्तुंग के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नवाज गश्कोरी भी शामिल हैं। मस्जिद के समीप विस्फोट उस वक्त हुआ जब लोग ईद-मिलाद उन नबी के मौके पर इकट्ठा हुए थे। हांगू शहर पुलिस थाने के प्रभारी मोहम्मद जावेद लहरी ने बताया कि यह एक ''आत्मघाती विस्फोट'' था और हमलावर ने पुलिस अधिकारी की गाड़ी के बगल में खुद को बम से उड़ा लिया। यह विस्फोट ऐसे वक्त में किया गया है जब एक दिन पहले आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) ने मस्तुंग जिले में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक अहम कमांडर को मार गिराया था। मोहम्मद जावेद लहरी ने बताया कि घायलों को चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया जा रहा है जबकि अस्पतालों में आपात स्थिति लागू कर दी गयी है। मस्तुंग के जिला स्वास्थ्य अधिकारी राशिद मुहम्मद सईद ने बताया कि विस्फोट में 60 लोगों की मौत हो गयी तथा 50 से अधिक लोग घायल हो गए। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने चिंता जतायी कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

अमेरिका : राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी कृत्रिम मेधा सुरक्षा केंद्र शुरू कर रही है

वाशिंगटन । राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी कृत्रिम मेधा (एआई) सुरक्षा केंद्र शुरू करने जा रही है। अमेरिकी रक्षा एवं खुफिया प्रणालियों में एआई क्षमताओं को तेजी से हासिल, विकसित और एकीकृत किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के निवर्तमान निदेशक ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सेना के जनरल पॉल नाकासोन ने कहा कि एआई सुरक्षा केंद्र को एनएसए के साइबर सुरक्षा सहयोग केंद्र में शामिल किया जाएगा, जहां यह चीन और रूस के खतरों के खिलाफ अमेरिकी रक्षा-औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए निजी उद्योग और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम करता है। नाकासोन ने नेशनल प्रेस क्लब में विशेष रूप से बीजिंग से खतरे पर जोर देते हुए कहा, ''हम आज अमेरिका में एआई में बढ़त बनाए हुए हैं। उस एआई लाभ को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका ने रूस या चीन को 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश करने के लिए डीपफेक जैसी जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते पाया है, इस पर नाकासोन ने कहा, ''हमने अब तक ऐसा नहीं देखा है।''

विश्व कप को बना देंगे टेरर कप,

अब खालिस्तानी पन्नू ने दी आतंकी हमले की धमकी

ओटावा (एजेंसी)। निर्धारित भारत-पाकिस्तान आईसीसी विश्व कप 2023 मैच से पहले धमकी जारी करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में कनाडा स्थित नामित व्यक्तिगत आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने अहमदाबाद के साइबर क्राइम डीसीपी अजीत राजियन के हवाले से कहा कि यह घटनाक्रम विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए धमकी भरे संदेशों को भेजे जाने के बाद आया है। कुछ स्थानीय लोगों ने भी कई धमकी भरे कॉल आने की शिकायत करते हुए अहमदाबाद पुलिस से संपर्क किया था। विवरण के अनुसार, अपने पहले से रिकॉर्ड किए गए धमकी भरे संदेश में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नून ने कहा कि यह विश्व कप क्रिकेट की शुरुआत नहीं बल्कि विश्व आतंक कप की शुरुआत होगी।

संदेश में आगे कहा गया कि हम शहीद निजर की हत्या का बदला लेने जा रहे हैं। पन्नून 2019 से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के रडार पर है, जब आतंकवाद विरोधी संघीय एजेंसी ने आतंकवादी के खिलाफ अपना

पहला मामला दर्ज किया था। जो आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों को बढ़ावा देने और संचालित करने और भय फैलाने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। अपनी धमकियों और डराने-धमकाने की रणनीति के माध्यम से पंजाब और देश में अन्य जगहों पर आतंक फैलाया। 3 फरवरी, 2021 को विशेष एनआईए अदालत द्वारा पन्नू के खिलाफ गिरफ्तारी के गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे और उन्हें पिछले साल 29 नवंबर को घोषित अपराधी (पीओ) घोषित किया गया था। हाल के दिनों में, पन्नुन सार्वजनिक मंचों पर वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों और सरकारी पदाधिकारियों को ज़बरदस्त धमकियाँ जारी करने के लिए चर्चा में रहा है।

लाहौर में मनाई गई भगत सिंह की 116वीं जयंती, श्रद्धांजलि की अर्पित

एक गैर-लाभकारी फाउंडेशन द्वारा बृहस्पतिवार को यहां भगत सिंह की 116वीं जयंती मनाई गई और विभाजन-पूर्व के दौर के क्रांतिकारी को पाकिस्तान का सर्वोच्च वीरता पुरस्कार दिए जाने की मांग की गई। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन ने लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के परिसर में स्वतंत्रता सेनानी की जयंती मनाई और अदालत के उद्यान में इस मौके पर केक भी काटा गया। समारोह में फाउंडेशन के सदस्यों और अन्य वकीलों ने भाग लिया। इस अवसर पर भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के पाकिस्तान प्रमुख, एडवोकेट इम्तियाज राशिद कुरेशी ने स्वतंत्रता संग्राम के नायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भगत सिंह को 1931 में अंग्रेजों द्वारा उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई थी। फाउंडेशन ने सिंह के लिए देश के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार की मांग की। इसमें तीन स्वतंत्रता सेनानियों की न्यायिक हत्या के लिए ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय से माफी और उनके परिवारों को मुआवजा देने की भी मांग की गई। इसने पाकिस्तानी सरकार से लाहौर के शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने की भी मांग की, क्योंकि तीनों को वहीं फांसी दी गई थी। फाउंडेशन ने कहा कि तीनों क्रांतिकारियों और उनकी वीरता के कृत्य को भी स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। भगत सिंह को 1931 में 23 साल की उम्र में अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी।

भारत से कनाडा रखना चाहता है घनिष्ठ संबंध: जस्टिन ट्रूडो

-ट्रूडो की अकड पडी ढीली, बोले- प्रभावशाली देश है भारत

मॉन्ट्रियल (एजेंसी)। खालीस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से चल रही तनातनी के बीच कनाडा के राष्ट्रपति जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा अभी भी भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। दुनिया भर में भारत के बढ़ते असर की ओर इशारा करते हुए ट्रूडो ने कहा कि यह 'बेहद महत्वपूर्ण' है कि कनाडा और उसके सहयोगी भारत के साथ जुड़े रहें। कल मॉन्ट्रियल में एक प्रेस कांफ्रेंस में ट्रूडो ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह बेहद जरूरी है कि कनाडा और उसके सहयोगी विश्व मंच पर भारत के बढ़ते महत्व को देखते हुए उसके साथ रचनात्मक और गंभीरता से जुड़े रहें।

जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 'भारत एक बढ़ती आर्थिक शक्ति और महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक खिलाड़ी है। जैसा कि हमने पिछले साल अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति पेश की थी, हम भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने को लेकर बहुत गंभीर हैं। इसके साथ ही जाहिर तौर पर कानून के शासन वाले देश के रूप में हम इस बात पर जोर देते हैं कि भारत को यह सुनिश्चित करने के लिए कनाडा के साथ काम करने की जरूरत है कि हमें इस मामले के पूरे तथ्य मिलें।'

ट्रूडो ने यह भी कहा कि उन्हें अमेरिका से भरोसा मिला है कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भारतीय

विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ बैठक के दौरान निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका के बारे में सार्वजनिक रूप से लगाए गए आरोपों को उठाएंगे।जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि 'अमेरिका ने भारत सरकार से बात करने में हमारा साथ दिया है। यह जरूरी है कि वे उन विश्वसनीय आरोपों पर कार्रवाई में शामिल हों कि भारत सरकार के एजेंटों ने कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या कर दी।' ट्रूडो ने कहा कि 'यह कुछ ऐसा है जिसे सभी लोकतांत्रिक देशों, कानून के शासन का सम्मान करने वाले सभी देशों को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

हम भारत सरकार के प्रति अपने नजरिये सहित अपने सभी साझेदारों के साथ कानून के शासन में विचारशील, जिम्मेदार तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान उन चिंताओं को सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाया था। भारत के शीर्ष खुफिया और सुरक्षा अधिकारियों को कनाडा की गहरी चिंताओं के बारे में बताया गया था। ट्रूडो ने तब भारत सरकार से इस मामले की तह तक जाने के लिए कनाडा के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

हालांकि भारत ने इन आरोपों को 'बेतुका' और 'प्रेरित' बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया है।गौरतलब है कि कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने 18 सितंबर को कनाडा के हाउस ऑफ कॉमन्स को बताया कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियां भारत सरकार के एजेंटों और निज्जर की हत्या के बीच 'संभावित संबंध के विश्वसनीय आरोपों' को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही हैं।

भारत-कनाडा विवाद पर दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने साधी चुप्पी

-अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से एस.जयशंकर ने की अनेक मुद्दों पर चर्चा

वाशिंगटन (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की है। इस दौरान दोनों ने अनेक मुद्दो पर चर्चा की लेकिन दोनों पक्ष भारत और कनाडा के बीच जारी राजनयिक संकट से प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष असर पर चुप्पी साधे रहे। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इस संकट के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि बताचीत में दोनों नेता भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, अंतरिक्ष और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग जारी रखने पर सहमत हुए। जयशंकर पांच दिन की वाशिंगटन यात्रा पर हैं। हाल में भारत में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली उच्च स्तरीय बातचीत है। विदेश मंत्री ने एस जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्री ब्लिंकन से विदेश मंत्रालय में मुलाकात करके अच्छा लगा। कई मुद्दों पर चर्चा हुई, प्रधानमंत्री की जून में हुई यात्रा पर बनी सहमतियों पर चर्चा की, वैश्विक विकास पर भी विचार-विमर्श हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही होने वाली 'टू प्लस टू' बैठक के संबंध में रूपरेखा तैयार की।

उधर अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि दोनों शीर्ष राजनयिकों ने कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें भारत की जी20 की अध्यक्षता के दौरान सामने आए मुख्य नतीजे, भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे का निर्माण और इसकी पारदर्शी, टिकाऊ एवं उच्च-मानक बुनियादी ढांचा निवेश उत्पन्न करने की क्षमता से जुड़ी बातचीत शामिल है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि भारत 'टू प्लस टू' वार्ता के पांचवें संस्करण की मेजबानी करेगा। हालांकि, उन्होंने इन बैठकों की तारीख के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अनुमान है कि नवंबर की शुरुआत में ये बैठकें आयोजित की जाएंगी। वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन करेंगे। वहीं, भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे।

पुतिन के फेवरेट ट्रोशेव बने वैगनर ग्रुप के नए चीफ

कीव (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शुक्रवार को वैगनर भाड़े के समूह के सबसे वरिष्ठ पूर्व कमांडरों में से एक से मुलाकात करते हुए और यूक्रेन युद्ध में स्वयंसेवक इकाइयों का सर्वोत्तम उपयोग करने के बारे में चर्चा करते हुए दिखाया गया। बैठक में क्रेमलिन के यह दिखाने के प्रयास को रेखांकित किया गया कि राज्य ने अब अपने बॉस येवगेनी प्रिगोझिन द्वारा जून में असफल विद्रोह के बाद भाड़े के समूह पर नियंत्रण हासिल कर लिया है, जो अगस्त में एक विमान दुर्घटना में अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ मारा गया था। पुतिन को राज्य टेलीविजन पर क्रेमलिन में आंद्रेई ट्रोशेव के साथ बैठक करते हुए दिखाया गया था, जो पूर्व वैगनर कमांडर थे।

क्रेमलिन ने कहा कि बैठक देर रात हुई। उप रक्षा मंत्री यूनुस-बेक येवकुरोव, जिन्होंने हाल के महीनों में कई देशों की यात्रा की है, जहां वैगनर के भाड़े के सैनिकों ने काम किया है। ट्रोशेव को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि उन्होंने इस बारे में बात की थी कि कैसे ÷स्वयंसेवी इकाइयाँ विशेष सैन्य अभियान के क्षेत्र में सबसे ऊपर, विभिन्न युद्ध कार्यों को अंजाम दे सकती हैं। पुतिन ने कहा कि आप खुद एक साल से अधिक समय से ऐसी इकाई में लड़ रहे हैं। आप जानते हैं कि यह क्या है, यह कैसे किया जाता है, आप उन मुद्दों के बारे में जानते हैं जिन्हें पहले से हल करने की आवश्यकता है ताकि युद्ध कार्य सर्वोत्तम और सबसे सफल तरीके से हो। पुतिन ने यह भी कहा कि वह लड़ाई में शामिल लोगों के लिए सामाजिक समर्थन के बारे में बात करना चाहते हैं। ट्रोशेव को हाथ में पेंसिल लिए आगे झुककर सिर हिलाते हुए पुतिन की बात सुनते हुए दिखाया गया। उनकी टिप्पणियाँ नहीं दिखायी गयीं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने आरआईए समाचार एजेंसी को बताया कि ट्रोशेव अब रक्षा मंत्रालय में काम करते हैं। 23 जून को प्रिगोझिन के असफल विद्रोह और 23 अगस्त को उनकी मृत्यु के बाद से वैगनर का भाग्य स्पष्ट नहीं है, जिसके बाद पुतिन ने वैगनर सेनानियों को रूसी राज्य के प्रति निष्ठा की शपथ पर हस्ताक्षर करने का आदेश दिया, जिसका प्रिगोझिन और उनके कई लोगों ने विरोध किया था।

ट्रंप का सत्ता में आना देश के लोकतंत्र के लिए होगा खतरनाक,

बाइडेन बोले- चरमपंथियों द्वारा चलाई जा रही रिपब्लिकन पार्टी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि वो और उनके सहयोही देश के लोकतंत्र के लिए खतरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप देश के मूल्यों को बरकरार रखने के बजाय व्यक्तिगत सत्ता में ज्यादा विश्वास रखते हैं। व्हाइट हाउस में अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित वापसी के बारे में नई चेतावनी जारी करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने देश के लोकतंत्र के लिए संभावित खतरों का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका में कुछ खतरनाक हो रहा है। यह कहते हुए कि लोकतंत्र तब मर जाता है जब लोग चुप रहते हैं और खड़े नहीं होते तो उन्होंने मतदाताओं से अमेरिकी संस्थानों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

बाइडेन ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज की रिपब्लिकन पार्टी एमएजीए रिपब्लिकन चरमपंथियों द्वारा संचालित और भयभीत है। उनका चरम एजेंडा, अगर लागू किया गया, तो हम जैसे अमेरिकी लोकतंत्र की संस्थाओं को मौलिक रूप से बदल देगा। बता दें कि ÷मेक अमेरिका ग्रेट अगेन÷ एक राजनीतिक नारा है जिसे डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने 2016 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान लोकप्रिय बनाया था।

जब गर्मियों में पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग और गिरफ्तारियाँ बढ़ती रहीं तो अमेरिकी राष्ट्रपति अधिकतर चुप रहे। हालाँकि, जैसा कि रिपब्लिकन प्राइमरी में ट्रम्प की निषेधात्मक बढ़त अपरिवर्तित बनी हुई है और जैसा कि बाइडेन की खुद की स्थिति कम अनुमोदन में फंसी हुई है। राष्ट्रपति लोकतंत्र के लिए खतरे के रूप में अपने सबसे संभावित 2024 प्रतिद्वंद्वी पर अपने हमलों को तेज कर रहे हैं। ट्रम्प का कहना है कि संविधान ने उन्हें राष्ट्रपति के रूप में जो चाहें करने का अधिकार दिया है,÷ बिडेन ने अपने सबसे संभावित जीओपी चुनौतीकर्ता का नाम लेकर उल्लेख करते हुए कहा। ÷मैंने कभी राष्ट्रपतियों को मजाक में ऐसा कहते नहीं सुना।

दिल्ली में थे बाइडेन-सुनक, खालिस्तानी बना रहे थे ब्लास्ट का प्लान, भारत के जेम्स बॉन्ड ने ऐसे संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिन खालिस्तानी आतंकियों के लिए कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत से दुश्मनी मोल ली। उन्हीं खालिस्तानी आतंकवादियों ने जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान धमाके की साजिश रची। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए सिख फॉर जस्टिस से जुड़े खालिस्तानी आतंकी दिल्ली एयरपोर्ट और मेट्रो स्टेशन को निशाना बनाना चाहते थे। जी20 से ठीक पहले हुई मल्टी एजेंसी सेंटर की मीटिंग में साजिश का खुलासा हुआ और इस मीटिंग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक 31 अगस्त को आतंकी संगठन एसएफजे से जुड़े एक सदस्य के भारतीय मोबाइल नंबर पर वॉयस मैसेज आया। ब्रिटेन से आए वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस के सरगना गुरवंत सिंह पन्नू की आवाज भी थी।

इस वॉयस मैसेज में खालिस्तानी आतंकवादियों के जरिए दिल्ली में बॉम्ब ब्लास्ट की बात कही गई थी। ये बॉम्ब ब्लास्ट दिल्ली एयरपोर्ट और कई मेट्रो स्टेशन पर किए जाने थे। जिससे खालिस्तान रेफरेंडम की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे। जबकि इसी 31 अगस्त को एक और कॉल इंटरसेप्ट किया गया। उसमें जी20 समिट के वेन्यू यानी भारत मंडपम और विदेशी डेलीगेट्स के रुकने वाले होटलों को भी निशाना बनाए जाने की बात कही जा रही थी।

खालिस्तानी आतंकी जी20 समिट के दौरान हमला करके पूरी दुनिया में भारत की छवि धूमिल करने के साथ साथ खालिस्तान रेफरेंडम की आवाज को ग्लोबल मंच देने की फिराक में थे। सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के अनुसार पन्नू इन सब में फिलीपींस में रहने वाले गैंगस्टर मनप्रीत सिंह पीटा की मदद ले रहा था। मनप्रीत सिंह पीटा कनाडा में रहने वाले गैंगस्टर अर्श दल्ला का बेहद करीबी दोस्त है। लेकिन इससे पहले ही 11 अगस्त को एनआईए मनप्रीत सिंह पीटा और उसके भाई मनजीत को फिलिपींस से डिपोर्ट कर भारत ले आई।

करण जौहर के साथ मिलकर फिल्म 'जिगरा' को को-प्रोड्यूस करेंगी आलिया

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म 'जिगरा' का टीजर आउट हो चुका है। इस फिल्म में आलिया पहली बार एक्शन अवतार में नजर आएंगी। फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले होगी। फिल्म के डायरेक्टर वसन बाला होंगे। फिल्म जिगरा 27 सितंबर 2024 को होगी। आलिया ने अपना बॉलीवुड डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से की थी। अब आलिया करण जौहर के साथ अपनी फिल्म 'जिगरा' को-प्रोड्यूस करने वाली हैं।

हार्ट ऑफ स्टोन थी आलिया की लेटेस्ट फिल्म

आलिया भट्ट ने हाल ही में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया था। इस फिल्म में उनके साथ गैल गैडोट बतौर एक्ट्रेस नजर आई है। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। इसके बाद आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी हाल ही में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में आलिया के साथ रणवीर सिंह नजर आए थे। फिल्म रोमांस और कॉमेडी से भरपूर थी।

विजय की फिल्म में श्रीलीला की जगह नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

पुष्पा-द राइज में श्रीवल्ली बन हिंदी पट्टी के दर्शकों में खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आए दिन किसी न किसी कारण से सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री का हिंदी फिल्मों में डेब्यू बेशकश फ्लॉप रहा हो, लेकिन श्रीवल्ली के रूप में मिली प्रसिद्धि की वजह से उनकी लोकप्रियता खूब है। ऐसे में फैंस उनसे जुड़ी हर अपडेट पर नजरें बनाए रखते हैं। जहां एक तरफ वह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म पुष्पा- द रूल के लिए चर्चा में बनी हुई हैं, वहीं अब खबर आ रही है कि उन्होंने विजय देवरकोंडा की फिल्म साइन कर ली है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कुशी की सफलता के बाद विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म वीडी12 की तैयारियों में जुट गए हैं। गौतम तिन्नानुरी के निर्देशन में बनने जा रही है इस फिल्म में पहले अभिनेत्री श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में साइन किया गया था। लेकिन अब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनकी जगह रश्मिका मंदाना ने ले ली है। तो मतलब साफ है वीडी 12 में रश्मिका मंदाना ने श्रीलीला को रिप्लेस कर दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि श्रीलीला को तारीखों की दिक्कत की वजह से प्रोजेक्ट से हट गई हैं। सामने आई रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि श्रीलीला वीडी12 के लिए अपनी तारीखों पर विचार-विमर्श नहीं कर सकीं इसलिए उन्होंने खुद ही फिल्म से अपना हाथ खींच लिया है। ऐसे में निर्माताओं ने श्रीलीला की जगह मुख्य अभिनेत्री के तौर पर रश्मिका मंदाना को साइन कर लिया है। इस खबर से विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना के दिलों में खुशी की लहर दौड़ उठी है। वीडी12, गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद रश्मिका मंदाना और विजय की तीसरी फिल्म होगी।

पापा के लिए गदर-2 पुनर्जन्म जैसी है, 22 साल लगे इस सफलता के इंतजार में

सनी देओल के बेटे राजवीर देओल जल्द ही फिल्म 'दोनों' से बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने पिता और भाई करण देओल के बीते कुछ सालों के स्ट्रगल पर बात की। साक्षात्कार में राजवीर ने खुलकर अपने पापा के संघर्ष का जिक्र किया। जहां सनी गदर-2 से पहले बीते दो दशकों से एक हिट फिल्म की तलाश कर रहे थे। वहीं करण 2019 में रिलीज हुई अपनी डेब्यू फिल्म से दर्शकों और क्रिटिक्स को इम्प्रेस करने में नाकाम रहे। इंटरव्यू में राजवीर ने कहा कि पूरा देओल परिवार गदर-2 की सक्सेस पर यकीन नहीं कर पा रहा था। फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर 530 करोड़ से ज्यादा कमा चुकी है और तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म है। राजवीर ने कहा कि यह उनके पिता के लिए पुर्नजन्म जैसा है जो 80 और 90 के दशक में बॉलीवुड के सबसे बड़े स्टार थे। राजवीर ने आगे बताया, 'बीते 22 साल से मैं उनको स्ट्रगल और काम करते हुए देख रहा हूं। वो किसी दिन छुट्टी पर नहीं होते थे। जब लोग मुझसे आकर कहते थे कि एक एक्टर की लाइफ बड़ी आसान होती है, वो तो बस घूमते रहते हैं। मुझे तो यह सुनकर बहुत गुस्सा आता था क्योंकि मैंने अपने डैड को काम करते हुए देखा है। मैंने देखा है कि वो अपने काम के चलते परिवार को वक्त नहीं दे पाए। फाइनली उनके खाते में गदर-2 जैसी हिट फिल्म आई और वो इसे डिजर्व भी करते हैं। मुझे नहीं पता कि इस फीलिंग को कैसे बयां करना है पर मैं अभी तक इस पर यकीन नहीं कर पा रहा।'

मेरे साथ लोगों ने खुलेआम पॉलिटिक्स की, गुटबाजी के चलते मैंने फिल्में गंवाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने कई बार एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि फिल्म इंडस्ट्री में पॉलिटिक्स और गुटबाजी के चलते उन्हें कई फिल्में गंवानी पड़ीं। रवीना ने कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी के चलते उन्हें 'साजन चले ससुराल' जैसी हिट फिल्में गवांनी पड़ी थी। फिल्म में उनकी जगह करिश्मा कपूर को कास्ट कर लिया गया था। रवीना और करिश्मा ने साथ में 'अंदाज अपना अपना', 'रक्षक' और 'आतिश' जैसी फिल्मों में काम किया है। फिल्म अंदाज अपना अपना के एक सीन में करिश्मा और रवीना।

मैंने कभी किसी को प्रोजेक्ट से नहीं हटवाया

रवीना ने कहा, 'मैं हमेशा से एक हेल्दी कॉम्पिटिशन में बिलीव करती हूं क्योंकि इसके चलते आप अपना बेस्ड डिलिवर कर पाते हैं। हालांकि, मैं एक हद तक ही एंबिशियस हूं। कोई ऐसा नहीं कह सकता कि रवीना ने मुझे इस प्रोजेक्ट से हटवा दिया या रवीना ने इस न्यूकमर के साथ काम करने से मना कर दिया।'

अजय की विजयपथ से भी हुई थीं रिप्लेस

रवीना ने आगे कहा, 'मैंने कभी इस तरह की पॉलिटिक्स और गुटबाजी नहीं की पर कई लोगों ने मेरे खिलाफ खुलेआम पॉलिटिक्स की है। मैं डेविड धवन और गोविंदा के साथ फिल्म 'साजन चले ससुराल' में काम करने वाली थी। यहां तक कि मैंने अजय देवगन के अपोजिट 'विजयपथ' भी साइन की थी पर दोनों ही फिल्में मेरा हाथ से निकल गईं।'

सुपरहिट रही थीं दोनों फिल्में

1996 में रिलीज हुई साजन चले ससुराल में गोविंदा के अपोजिट करिश्मा कपूर और तबु नजर आई थीं। यह फिल्म उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। वहीं 1994 में रिलीज हुई विजयपथ भी उस साल की हिट फिल्मों में से एक थी। फिल्म के गाने बहुत ही ज्यादा हिट हुए थे।

शायद हमें एक-दूसरे से कॉम्पलेक्स रहा हो- रवीना

इससे पहले एक इंटरव्यू में रवीना ने अपने और करिश्मा के रिश्ते पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि तब मैं और करिश्मा बच्चे थे। हो सकता है कि हमें एक-दूसरे से कॉम्पलेक्स रहा हो। पर वक्त के साथ-साथ हम बड़े हो गए हैं। वर्कफ्रंट पर रवीना फिल्म 'घुड़चढ़ी' में संजय दत्त के अपोजिट नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास वेब सीरीज 'अरण्यक' का सेकंड सीजन भी है।

तृप्ति डिमरी संग धमाल मचाएंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है। फिल्मी बैकग्राउंड से न जुड़े होने के बावजूद भी एक्टर ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर आज वह सबकुछ हासिल कर लिया है, जिसे पाने का हर कोई सपना देखता है। वहीं अभिनेता राजकुमार राव आने वाले दिनों में कई अलग-अलग तरह की फिल्मों में नजर आने वाले हैं और अब उनके खाते से एक और फिल्म जुड़ गई है, जिसका नाम है विक्की विद्या का वो वाला वीडियो है। खास बात यह है कि फिल्म के निर्देशन की कमान ड्रीम गर्ल और ड्रीम गर्ल 2 का निर्देशन कर चुके राज शांडिल्य संभाल रहे हैं। टी-सीरीज ने फिल्म का एक शानदार पोस्टर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, अतीत का एक धमाका। पारिवारिक ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के जरिए राजकुमार और तृप्ति 90 के दशक की यादें ताजा करने आ रहे हैं। उधर शांडिल्य ने ट्वीट कर यह जानकारी दी कि ड्रीम गर्ल 2 के बाद यह उनकी अगली फिल्म है। इस फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। बात करे शांडिल्य की तो वह जाने-माने टेलीविजन और फिल्म राइटर हैं। उन्होंने अपना करियर 2006 में शुरू किया था। शांडिल्य कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और सुदेश लहरी के लिए लगभग 350 स्क्रिप्ट और कपिल शर्मा के लिए लगभग 200 स्क्रिप्ट लिख चुके हैं।

खतरों के खिलाड़ी 13 में चैलेंजर बनकर आएंगी हिना

खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में अभिनेत्री हिना खान एक चैलेंजर के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि बहादुरी के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करने के लिए चुना जाना सम्मान की बात है। शो के रोमांच की भावना को अगले स्तर पर ले जाते हुए, एक्शन मास्टर और होस्ट रोहित शेट्टी इस सीजन के तीसरे चैलेंजर का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शो के आठवें सीजन की मशहूर फाइनलिस्ट शेर खान के नाम से मशहूर हिना अपनी असाधारण लचीलेपन और शो के आठवें संस्करण में अधिकांश स्टंट में महारत हासिल करने के लिए प्रसिद्ध हैं, जो इस सीजन के प्रतियोगियों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। अपने निडर व्यक्तित्व को बरकरार रखते हुए, हिना शो में लग जा गले गाते हुए प्रवेश करती नजर आएंगी, क्योंकि वह एक चट्टान से कूदने वाली हैं। आगामी एपिसोड में, दर्शक हिना की अदम्य ताकत देखेंगे। एक चैलेंजर के रूप में केकेके 13 में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए, हिना ने कहा, खतरों के खिलाड़ी में वापसी उस रोमांच को फिर से देखने जैसा था जिसने मुझे वह बनाया जो मैं आज हूं। अगर मैं इस शो में नहीं होती तो मैं अपने डर पर काबू पाने की कल्पना भी नहीं कर पाती। अभिनेत्री ने कहा, एक चुनौतीकर्ता के रूप में इसमें वापसी करने से अद्भुत यादों की बाढ़ आ गई। खतरों के खिलाड़ी का यह सीजन अपने आप में अनोखा और हैरतअंगेज स्टंट से भरपूर है।

हड्डी में अनुराग कश्यप के साथ काम करना अद्भुत

फिल्म हड्डी के निर्देशक अक्षत अजय शर्मा ने कहा है कि अनुराग कश्यप के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा। अक्षत ने हड्डी का सह-लेखन और निर्देशन किया था। फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। एक खास बातचीत में निर्देशक ने ट्रांसजेंडर पर फिल्म बनाने और अनुराग कश्यप के साथ काम करने के बारे में बात की। अनुराग कश्यप के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में बात करते हुए, जिनकी उन्होंने अपनी फिल्मों में निर्देशक के रूप में सहायता की है, उन्होंने कहा, यह बिल्कुल भी मुश्किल नहीं था। अनुराग कश्यप की खूबी यह है कि जिन्होंने भी उनके साथ काम किया है, उन्होंने अद्भुत अनुभव पाया हैं। वह एक संस्कृति विकसित करते हैं, एक आजादी है जो वह जिम्मेदारी के साथ देते हैं। जब आप उनके साथ काम करते हैं तो आपको हमेशा कुछ भी कहने की आजादी होती है। वह मेरे लिए सपोर्टिंग पिलर रहे हैं। उसका होना बहुत बेहतरीन था। ट्रांसजेंडर पर फिल्म बनाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, देखिये हम किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। हमने चर्चा की थी कि हम फिल्म को घिसी-पिटी या उपदेशात्मक नहीं बनाएंगे। इस समुदाय में बहुत गहराई है। वे रामायण काल से ही हमारे साथ हैं। हम उन्हें केवल ऐसे लोगों के रूप में जानते हैं जो हमारे समारोहों में बधाई देने आते हैं। लेकिन हम दिखाना चाहते थे कि वे कैसे रहते हैं, क्या करते हैं। हमने वो सब बहुत ईमानदारी से दिखाया है। हड्डी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें नवाजुद्दीन, अनुराग कश्यप और इला अरुण मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिनमें से एक ट्रांसजेंडर की है। यह फिल्म 7 सितंबर को जी5 पर रिलीज हुई थी।

यारियां-2 का ट्रेलर हुआ लॉन्च, दिव्या खोसला कुमार हुईं इमोशनल

फिल्म यारियां-2, 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ये फिल्म मलयालम मूवी बैंगलोर डेज का रीमेक है। इस फिल्म में यश दासगुप्ता के साथ दिव्या खोसला कुमार, वरीना हुसैन, मीजान जाफरी और अन्य कलाकार भी नजर आएंगे। यारियां-2 फिल्म में कजिन बान्डिंग को दिखाया गया है। तीनों कजिन जब एक नए शहर में आते हैं, तो उनकी लाइफ में क्या मुश्किलें आती हैं और किस तरह से वे एक दूसरे को सपोर्ट करते हैं, बखूबी नजर आया है।

दिव्या खोसला हुई इमोशनल

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान दिव्या खोसला कुमार भावुक हुईं। उन्होंने अपनी मुंबई की जर्नी शेयर की। मीडिया से कहा, मेरी मम्मी मानती थीं कि राधिका-विनय मुझे स्क्रीन पर सबसे अच्छा प्रेजेंट करते हैं। जब मम्मी फिल्म के सेट पर आई थीं तब उन्होंने मेरे लुक की बहुत तारीफ की थी। इवेंट में सोशल मीडिया का बेहद पॉपुलर कपल सचेत टंडन और परंपरा ठाकुर भी नजर आए। उन्होंने फिल्म का सॉन्ग गाकर समां बांध दिया। सचेत-परंपरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर इनके मिलियन में सब्सक्राइबर हैं। अक्सर ये दोनों साथ में कपल वीडियो बनाते नजर आते हैं।

यारियां-2 फंसी थी विवादों में

यारियां-2 के टीजर रिलीज के बाद सिख समुदाय ने फिल्म के खिलाफ FIR दर्ज कराया था। फिल्म के एक गाने पर एक्टर मीजान जाफरी को कृपाण पहने दिखाया गया है। सिख समुदाय ने फिल्म के मेकर्स और एक्टर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया था।